राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

10 भारत में 2047 तक 47 हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनने का ...

इमरान की पीटीआई आज लाहौर से जेल भरो तहरीक की करेगी ... 12

वर्ष : 13 | अंक : 281 | नई दिल्ली, गुरुवार, 23 फरवरी, 2023 | पौष शुक्ल एकादशी, विक्रम संवत् 2079 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

ऐसी मानसिकता बनाई जा रही है कि जो 'जन्म से मृत्यु' तक का ठेका ले वही कल्याणकारी सरकार : वरुण गांधी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद वरुण गांधी ने बुधवार को कहा कि राजनीतिक दलों ने मुफ्त की रेवड़ियों की पेशकश की संस्कृति को बढ़ावा देकर जनमानस में एक ऐसी मानसिकता को प्रोत्साहित किया है कि जो सरकार जन्म से मृत्यु तक का उसका ठेका ले, वही कल्याणकारी सरकार है। शासन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर अक्सर अपनी चिंता जताने वाले वरूण गांधी ने कहा कि मुफ्त की रेवड़ियों की पेशकश कर सार्वजनिक धन के व्यापक दुरुपयोग के बारे में संवाद की जरूरत है।

गांधी ने अपनी हालिया किताब द इंडियन मेट्रोपोलिस के बारे में चर्चा करते हुए कहा, ऐसे कई वादे पूरे नहीं होते हैं या आंशिक रूप से अधूरे रह जाते हैं। ऐसे वादे करना मतदाताओं का अपमान है। उन्होंने कहा, सभी राजनीतिक दल अब मुफ्त रेवड़ियां बांटने की पेशकश करते हैं और इसके माध्यम से हकदारी की एक मानसिकता को प्रोत्साहित किया गया है। इससे जन्म से अंत तक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा पैदा हो रही है। हालांकि, उन्होंने कहा कि हर योजना या घोषणापत्र का वादा मुफ्त नहीं है। उनके मुताबिक स्कूलों में छात्रों के लिए मुफ्त भोजन, जैसा कि मध्याह्न भोजन योजना के तहत दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इसे मुफ्त के रूप में वगीर्कृत नहीं किया जाना चाहिए, यह देखते हुए कि यह हमारे बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है।

उन्होंने आगे कहा कि मुफ्त उपहारों के इस ढांचे में सुधार के लिए कई स्तर पर पहल की

आवश्यकता होगी। उत्तर प्रदेश से तीन बार सांसद रहे गांधी ने सुझाव दिया, मुफ्त उपहारों की घोषणा करने वाली सरकारों (चाहे राज्य हो या केंद्र) को एक वित्त पोषण योजना प्रदान करने की आवश्यकता होनी चाहिए। संसद (और राज्य विधानसभा) बजटीय समझ को मजबूत करने और कार्य करने की उनकी क्षमता बढ़ाने के लिए, नीतियों को तैयार करने और बजटीय विश्लेषण करने में सहायता के लिए एक बजटीय कार्यालय स्थापित किया जाना चाहिए। शहरों के सामने चुनौतियों के बारे में लिखी अपनी पुस्तक के बारे में चर्चा करते हुए गांधी ने कहा कि भारत के शहर अपने मास्टर प्लान में कई शहरी हरित स्थानों की आवश्यकता पर विचार करने में विफल रहे हैं। गांधी ने कहा, सरकारी स्तर पर, हम अपने शहरों में वनों और ग्रीन जोन के मूल्य और उनके अमूर्त लाभों के बारे में समझ के दिवालियेपन का सामना कर रहे हैं। अपनी बात के समर्थन में उन्होंने मुंबई का उदाहरण दिया और कहा कि 1964 और 1991 में शहर की विकास योजनाओं में 20 साल की अवधि के लिए भूमि उपयोग की योजना बनाने की बात की गई थी, लेकिन हरित स्थानों को कमजोर कर दिया गया। उन्होंने कहा कि और अब हर साल, मुंबई के कुछ सबसे महंगे रियल एस्टेट क्षेत्र मानसून की बारिश की बाढ़ में डूब जाते हैं। उन्होंने सिंगापुर के एक उदाहरण का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को इस बात पर पुनर्विचार करने की जरूरत है कि वह अपने शहरों का प्रबंधन कैसे करता है ताकि शहरीकरण की प्रक्रिया को धरती के लिए बेहतर बनाने पर जोर दिया जाए। गांधी पिछले कुछ समय से कृषि कानूनों, बेरोजगारी और शासन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर अपनी पार्टी से स्वतंत्र रुख अपना रहे हैं। उन्होंने अब तक चार किताबें लिखी हैं।

मौसम

अधिकतम तापमान 33.0°C

न्यूनतम तापमान 19.0°C

बाजार

सोना	56,00
चांदी	53,200
सेंसेक्स	54,406
निफ्टी	22,303

संक्षिप्त खबरें

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भूस्खलन के चलते लगातार दूसरे दिन भी बंद

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग भूस्खलन के चलते लगातार दूसरे दिन भी यातायात के लिए बंद है। मंगलवार से बनिहाल के निकट पत्थर गिरने और फिसलन के कारण राजमार्ग बंद हो गया था जो बुधवार को भी लगातार गिर रहे पत्थरों के चलते बंद है। ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार सुबह एक ट्वीट में कहा कि जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग अभी भी बंद है। बहाली का काम चल रहा है। लोगों को सलाह दी जाती है कि वे बहाली का काम पूरा होने तक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रा न करें। बता दें कि मंगलवार तड़के ही रामबन जिले के बनिहाल में शेर बीबी के शालगढ़ी क्षेत्र में भूस्खलन तथा लगातार गिर रहे पत्थरों के कारण जम्मू श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग बंद हो गया था।

बेहतर हवाई यात्रा से लोग आ रहे करीब: प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विमानन क्षेत्र लोगों को करीब ला रहा है। यही नहीं विमानन क्षेत्र अधिक हवाईअड्डों और बेहतर कनेक्टिविटी के साथ राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा दे रहा है। नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को ट्वीट किया था कि कोरोनाकाल के बाद 19 फरवरी को घरेलू हवाई यात्रियों (4,44,845) की आवाजाही नई ऊंचाई पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री ने बुधवार को इस ट्वीट को साझा कर खुशी जताई है।

भारत-गुयाना हवाई सेवा समझौते को मिली कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। कैबिनेट ने भारत और गुयाना के बीच हवाई सेवा समझौते को मंजूरी दे दी। गुयाना के साथ हवाई सेवा समझौते पर हस्ताक्षर करने से दोनों देशों के बीच हवाई सेवाओं के प्रावधान के लिए एक रूपरेखा तैयार होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को भारत सरकार और गुयाना सरकार के बीच हवाई सेवा समझौते पर हस्ताक्षर करने को अपनी मंजूरी दी। वर्तमान में भारत और गुयाना के बीच कोई हवाई सेवा समझौता नहीं है। दोनों पक्षों के बीच राजनयिक नोटों के आदान-प्रदान के बाद हवाई सेवा समझौता लागू होगा, जिसमें इस बात की पुष्टि की जाएगी कि प्रत्येक पक्ष ने इस समझौते के लागू होने के लिए आवश्यक आंतरिक प्रक्रिया पूरी कर ली है। इसके अलावा कैबिनेट ने अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन (शिकागो कन्वेंशन), 1944 पर सम्मेलन में संशोधन से संबंधित अनुच्छेद 3 बीआईएस और अनुच्छेद 50 (ए) और अनुच्छेद 56 पर तीन प्रोटोकॉल के अनुसमर्थन को मंजूरी दी।

खाद्य सुरक्षा आज की सबसे बड़ी चुनौती : जयशंकर

विदेश मंत्री ने कहा, मुझे अगर मौजूदा समय की कुछ बड़ी समस्या को चुनना हो तो उनमें अहम है खाद्य सुरक्षा का मामला। यूक्रेन युद्ध ने इस समस्या को और गहरा कर हमारे सामने खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को मोटे अनाज का अंतरराष्ट्रीय वर्ष मनाने का जो फैसला किया है वो बहुत अहम है। इसके परिणाम केवल भारत ही नहीं पूरी दुनिया के लिए हैं। इस साल जी-20 शिखर सम्मेलन से भी हम इस सन्देश को देना चाहते हैं कि खाद्य सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि सभी देश मिलकर प्रयास करें।

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने कहा है कि मौजूदा समय में विश्व की सबसे बड़ी चुनौती खाद्य सुरक्षा होने वाली है और इससे निपटने के लिए सभी देशों को मिलकर काम करना होगा। डॉ. जयशंकर ने मंगलवार को देर शाम श्रीनगर स्थित शेरे कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए प्रवेश खोले जाने के मौके पर राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा मेला कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए यह बात कही।

विदेश मंत्री ने कहा, मुझे अगर मौजूदा समय की कुछ बड़ी समस्या को चुनना हो तो उनमें अहम है खाद्य सुरक्षा का मामला। यूक्रेन युद्ध ने इस समस्या को और गहरा कर हमारे सामने खड़ा कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को मोटे अनाज का अंतरराष्ट्रीय वर्ष मनाने का जो फैसला किया है वो बहुत अहम है। इसके परिणाम केवल भारत ही नहीं पूरी दुनिया के लिए हैं। इस साल जी-20 शिखर सम्मेलन से भी हम इस सन्देश को देना चाहते हैं कि खाद्य सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि सभी देश मिलकर प्रयास करें। क्योंकि सदियों से हम मोटे अनाज का उत्पादन करते आए हैं। इसके लिए नए सिरे से प्रयास करने की जरूरत है।

कार्यक्रम में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के अध्यक्ष विनय सहस्त्रबुद्धे भी शामिल हुए। डॉ. जयशंकर ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा मेला पहल के लिए विश्वविद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि तीन साल पहले, जम्मू-कश्मीर में परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि विकास और प्रगति का पूरा लाभ जो शेष भारत ने कई वर्षों तक देखा था, वह जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए अब पूरी तरह से उपलब्ध है, खासकर युवाओं के लिए। इस लिहाज से जम्मू-कश्मीर के लोगों का राष्ट्रीय मुख्यधारा में होना बेहद महत्वपूर्ण था। ऐसा करने से, वे शेष भारत और अंतरराष्ट्रीय मुख्यधारा से

जुड़ेंगे। उन्होंने कहा, ₹मेरे लिए यह केवल एक शिक्षा कार्यक्रम नहीं है, यह सुनिश्चित करने का एक बहुत ही अभिन्न अंग है कि भारत का एक बहुत ही महत्वपूर्ण क्षेत्र दुनिया में जो कुछ हो रहा है, उससे जुड़ा है। डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारतीय विश्वविद्यालयों को अपने परिसरों में अधिक विदेशी छात्रों को आमंत्रित करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा, आज, भारत के पास दुनिया के 78 देशों में परियोजनाएं हैं जो या पूरी हो चुकी हैं या पूरी होने वाली हैं। इसलिए यदि हमारे संबंध इतने व्यापक हैं, निवेश इतने गहरे हैं और नेटवर्किंग इतनी अच्छी है, तो हमें यह देखने की जरूरत है कि भारत में अंतरराष्ट्रीय छात्रों का प्रवाह बड़ा हो।₹ विदेश मंत्री ने कहा, ₹एक वैश्वीकृत दुनिया में, यह नितांत आवश्यक है कि भारत के युवा दुनिया में क्या हो रहा है, इसके बारे में पूरी तरह से जागरूक हों और ऐसा करने का इससे बेहतर तरीका कोई नहीं है कि आपके बीच अंतरराष्ट्रीय छात्र हों।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान ने जम्मू-कश्मीर सरकार को देश के उच्च शिक्षा परिदृश्य की ताकत और जीवंतता के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर की ज्ञान विरासत को प्रदर्शित करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर प्रधानमंत्री श्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकास की एक नई सुबह देख रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लागू होने से हम अपने शिक्षा क्षेत्र का अंतरराष्ट्रीयकरण कर रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय शेरे कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय-कश्मीर के वैश्वीकरण का समर्थन, प्रोत्साहन और सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों को भारत को वैश्विक अध्ययन गंतव्य के रूप में स्थापित करने के प्रयासों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया।

केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा लाई गई राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्षमता निर्माण में योग्यता, कौशल और फ्लेक्सी विकल्पों द्वारा संचालित कैरियर और स्टार्ट-अप के अवसरों को खोलने का वादा करती है। उन्होंने कहा, जम्मू कश्मीर में कृषि के नए रास्ते, अरोमा मिशन और पर्पल रेवोल्यूशन की एक समृद्ध विरासत है, जो इसे भारत में कृषि स्टार्टअप आंदोलन का पथप्रदर्शक होने की क्षमता प्रदान करती है।

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू-कश्मीर के विकास में तेजी लाने और इसे छात्रों, यात्रियों और उद्यमियों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य में बदलने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार व्यक्त किया। उपराज्यपाल ने कहा कि इस पहल के साथ जम्मू-कश्मीर ने विदेशी छात्रों के लिए एक समर्पित कार्यक्रम शुरू किया है। हमारा उद्देश्य विभिन्न विषयों में अल्पकालिक और दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों के लिए जम्मू-कश्मीर में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को आमंत्रित करना और अंतर्राष्ट्रीय संपर्क को मजबूत करना है। पिछले तीन वर्षों में, हमने शिक्षा क्षेत्र को मजबूत करने, उद्योगों, कृषि और स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों के लिए ज्ञान श्रमिकों को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। उपराज्यपाल ने कहा कि नवाचार और विकास की प्रक्रिया के लिए ज्ञान लाभांश को धन में बदलने के लिए गंभीर प्रयास किए गए हैं। इस दिशा में इस विश्वविद्यालय की पहल देश के अन्य विश्वविद्यालयों के लिए भी एक उदाहरण स्थापित करेगी। उन्होंने कहा, प्रकृति के स्वर्ग में बसे परिसरों के अलावा, पेशेवर संकाय, उच्च जीवन स्तर, जम्मू-कश्मीर भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स से लेकर कृषि विज्ञान, योग, संस्कृत और अनुसंधान और नवाचार के लिए उद्योगों के साथ इंटरफेस से शुरू होने वाले विभिन्न पाठ्यक्रमों की पेशकश कर रहा है।

उपराज्यपाल ने कहा कि 150 से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों, दो केंद्रीय विश्वविद्यालयों, सात राज्य विश्वविद्यालयों, दो एम्स, आईआईएम, आईआईटी, एनआईटी, एनआईएफटी, आईआईएमसी और दो कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालयों के साथ जम्मू कश्मीर भारत में छात्रों के लिए एक पसंदीदा स्थान के रूप में उभरा है। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन के सद्गुणों के प्रति आमूल-चूल परिवर्तन, जिसे मानवता देख रही है, देशों के बीच आदान-प्रदान कार्यक्रमों द्वारा जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने और एक-दूसरे से सीखने और एक-दूसरे को हमारी यात्रा में अधिक से अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने में सक्षम बनाने का एक अवसर है। आज पूरी दुनिया भारत को प्रशंसा और आशा के साथ देख रही है।

एफएसपीए, नागालैंड से तीन-चार वर्षों में हट सकता है : अमित शाह

प्रात: किरण, एजेंसी

कोहिमा। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा है कि सशस्त्र बल अधिनियम (एफएसपीए), 1958 को नागालैंड में आंशिक रूप से हटा लिया गया है और अगले तीन-चार वर्षों में इसे राज्य से पूरी तरह से हटाया जा सकता है।नागालैंड के मुख्यमंत्री नीफ्यू रियो, उपमुख्यमंत्री वाई. पैटन, केंद्रीय भाजपा नेताओं और अन्य नेताओं के साथ मंगलवार को तुएनसांग शहर के परेड ग्राउंड में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए श्री शाह ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले सात-आठ वर्षों में उत्तर-पूर्व क्षेत्र के लिए विकास कार्य हुए और इस क्षेत्र में हिंसा में भी 70 फीसदी की गिरावट हुयी है, जबकि नागरिक मौतों में 83 फीसदी की कमी आई है।

उन्होंने कहा कि इस अवधि के दौरान, श्री मोदी ने 50 से अधिक बार पूर्वोत्तर क्षेत्र का दौरा किया, जो देश के किसी भी प्रधानमंत्री पहले ऐसा नहीं किया था। उन्होंने मोदी सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला और एनडीपीपी-भाजपा गठबंधन के लिए समर्थन तथा शांति एवं विकास के लिए श्री मोदी और रियो के हाथों को मजबूत करने की मांग की।श्री शाह ने जोर देकर कहा कि नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी)-भाजपा गठबंधन सत्ता बरकरार रखेगा। ईस्टर्न नागालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) द्वारा फ्रंटियर नागालैंड राज्य की मांग पर, श्री शाह ने यह भी संकल्प लिया कि पूर्वी नागालैंड में विकास की एक और नई परियोजना शुरू की जाएगी और 27 फरवरी को आगामी विधानसभा चुनावों से दूर रहने के अपने प्रस्ताव को वापस लेने के लिए अपनी खुशी भी व्यक्त की, और कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव के बाद एक समझौते पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।श्री शाह ने पूर्वी नागालैंड में विकास में कमी को स्वीकार किया और ईएनपीओ की मांग को जायज करार दिया।

यूक्रेन ने संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव पर भारत का समर्थन मांगा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख आंद्रिये यरमाक ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से बात की और यूक्रेन में शांति स्थापना पर संयुक्त राष्ट्र मसौदा प्रस्ताव पर भारत का समर्थन मांगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत का सहयोग काफी महत्वपूर्ण है। यूक्रेन के बयान के अनुसार, यरमाक ने टेलीफोन कॉल के दौरान डोभाल को दोनेत्स्क क्षेत्र के बखमुत शहर में बेहद कठिन रक्षा हालात सहित मोर्चे पर वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी दी। यरमाक ने कहा, हमें मालूम है कि रूस कुछ आक्रामक कार्रवाई की तैयारी कर रहा है और हम इसका जवाब देने की तैयारी कर रहे हैं। रूसी सेना में उत्साह नहीं है जबकि यूक्रेन के योद्धा अभूतपूर्व बहादुरी और प्रतिरोध का प्रदर्शन कर रहे हैं। हम तब तक नहीं रूकेंगे जब तक कि हम अपने पूरे क्षेत्र को मुक्त नहीं करा लेते। हमें केवल हथियारों की जरूरत है। यरमाक ने डोभाल को एक ऐसे समय में टेलीफोन कॉल किया है जब यूक्रेन में स्थायी शांति के रास्ते तलाशने के महत्व को रेखांकित करने वाले संयुक्त राष्ट्र के मसौदा प्रस्ताव पर इस सप्ताह मतदान होगा। यह मसौदा प्रस्ताव रूस के यूक्रेन पर हमले की शुरूआत के एक वर्ष पूरा होने पर लाया जा रहा है।

मोदी के नेतृत्व में विश्व की जटिल समस्याओं पर भी भारत रख रहा अपना पक्ष : जेपी नड्डा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व की जटिल समस्याओं पर अपना पक्ष रख रहा है। यूक्रेन-रूस संघर्ष में दुनिया ने इसे देखा है। आज भारत स्वतंत्र विदेश नीति लेकर चल रहा है और घरेलू राजनीति का दवाब नहीं है। भाजपा अध्यक्ष ने आज 'मोदी-शॉपिंग ए ग्लोबल ऑर्डर इन फ्लेक्स' पुस्तक के लोकार्पण के दौरान आयोजित कार्यक्रम में अपनी बात रख रहे थे। उन्होंने कहा कि 2014 में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत की विश्व में छवि बदली है। यह पुस्तक इसी विषय पर हमें अंतरदृष्टि देती है।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत डिजिटल क्षेत्र में नेतृत्व कर रहा है।

दुनिया का 40 प्रतिशत डिजिटल लेन-देन आज भारत में होता है। भारत के रुपे कार्ड को अन्य देश भुगतान के लिए स्वीकार कर रहे हैं और यूपीआई को अपने देश में लाना चाहते हैं।

कोविड काल में कोविन एप ने बड़ी भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में भारत कॉप26 और मिशन लाइफ में दुनिया का नेतृत्व कर रहा है। नड्डा ने कहा कि पिछली सरकार के दौरान देश की छवि काफी खराब थी। अस्थिर सरकारें, भ्रष्टाचार, गिरती अर्थव्यवस्था कई क्षेत्रों में भारत को सही सम्मान नहीं मिल रहा था। यहां तक की घरेलू राजनीति के दवाब में हम इजरायल जैसे देश के साथ संबंध नहीं बना पा रहे थे। मोदी ने दो इजरायल और फिलिस्तीन की अलग अलग यात्रा कर साबित किया कि दो भिन्न देशों के साथ अलग-अलग संबंध रखे जा सकते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में फिर कांपी धरती, नेपाल में था भूकंप का केंद्र, रिक्टर स्केल 4.8 रही तीव्रता

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में बुधवार दोपहर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र नेपाल में था. रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.8 थी। नेपाल के जुमला से 69 किमी दूर इसका केंद्र था। हालांकि, दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके काफी हल्के थे. कहीं से जान माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। इससे पहले बुधवार को दोपहर 1.30 बजे उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता 4.4 थी। भूकंप का केंद्र पिथौरागढ़ से 143 किमी दूर जमीन के 10 किलोमीटर भीतर थी। दिल्ली-एनसीआर के अलावा आज पश्चिमी यूपी और हरियाणा में भी भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार, यह झटके दोपहर 1:49 बजे महसूस किए गए। हालांकि इन भूकंप के हल्के झटकों से किसी भी तरह की हानि की खबर नहीं है। आपको बता दें कि अभी पिछले महीने भी दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। उस समय दोपहर का ही वक्त था। लोगों की कुर्सियों से लेकर पंखे और खिड़कियां भी हिलने लगे थे। उस वक्त कुछ सेकेंड के लिए ही सही लेकिन लोगों की जान पर बन आई थी। इससे पहले जम्मू-कश्मीर के कटरा में बीते शुक्रवार की सुबह-सुबह 5 बजकर एक मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक भूकंप जम्मू-कश्मीर के कटरा से 97 किमी पूर्व में आया था।

चुनावी रैली | राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा को मेघालय की भाषा, संस्कृति और इतिहास को नष्ट नहीं करने देगी

भाजपा 'धौंसपट्टी दिखाने वाले' छात्र की तरह है जो किसी का सम्मान नहीं करती : राहुल

प्रात: किरण, एजेंसी

शिलांग। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कक्षा में धौंसपट्टी दिखाने वाले ऐसे छात्र की तरह है, जो किसी का सम्मान नहीं करता क्योंकि उसे लगता है कि वह सब जानता है। गांधी ने शिलांग में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि टीएमसी मेघालय में यह सुनिश्चित करने के लिए चुनाव लड़ रही है कि पूर्वोत्तर राज्य में भाजपा सत्ता में आ जाए। उन्होंने कहा, भाजपा-आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) कक्षा में धौंस जमाने वाले उस छात्र की तरह हैं, जिसे लगता है कि वह सब जानता है और सब समझता है और इसीलिए वह किसी का सम्मान नहीं करता। हमें उनसे मिलकर लड़ना होगा। गांधी ने कहा कि कांग्रेस, भाजपा को

मेघालय की भाषा, संस्कृति और इतिहास को नष्ट नहीं करने देगी।

गांधी ने इस मौके पर मेघालय की पारंपरिक जैकेट पहन रखी थी। उन्होंने जैकेट का जिक्र करते हुए कहा, मैंने आपकी संस्कृति एवं परंपरा के प्रति सम्मान दिखाने के लिए इसे पहना है। उन्होंने कहा, लेकिन जैसा कि प्रधानमंत्री करते हैं, अगर मैं यहां आकर इस जैकेट को पहनकर आपके धर्म, संस्कृति, इतिहास और भाषा पर हमला करूं, तो यह आपका अपमान होगा। गांधी ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधते हुए पश्चिम बंगाल में हिंसा और घोटालों की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा, आप, तृणमूल का पश्चिम बंगाल में हिंसा एवं घोटालों का इतिहास जानते हैं। आप उनकी परंपरा से वाकिफ हैं। उन्होंने गोवा (चुनाव) में बड़ी रकम खर्च की और उनका मकसद भाजपा की मदद करना था। मेघालय में भी उनका यही विचार है। तृणमूल का मेघालय में यह सुनिश्चित करने का विचार है कि भाजपा मजबूत होकर सत्ता में आए। गांधी ने राज्य में कोनराड के संगमा के नेतृत्व वाली मेघालय डेमोक्रेटिक एलायंस (एमडीए) सरकार पर भ्रष्टाचार में शामिल रहने का आरोप लगाया।

जिलाधिकारी ने सुनी जनता की समस्याएं

प्रात: किरण, संवाददाता

हल्द्वानी। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने बुधवार को कैम्प कार्यालय हल्द्वानी में फरियादियों की जनता दरबार लगाकर जन समस्याएं सुनी। जनता दरबार में फरियादियों द्वारा मुख्यतयाः पेयजल, सडक, पेंशन, भूमि, अतिक्रमण,विद्युत आदि की समस्या से सम्बन्धित शिकायतें दर्ज हुई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने दूरभाष से वार्ता कर एवं मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में समस्याओं का निस्तारित करते हुए अवगत कराने के भी निर्देश दिए। जनता दरबार में एचएच खान ने अवगत कराया कि ग्राम गौजाजाली को नगर निमग में शामिल किया था व नगर निगम द्वारा नालियों का निर्माण कार्य कराया गया तथा वार्ड न0 59 के सभी नालियों का गंदे पानी को एक बडे नाले में खुले स्थान पर प्रवाहित किया गया है जिससे खुले स्थान पर एकत्रित गंदे पानी से दुर्गंध आने के साथ ही मच्छर, मक्खी आदि से गम्भीर बीमारियों की सम्भावना बनी है। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने नगर आयुक्त को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। हरीश महरा निवासी ग्राम अधोडा ने मनरेगा के तहत मत्स्य पालन टैक में किये गये कार्यो में घोर अनियमित्ताओं के सम्बन्ध में जॉच एवं कड़ी कार्यवाही करने की मांग की। जिसके सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने खण्ड विकास अधिकारी, नैनीताल को जांच करते हुए आख्या उपलब्ध करने के निर्देश दिये। ग्राम प्रधान रतनपुर सुधा देवी ने अवगत कराया कि ग्राम पंचायत रतनपुर बैलपड़ाव में 7 राजस्व गांव है जिनकी लम्बाई काफी है। विद्युत विभाग द्वारा बिछाई गई बिजली की तारे कई जगह झूल रही है व विद्युत पोलों की दूरी अधिक होने से दुर्घटना होने की सम्भावना बनी हुई है जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत को स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही करने निर्देश दिये। ग्राम प्रधान डीकर सिंह मेवाडी ने अवगत कराया कि विकासखण्ड ओखलकाण्डा के ग्राम पंचायत ककोड़ हरीशताल मुख्य मार्ग में गड्ढे एवं निचला हिस्सा गिर जाने के कारण ग्रामीणवासियों को वाहन से आवागमन करने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अवगत कराया कि उक्त क्षेत्र में फल एवं सब्जी की पैदावार क्षेत्र है जो कि हल्द्वानी मण्डी को फल-सब्जी पहुँचाने के लिए ग्रामवासियों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने उक्त क्षेत्र में सीसी सड़क निर्माण एंव दीवार निर्माण की मांग की। जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियन्ता लोनिवि को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। वार्ड न0 55 मानपुर पश्चिम क्षेत्रवासियों ने अवगत कराया कि प्राचीन शिव मन्दिर के समीप एक बार खोला जा रहा है। उक्त बार के बगल में पारिवरिक लोग भी निवास करते है क्षेत्रवासियों ने उक्त बार को शीघ्र हटाने की मांग की जिस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित आबकारी अधिकारी को जॉच करते हुए अवगत कराने के भी निर्देश दिये। पूर्व सैनिक हवलदार विक्रम सिंह,निवासी पार्वती इनक्लेव बिठौरिया कुसुमखेडा ने अपने मकान में धोखाधडी से अन्य व्यक्ति द्वारा कब्जा करने पर न्याय दिलाने की शिकायत दर्ज की। जिस पर जिलाधिकारी ने पुलिस क्षेत्राधिकारी को जॉच करते हुए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। शकील अहमद सलमानी ने बताया कि इन्दिरानगर निशाद स्कूल के सामने बहुत दिनों से नाले की सफाई नही हुई थी जिससे नाले का गंदा पानी मुख्य सड़क पर बह रहा है। जिससे क्षेत्रवासियों को डेगू मलेरिया जैसी गम्भीर बिमारियों का खतरा बना हुआ है। जिलाधिकारी ने नगर निगम को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। जनता दरबार में अपर जिलाधिकारी अशोक जोशी,अपर मुख्य अधिकारी डॉ रश्मि पंत, मुख्य नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय, सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह, उपजिलाधिकारी मनीष कुमार, अधिशासी अभिन्यता अशोक चौधरी, सहित अन्य उपस्थित थे।

निगम एवं प्रशासन की अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही, दो फड़ो पर गरजी जेसीबी

प्रात: किरण, संवाददाता

हल्द्वानी। उत्तराखंड के हल्द्वानी में नगर निगम एवं जिला प्रशासन ने बनभूलपुरा में नगर निगम भूमि पर बने दो अवैध फड़ो पर कार्यवाही करते जेसीबी से अवैध फड़ो को ध्वस्त किया। बता दें कि नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय एवं सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह के नेर्तत्व में आज बुधवार नगर निगम एवं प्रशासन की टीम ने बनभूलपुरा लाइन नम्बर 12 में बने दो अवैध फड़ो को जेसीबी से ध्वस्त किया। जानकारी के अनुसार ध्वस्तीकरण की कार्यवाही पर रोक लगाते हुए हल्द्वानी सिविल कोर्ट ने यथास्थिति बनाने के नगर निगम हल्द्वानी को निर्देश दिए थे, लेकिन आदेश समय पर ना मिलने पर कार्यवाही अमल में लाई जा चुकी थी। नगर आयुक्त पंकज उपाध्याय ने बताया कि ऐसी शिकायतें मिल रही थी कि सार्वजनिक स्थान को तबेले के रूप में विकसित कर दिया है, तथा उसमें दो फड़ भी बना दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि निगम ने दो फड़ स्वामियों को नोटिस देकर आज ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की। इधर सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह ने कहा कि बनभूलपुरा लाइन नम्बर 12 में सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमणकारियों ने अतिक्रमण कर रखा था, जिसमें नगर निगम की टीम ने अतिक्रमण हटाने की आज कार्यवाही की। उन्होंने अपील की है कि यदि किसी भी व्यक्ति ने सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण किया है, तो वह अतिक्रमण हटा ले।

संक्षिप्त खबरें

रिश्तेदार को फंसाने के लिए शख्स ने की बच्चे की हत्या

शाहजहांपुर जिले के कांट क्षेत्र में आठ साल के बच्चे का शव मिलने के तीन दिन बाद पुलिस ने बुधवार को उसके चचेरे भाई समेत दो युवकों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी जिस महिला से दोस्ती करना चाहता था, उसके मामा को झूठे मामले में फंसाने के लिए उसने इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस अधीक्षक एस. आनंद ने कहा, ह्यरविवार को कांट थाना क्षेत्र के मीरवश्या गांव में एक आठ साल के बच्चे उत्तम का शव बरामद किया गया था। इस मामले में मृत बच्चे के चचेरे भाई प्रशांत और उसके दोस्त पंकज को गिरफ्तार किया गया है ह्ल उन्होंने कहा, ह्यप्रशांत ने हमें बताया कि वह एक महिला से दोस्ती करना चाहता था और उसने उसके मामा को फंसाने के लिए वारदात को अंजाम दिया था। आनंद ने बताया कि प्रशांत और पंकज ने तीन दिन पहले बच्चे का शव बरामद होने के कुछ ही देर बाद ग्रामीणों से कहा था कि किसी ने उन्हें फोन पर बताया कि लड़की के मामा ने हत्या की है। उन्होंने बताया कि दोनों का दावा उनके मोबाइल फोन के कॉल डेटा रिकॉर्ड के निष्कर्षों में झूठा पाया गया। दोनों को संदेह के आधार पर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में दोनों ने अपना गुनाह कुबूल भी कर लिया।

उत्तर प्रदेश : नाबालिग लड़की से बलात्कार के आरोप में प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरनगर जिले में एक किशोरी से कथित बलात्कार के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने बुधवार को बताया कि मुजफ्फरनगर शहर कोतवाली क्षेत्र में सोनू नाम के एक व्यक्ति पर मंगलवार रात 17 वर्षीय एक लड़की से घर की छत पर बलात्कार करने के आरोप में पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा, ह्यसोनू और लड़की दोनों संदिग्ध परिस्थितियों में एक मंजिला घर की छत से गिर गए थे। इस घटना में लड़की के पैर की हड्डी टूट गई। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में लड़की की मां की शिकायत पर सोनू के खिलाफ बलात्कार और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो)की सुसंगत धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उप्र बजटः मेट्रो रेल परियोजनाओं और आरआरटीएस परियोजना को गति देने के लिए अरबों रुपये की व्यवस्था

उत्तर प्रदेश सरकार ने बुधवार को राज्य के प्रस्तावित बजट में आगरा, कानपुर में मेट्रो रेल परियोजनाओं और दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम आरआरटीएस) परियोजना के लिए बड़ी राशि आवंटित की है। यहां जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि प्रदेश में रेल और रोपवे कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए बजट में विशेष ध्यान दिया गया है। बजट 2023-24 में जहां उत्तरप्रदेश के चार महानगरों में मेट्रो रेल सेवा को विकसित करने के लिए ढाई हजार करोड़ से ज्यादा का प्रावधान किया गया है। वहीं वाराणसी एवं अन्य शहरों में रोप-वे सेवा विकसित किये जाने के लिए 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में 585 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था की गयी है।

उप्र सरकार ने पेश किया 6.90 लाख करोड़ रुपये का सबसे बड़ा बजटः सत्ता पक्ष ने सराहा, विपक्ष ने बताया दिशाहीन

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की अगुवाई वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार ने बुधवार को वित्त वर्ष 2023-24 के लिये विधानसभा में छह लाख 90 हजार 242 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यकनाथ ने बुधवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2023-24 के लिये पेश बजट को राज्य.को 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की नींव का पत्थ2र करार देते हुए कहा कि उनकी सरकार जनता पर कोई नया कर लगाये बगैर वित्तीय अनुशासन और प्रबंधन के बल पर बजट के आकार को बढ़ाने में सफल रही है। वहीं, राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी(सपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने बुधवार को राज्य के बजट को 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले दिशाहीन और वादों का पिटारा करार दिया। प्रदेश के इतिहास के इस सबसे बड़े बजट में मूलभूत अवसंरचना विकास, शिक्षा, स्वा स्यय तथा किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए धनराशि प्रस्तावित की गयी है। प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने विधानसभा में छह लाख 90 हजार 242 करोड़ 43 लाख रुपये का बजट पेश किया। सरकार ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए छह लाख 15 हजार 518 करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। इस बार बजट में 32 हजार 721 करोड़ 96 लाख रुपये की नई योजनाएं शामिल की गयी हैं। खन्ना ने बजट पेश किया तो सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों ने जय श्री राम के उद्घोष और मेज थपथपाकर स्वागत किया तो मुख्यामंत्री योगी आदित्यानाथ लगातार मुस्कराते रहे। बजट पेश करते समय खन्ना ने शेर व शायरी का इस्तेमाल किया। इस बीच हर शेर-शायरी पढ़े जाने के दौरान सत्ता पक्ष के सदस्य मेजें थपथपाकर तेज ध्वनि के साथ खन्ना का स्वागत करते देखे गये। हालांकि, विपक्षी सदस्यों ने खन्ना के बजट भाषण के दौरान पूरी तरह शांति बनाये रखी। नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव समेत राज्ये की मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी

के कई सदस्य काली शेरवानी, काला कोट, काली अचकन और काली सदरी पहनकर आए थे। समाजवादी पार्टी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से अखिलेश यादव समेत कई सदस्यों की काली शेरवानी पहने एक तस्वीर साझा करते हुए ट्वीट किया हुजूर आप का बजट शेरवानी में, बड़ी-बड़ी उम्मीदों की मेजबानी में। अखिलेश यादव ने राज्यम की भाजपा सरकार द्वारा बुधवार को पेश किये गये बजट को दिशाहीन और निराशाजनक करार देते हुए कहा है कि बजट को देखते हुए ऐसा नहीं लगता कि सरकार प्रदेश को 1000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बना पायेगी। यादव ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ह्यह्यभाजपा सरकार का यह सातवां बजट है; जिस पार्टी की सरकार को छह साल काम करने का मौका मिला हो उसका यह बजट दिशाहीन नजर आता है। इसमें ना तो आज की समस्याओं का समाधान मिलता है और ना ही भविष्य की किसी भी फैसले को आगे ले जाने का कोई रास्ता दिखायी देता है। बसपा अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्य मंत्री मायावती ने बुधवार को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए पेश किये गये बजट को ऊंट के मुंह में जीरा करार देते हुए इसे लोकसभा चुनाव के स्वार्थ को लेकर एक बार फिर वादों का पिटारा करार दिया। बजट पेश होने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, उप्र सरकार द्वारा सदन में आज पेश बजट जनहित व जनकल्याण का कम एवं लोकसभा चुनाव (2024 में होने वाले) स्वार्थ को लेकर पुनः वादों का पिटारा। राष्ट्री य लोकदल के उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि बजट में किसानों, जवानों के मामलों को छुआ नहीं और कोरोना के कारण समाप्त हुए रोजगार का भी कोई समाधान नहीं दिखा। कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने बजट को निराशाजनक करार देते हुए कहा कि सरकार पिछले बजट का ही 50 प्रतिशत खर्च नहीं कर पायी है। राजनीतिक जानकारों ने अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत बजट को सभी वर्गों को साधने की पहल कहा है।

उप्र बजट : बुनियादी ढांचा मजबूत करने और औद्योगिक विकास पर सरकार का जोर

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश सरकार ने हाल में हुए वैश्विक निवेशक सम्मेलन के जरिए मिले प्रदेश में 33.52 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव को अमली जामा पहनाने के इरादे से बुनियादी ढांचा मजबूत करने और औद्योगिक विकास पर जोर दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्नाज ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पेश किये गये बजट में यह उल्लेख करते हुए कहा कि झांसी लिंक एक्सप्रेस-वे तथा चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे की नई परियोजनाओं के प्रारम्भिक चरण के लिए 235 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया गया है। इसी प्रकार बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे के

साथ डिफेंस कॉरिडोर परियोजना के लिए 550 करोड़ रुपये की व्यवस्था बजट में की गयी है। सरकार ने प्रस्तावित बजट में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ गोरखपुर में औद्योगिक गलियारा विकसित करने के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इसके अलावा पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे एवं बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे के किनारे छह स्थानों पर औद्योगिक विनिर्माण कॉम्प्लेक्स बनाने का निर्णय सरकार ने लिया है।

इसमें से चार कॉम्प्लेक्स पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किनारे तथा दो कॉम्प्लेक्स बुन्देलखंड एक्सप्रेस-वे के किनारे बनाए जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश में फार्मा पार्कों की स्थापना एवं विकास के लिए 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था बजट में की गयी है। वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा निर्यात प्रोत्साहन को ध्यान में रखते हुए ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) और हस्तशिल्प उत्पादों की मार्केटिंग को प्रोत्साहित करने के लिए यूनिटी मॉल की स्थापना की जाएगी जिसके लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 200 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव किया गया है। सरकार ने बजट में सड़कों और सेतुओं के निर्माण के लिए 21,159 करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया है। एक बयान में कहा गया कि योगी सरकार में सड़क व सेतु के जरिए ह्यआत्मनिर्भर उत्तर प्रदेशह्ल की नींव मजबूत हो रही है। बजट 2023-24 में सड़कों और सेतुओं के निर्माण के लिए 21,159 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वहीं इसके अनुरक्षण हेतु 6209 करोड़ रुपये प्रस्तावित है। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों के लिए 1525 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की नींव को मजबूत करेगा सर्व समावेशी बजट : योगी

लखनऊ, एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि राज्य के समग्र और समावेशी विकास को ध्यान में रखते हुये वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिये पेश किया बजट ह्यआत्मनिर्भर भारतह्ल की तर्ज पर ह्यआत्मनिर्भर उत्तर प्रदेशह्ल की नींव को मजबूत करेगा। बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये श्री योगी ने विधानभवन में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वर्ष 2016-17 में बजट का आकार 3.40 लाख करोड़ का था जो इस साल दो गुने से भी अधिक यानी 6.90 लाख करोड़ से अधिक का हो चुका है जो अर्थव्यवस्था को विस्तार देने की सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। पिछले छह सालों में प्रति व्यक्ति आय दोगुनी हुयी जबकि सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत में भी उल्लेखनीय इजाफा दर्ज किया गया। उन्होने कहा कि बजट मे पिछले विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किये गये 130 वादो में से 119 को पूरा करने का प्रयास किया गया है। उन्होने कहा कि सरकार ने जनता को महंगाई से राहत देने के इरादे से बजट में कोई नया कर नहीं लगाया है बल्कि पेट्रोल और डीजल पर वैट को कम किया जिससे उपभोक्ता वस्तुयें सस्ती हुयी। सरकार ने जनता पर कोई अतिरिक्त बोझ न डालते हुये वित्तीय अनुशासन का पालन किया जिससे राजकोषीय घाटा 3.5 फीसदी से 3.24 फीसदी करने में मदद मिली। श्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में सरकार ने ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्ल की भावना का प्रतिनिधित्व करते हुये प्रदेश के समग्र विकास की दिशा में अहम कदम उठाये हैं। उन्होने कहा कि निवेश के लिये जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर सरकार ने विशेष ध्यान देते हुये बड़ी राशि खर्च करने का फैसला किया है जो रोजगार सृजन में बड़ी भूमिका निभायेगा।उन्होने कहा कि प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में प्रदेश में 33.52 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव सरकार को मिले हैं। सरकार छह माह के भीतर ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी करेगी जिसमें पांच लाख करोड़ से

अधिक के निवेश प्रस्ताव जमीन पर उतरने के पूरे आसार हैं। बजट में झांसी लिंक एक्सप्रेस-वे तथा चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे की नई परियोजनाओं के प्रारम्भिक चरण के लिए 235 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। इसी प्रकार बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के साथ डिफेन्स कॉरिडोर परियोजना के लिए 550 करोड़ रुपये की व्यवस्था बजट में की गयी है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ गोरखपुर में इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए 200 करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे जबकि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे एवं बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के किनारे छह स्थानों पर इंडस्ट्रियल मैन्युफैक्चरिंग कॉम्प्लेक्स बनाने का निर्णय सरकार ने लिया है। इसमें से चार कॉम्प्लेक्स पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के किनारे तथा दो कॉम्प्लेक्स बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के किनारे बनाये जाएंगे। उन्होने कहा कि प्रदेश में फार्मा पार्कों की स्थापना एवं विकास के लिए 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था बजट में की गयी है। वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) तथा निर्यात प्रोत्साहन को ध्यान में रखते हुए ओडीओपी और हस्तशिल्प उत्पादों की मार्केटिंग को प्रोत्साहित करने के लिए यूनिटी मॉल की स्थापना की जाएगी। इसके लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। श्री योगी ने कहा कि बजट में युवाओं की शिक्षा और उनके रोजगार का ध्यान रखा गया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के भी प्रयास किए गए हैं। इसके लिए स्टार्टअप्स को बढ़ावा दिया गया है। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के पात्र छात्र - छात्राओं को टैबलेट / स्मार्टफोन देने के लिये वित्तीय वर्ष 2023-2024 के बजट में 3600 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसके माध्यम से सरकार युवाओं में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा दे रही है।

साथ ही सरकार का उद्देश्य है कि किसी भी परिस्थिति में कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित नहीं होना चाहिए। युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सरकार यूपी स्टार्टअप नीति - 2020 के अन्तर्गत कृषि, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, ऊर्जा, खादी, शिक्षा, पर्यटन, परिवहन आदि क्षेत्रों में स्टार्टअप को बढ़ावा दे रही है। प्रदेश 50 इन्क्यूबेटर तथा 7200 स्टार्टअप्स कार्यरत हैं। नीति के अंतर्गत पीजीआई लखनऊ, आईआईटी कानपुर तथा नोएडा परिसर में आर्टिफिशियल इन्टेलीजेन्स के क्षेत्र में परिचालन प्रारम्भ किया जा चुका है। इन्क्यूबेटर्स को बढ़ावा देने तथा स्टार्टअप्स के लिए सीड फण्ड के लिये 100 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश सूचना प्रौद्योगिकी एवं स्टार्टअप्स नीति के लिये 60 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। ग्रामीण क्षेत्रों में युवा उद्यमियों को एग्रीटेक - स्टार्ट-अप्स की स्थापना के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एग्रीकल्चर एक्सीलरेटर फण्ड के लिए 20 करोड़ रुपए प्रस्तावित हैं।

यूपी के विकास में मील का पत्थर साबित होगा बजट : अनुप्रिया

लखनऊ, एजेंसी

अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल ने उत्तर प्रदेश विधानसभा में प्रस्तुत 6.90 लाख करोड़ के बजट की प्रशंसा करते हुए कहा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा प्रस्तुत यह मेगा बजट प्रदेश के हर वर्ग के चेहरे पर मुस्कान लाने में मील का पत्थर साबित होगा। केंद्रीय मंत्री पटेल ने कहा, ह्लउत्तर प्रदेश की लोकप्रिय एनडीए सरकार ने प्रदेश की 25 करोड़ जनता की आशाओं व आकांक्षाओं के अनुरूप आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की संकल्पना को साकार करने वाला 2023-24 का लोक कल्याणकारी बजट पेश किया है। इस बजट के माध्यम से प्रदेश के गरीब, किसान, महिला, मजदूर, आदिवासी समाज के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को धन्यवाद एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई देती हूँ। अपना दल (एस) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रदेश के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा प्रस्तुत लोक कल्याणकारी बजट की प्रशंसा करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में आज वित्त सुरेश खन्ना ने वर्ष 2023-24 का लोक कल्याणकारी बजट पेश किया। यह बजट सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्ल के मूल मंत्र के अनुरूप प्रदेश के गरीबों, वंचितों, पिछड़ों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के सर्वांगीण विकास को समर्पित है। आशीष पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से डबल इंजन की एनडीए सरकर उत्तर प्रदेश को उन्नति के शिखर पर ले जाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

बदायूं में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, तीन लोगों की मौत

लखनऊ, एजेंसी

बदायूं जिले के जरीफ नगर क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर बुधवार को दो पक्षों के बीच हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गयी तथा इतने ही अन्यत गम्भीरर रूप से घायल हो गये। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ओ. पी. सिंह ने यहां बताया कि जरीफ नगर थाना क्षेत्र के आरिफपुर भक्ता नगला गांव में आज दोपहर पुरानी रंजिश को लेकर महिपाल सिंह तथा सीताराम नामक व्यतक्तियों और उनके समर्थकों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। उन्होंने बताया कि इस दौरान दोनों ओर से ताबड़तोड़ गोलीबारी हुई, जिसकी चपेट में आने से दोनों पक्षों के छह लोग गम्भीर रूप से जख्मी हो गये। सिंह ने बताया कि जिला अस्पंताल में इलाज के दौरान उनमें से महिपाल सिंह पक्ष के जयप्रकाश (18), सत्येंद्र यादव (20) और सीताराम पक्ष के रेशम पाल (30) समेत तीन लोगों की मौत हो गयी। उन्होंयने बताया कि वारदात में गम्भीसर रूप से घायल तीन लोगों का उपचार किया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार पांच अक्टूबर 2021 को भक्ता नगला गांव में महिपाल सिंह यादव और सीताराम यादव के पक्षों के बीच शराब पीने के बाद हुए विवाद में गोली लगने से सीताराम के पुत्र जगदीश की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि बुधवार दोपहर को महिपाल और उसके परिजन खेत में खाद डाल रहे थे। इसी बीच सीताराम पक्ष के लोग खाद से भरी एक ट्रॉली लेकर खेत से गुजरने लगे जिसका महिपाल पक्ष के लोगों ने विरोध किया, विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। सिंह ने बताया कि इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शवों को पोस्ट मार्टम के लिये भेजा गया है।

संक्षिप्त खबरें

बिंदापुर पुलिस ने दो स्नेचर को किया गिरफ्तार, पहले से आधा दर्जन मामले दर्ज

नई दिल्ली। द्वारका जिले के बिंदापुर थाना की पुलिस टीम ने स्नैचिंग की घटना को अंजाम देने वाले दो शातिर झपटमारों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से लूटा गया तीन मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल हुए मोटरसाइकिल को बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान विशाल उर्फ चंदन और विकास उर्फ विक्की के रूप में हुई है। दिल्ली में ताबड़तोड़ स्नेचिंग की वारदातः डीसीपी एम हर्षवर्धन ने बताया कि विशाल पर वाहन चोरी, स्नेचिंग और चोरी के कई मामले पहले से चल रहे हैं। जबकि विकास दिल्ली पुलिस का घोषित बेड करैक्टर है, इसके ऊपर भी वाहन चोरी, स्नैचिंग और चोरी के करीब आधा दर्जन मामले चल रहे हैं। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से कई मामलों का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार एसीपी राजवीर लांबा की देखरेख में एसएचओ बिंदापुर राजेश मलिक, सब इंस्पेक्टर श्यामनंदन, हेड कांस्टेबल रमेश, राजूराम, योगराज और कांस्टेबल राजेश की टीम ने इन दोनों झपटमारों तक पहुंचने के लिए सीसीटीवी फुटेज की मदद ली. उससे मिली जानकारी के आधार और लोकल इंटेलिजेंस की मदद से उन्हें ट्रैक किया गाय. जब सूचना मिली कि यह जेजे कॉलोनी सेक्टर 3 द्वारका इलाके में आने वाला है, तो पुलिस टीम ने वहां पर इसे सुबह-सुबह धर दबोचा. आगे की पूछताछ हुई तो विशाल ने बताया कि वह अपने सहयोगी विकास के साथ मिलकर मनसाराम पार्क इलाके में भी हाल में वारदात को अंजाम दिया था। फिर पुलिस टीम ने उसकी निशानदेही पर विकास को भी नंगली विहार इलाके से गिरफ्तार कर लिया. उसके पास से एक मोबाइल बरामद हुआ, जो बिंदापुर इलाके से छीना गया था। फिलहाल पुलिस इन दोनों शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पार्क में लगाई गई शहीद भगत सिंह की प्रतिमा, बुजुर्गों ने कहा- युवाओं को मिलेगी प्रेरणा

नई दिल्ली। दिल्ली देहात के झरोडा कलां स्थित सत्यपुरम कॉलोनी के पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। इस मौके पर सत्यपुरम कॉलोनी स्थित पार्क में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दिल्ली सरकार के प्रतिनिधि के साथ आप और बीजेपी के कार्यकताओं के अलावा भारी संख्या में स्थानीय और गणमान्य लोग मौजूद रहे. यहां के लोगों के दिलों में हमेशा से ही शहीद भगत सिंह के लिए एक विशेष स्थान रहा है, और लोग काफी समय से इस पार्क को विकसित कर शहीद की प्रतिमा की स्थापना करने की माँग कर रहे थे। आखिरकार, आज उनकी मांग पूरी हुई और दिल्ली सरकार के मंत्री कैलाश गहलोत के सहयोग से पार्क में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा को स्थापित करने के बाद, आज उसका अनावरण किया गया, जिसमें मंत्री के प्रतिनिधि सहित पूर्व सांसद और पूर्वांचल के कद्दावर नेता महाबल मिश्रा के अलावा कई गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. भव्य कार्यक्रम में ढोल-नगाड़ों की धुनों के बीच शहीद भगत सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया। वहाँ मौजूद गणमान्य लोगों और स्थानीय बुजुर्गों ने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया, जिसके बाद शहीद की शहादत को नमन करते हुए देश की आजादी में उनके योगदान का उल्लेख किया गया। इस मौके पर पूर्व सांसद और पूर्वांचल के धाकड़ नेता महाबल मिश्रा ने शहीद को नमन करते हुए कहा कि बाबा हरिदास की इस पावन धरती पर आज शहीद भगत सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया गया।

नई मेयर बनीं आप की शैली ओबेरॉय, भाजपा की रेखा गुप्ता को 34 मतों से हराया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के महापौर पद के चुनाव परिणाम बुधवार को घोषित हो गए आम आदमी पार्टी (आप) की शैली ओबेरॉय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रेखा गुप्ता को 34 मतों से हराया।

दिल्ली नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी ने जीत दर्ज कर ली है। आप उम्मीदवार शैली ओबेरॉय एमसीडी की मेयर चुन ली गई हैं। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार रेखा गुप्ता को हरा दिया। मेयर चुनाव में कुल 266 वोट पड़े। आम आदमी पार्टी उम्मीदवार शैली ओबेरॉय को जहां कुल 150 वोट मिले वहीं बीजेपी उम्मीदवार को कुल 116 वोट मिले।

मेयर चुनने के तीन असफल प्रयासों के बाद हुई नगर निगम सदन की बैठक में इस पद पर चुनाव के लिए बुधवार को मतदान हुआ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मीनाक्षी लेखी और हंस राज हंस सबसे पहले मतदान करने वालों में शामिल रहे। दिल्ली का नया मेयर चुनने के लिए बुधवार को निगम सदन की कार्यवाही शुरू हुई। निगम सदन की बैठक निर्धारित समय से आधे घंटे की देरी से पूर्वाह्न साढ़े 11 बजे आरंभ हुई, जिसमें महापौर, उप महापौर और स्थायी समिति के छह सदस्यों के पदों के लिए चुनाव हो रहे हैं। अस्थायी पीठासीन अधिकारी सत्या शर्मा ने कहा, मैं सभी से सदन में व्यवस्था बनाए रखने की अपील करती हूं। उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने पिछले सप्ताह मेयर पद का चुनाव कराने के लिए निगम सदन की बैठक बुलाने की मंजूरी दे दी थी। शीर्ष अदालत ने 17 फरवरी को मेयर, डिप्टी मेयर और नगर निकाय की स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव की तारीख तय करने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की पहली बैठक बुलाने के लिए 24 घंटे के भीतर नोटिस जारी करने का आदेश दिया था।

न्यायालय ने सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की मेयर पद की उम्मीदवार शैली ओबेरॉय की याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश जारी किया। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि उपराज्यपाल द्वारा एमसीडी में नामित सदस्य मेयर चुनने के लिए मतदान नहीं कर सकते। दिल्ली नगर निगम (डीएमसी) अधिनियम, 1957 के अनुसार, नगर निगम चुनावों के बाद सदन के पहले सत्र में मेयर और डिप्टी मेयर का चुनाव किया जाता है।

नगर निगम चुनाव हुए हालांकि दो महीने से अधिक समय हो गया है। नगर निगम चुनाव पिछले साल चार दिसंबर को हुए थे। नगर निगम चुनाव के एक महीने बाद छह जनवरी को पहली बार सदन की बैठक बुलाई गई थी। भाजपा और आम आदमी पार्टी (आप) के सदस्यों के बीच तीखी बहस के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। इसके बाद 24 जनवरी और फिर छह फरवरी को बुलाई गई दूसरी और तीसरी बैठक भी इस कवायद को पूरा करने में विफल रही और दोनों बैठकों को मेयर का चुनाव किए बिना स्थगित कर दिया गया।

लगातार गिर रहा है दिल्ली का शिक्षा स्तर : दीपक शर्मा

नई दिल्ली। भारत सरकार के संचार एवं इस्पात मंत्रालय के पूर्व सदस्य, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपक शर्मा का कहना है राजधानी दिल्ली विकास के मामले में तो लगातर पिछड़ ही रही है बल्कि दिल्ली के स्कूलों का शिक्षा स्तर भी लगातार गिरता जा रहा है। दीपक शर्मा कहते हैं दूसरी और मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल मनीष सिसोदिया को विश्व का सबसे मेहनती और देश का सबसे बेहतरीन शिक्षा मंत्री होने का दम्भ भरते है। दीपक शर्मा कहते हैं मुख्यमंत्री दिल्ली के शिक्षा माडल का बखान करते नहीं थकते जबकि असलियत यह है की राजधानी में शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। पिछले 8 सालों से सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर लगातार गिर रहा है, परंतु केजरीवाल और सिसोदिया फर्जी डाटा के साथ लोगों को बेवकूफ बनाने के लिए दिल्ली के शिक्षा मॉडल के बारे में झूठे दावे कर रहे हैं। दीपक शर्मा ने कहा कि एक आरटीआई के जवाब अनुसार, अप्रैल 2022 तक, दिल्ली में स्कूलों के लिए 57 प्लॉट खाली पड़े थे, लेकिन पिछले 8 वर्षों में एक भी नया स्कूल नहीं बनाया गया, जबकि चुनावी घोषणा पत्र में 500 नए स्कूल बनाने का वादा किया था। क्लास रूम की मरम्मत के नाम पर केवल जनता के पैसे की लूट करके भ्रष्टाचार किया है जिसकी एलजी ने जांच के आदेश दिए हैं।

अदालत ने आरोपित साहिल को 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

- 5 अन्य आरोपित 14 दिन की न्यायिक हिरासत में इससे पहले आरोपित साहिल गहलोत को 20 फरवरी को कोर्ट में पेश किया गया था।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

निक्की यादव हत्याकांड के आरोपित साहिल गहलोत को द्वारका कोर्ट ने बुधवार को सात दिन की पुलिस हिरासत के बाद 12 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस हिरासत के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। बता दें कि उसे 14 फरवरी को निक्की यादव हत्याकांड में गिरफ्तार किया गया था। 5 अन्य आरोपित 14 दिन की न्यायिक हिरासत में इससे पहले आरोपित साहिल गहलोत को 20 फरवरी को कोर्ट में पेश किया गया था। उस दौरान कोर्ट ने साहिल गहलोत की 2 दिन की पुलिस कस्टडी बढ़ाई थी। वहीं, अन्य पांच आरोपितों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। बता दें कि साहिल गहलोत ने 10 फरवरी की सुबह अपनी लिव-इन पार्टनर निक्की यादव की मोबाइल डेटा केबल से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। बहस के बाद साहिल ने निक्की की थी हत्या दरअसल में साहिल गहलोत के घर वालों ने उसकी कहीं अलग-अलग शादी तय कर दी थी। इसी के चलते साहिल गहलोत और उसकी लिव-इन पार्टनर निक्की यादव के बीच बहस हुई थी। बहस इस हद तक पहुंच गई कि साहिल ने निक्की की हत्या कर दी और उसके बाद निक्की का शव मित्राऊं गांव में अपने डाबे की फ्रिज में छिपा दिया था। हत्या के बाद शव को फ्रिज में छिपाया था फ्रिज में शव की सूचना मिलने पर पुलिस ने जांच करने के बाद साहिल को गिरफ्तार किया था। खास बात है कि निक्की की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने साहिल के पिता वीरेंद्र की गिरफ्तारी की थी। इसके अलावा क्राइम ब्रांच की टीम ने अन्य 4 लोगों को गिरफ्तार किया था, उनमें एक दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल है।

जनता की जीत और गुंडागर्दी की हार हुई : केजरीवाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को महापौर चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) पार्षद शैली ओबेरॉय की जीत पर दिल्ली की जनता को बधाई दी और भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता जीत गई और गुंडे हार गए। आप उम्मीदवार शैली ओबेरॉय ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पार्षद रेखा गुप्ता को 34 मतों से हराया। केजरीवाल ने बिना किसी का नाम लिए ट्वीट किया, गुंडे हार गए, जनता जीत गई। दिल्ली नगर निगम में आज दिल्ली की जनता की जीत हुई और गुंडागर्दी की हार। शैली ओबेरॉय के महापौर चुने जाने पर दिल्ली की जनता को बधाई। उच्चतम न्यायालय ने 17 फरवरी को महापौर, उपमहापौर और नगर निकाय की स्थायी समिति के सदस्यों के चुनाव की तारीख तय करने के लिए एमसीडी की पहली बैठक बुलाने के लिए 24 घंटे के भीतर नोटिस जारी करने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि उपराज्यपाल द्वारा एमसीडी में नामित सदस्य महापौर चुनने के लिए मतदान नहीं कर सकते। नगर निगम चुनाव के एक महीने बाद छह जनवरी को पहली बार सदन की बैठक बुलाई गई थी। भाजपा और आप के सदस्यों के बीच तीखी बहस के बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गई थी। इसके बाद 24 जनवरी और फिर छह फरवरी को बुलाई गई दूसरी और तीसरी बैठक भी इस कवायद को पूरा करने में विफल रही थी।

दिल्ली में अपने घर में मृत मिला बुजुर्ग

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली में 75 वर्षीय एक व्यक्ति अपने घर में मृत पाया गया। मामले में पुलिस को हत्या के पीछे डकैती का शक है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। मृतक की पहचान नेब सराय स्थित स्वतंत्रता सेनानी एंक्लेव निवासी सतीश कुमार भारद्वाज के रूप में हुई है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि नेब सराय थाने को मंगलवार सुबह करीब सवा आठ बजे एक पीसीआर कॉल मिली कि एक व्यक्ति दरवाजा नहीं खोल रहा है, जिसके बाद एक टीम को तुरंत मौके पर भेजा गया। उन्होंने कहा, टीम ने भारद्वाज को सिर में चोट के साथ खून से लथपथ पाया। घर के कमरों में तोड़फोड़ की गई। अधिकारी के मुताबिक, मृतक घर में अकेला रहता था और उसके दो बेटे दिल्ली से बाहर रहते थे। परिवार के सदस्यों को सूचित कर दिया गया है। शुरूआती जांच में पुलिस इसे डकैती के एंगल से देख रही है।

बिनोय बाबू की जमानत याचिका पर ईडी से मांगा जवाब

- वहीं वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ वकील भी बिनॉय बाबू के लिए पेश हुए
- उक्त आबकारी नीति के संबंध में आवेदक द्वारा निभाई गई एकमात्र भूमिका यह थी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को दिल्ली के कथित शराब घोटाले में आरोपित बिनोय बाबू की जमानत याचिका पर ईडी से जवाब मांगा है। खास बात है कि ट्रायल कोर्ट ने पिछले हफ्ते बिनॉय बाबू सहित सभी आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया था।

16 मार्च को होगी अगली सुनवाई

बिनॉय एक शराब कंपनी मेसर्स पेरनोड रिकार्ड में महाप्रबंधक के रूप में काम करता था और उसे पिछले साल नवंबर में ईडी ने गिरफ्तार किया था। जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा की बेंच ने ईडी से जमानत याचिका पर जवाब मांगा है और मामले की सुनवाई 16 मार्च को तय की है।

ईडी ने गलत तरीके से फंसाया- बिनॉय के वकील कोर्ट में बिनॉय बाबू के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि उन्हें ईडी द्वारा मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है। वहीं वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ वकील भी बिनॉय बाबू के लिए पेश हुए और कहा कि उक्त आबकारी नीति के संबंध में आवेदक द्वारा निभाई गई एकमात्र भूमिका यह थी कि उन्होंने विशेषज्ञ समिति को उक्त नीति के संबंध में मैसर्स पेरनोड रिकार्ड की ओर से सिफारिशें प्रस्तुत की थीं।

बिनॉय की जमानत याचिका का एऊने किया विरोध दूसरी तरफ प्रवर्तन निदेशालय ने बिनॉय बाबू की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि कार्टेल का एक प्रमुख सदस्य था। ईडी ने कहा कि उसके बिना उपरोक्त आपराधिक साजिश के साजिशकताओं के लिए काटेर्लाइजेशन और एकाधिकार के उद्देश्य को प्राप्त करना संभव नहीं होता।

ईडी ने यह भी कहा कि मैसर्स पेरनोड रिकार्ड द्वारा कॉपोरेंट गारंटी प्रस्तुत करने का विचार इस आवेदक के दिमाग की उपज था और यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि खुदरा विक्रेता संस्थाएं निर्मित शराब ब्रांडों का कम से कम 35 प्रतिशत स्टॉक रखें।

दिल्ली के अमन विहार में सिर पर हथौड़ा मार पत्नी की हत्या

- पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित पति मोहम्मद माजिद को गिरफ्तार कर लिया है।

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के अमन विहार थाना क्षेत्र में पति ने झगड़े के दौरान पत्नी के सिर पर हथौड़े से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। मृतक की पहचान किराड़ी सुलेमान नगर की रमेश एन्क्लेव की खैरूं निशा के रूप में हुई है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित पति मोहम्मद माजिद को गिरफ्तार कर लिया है। रोहिणी जिले पुलिस उपायुक्त गुरइकबाल सिंह सिद्धू ने बताया कि 17 फरवरी को अमन विहार थाना पुलिस को जानकारी मिली थी कि अमन विहार इलाके की महिला को अंबेडकर अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पुलिसकर्मी अस्पताल पहुंचे तो पता चला कि खैरूं निशा को उसके बेटे हामिद ने अस्पताल में भर्ती करवाया था, जो सीढ़ियों से गिरकर घायल हो गई थी। अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हुई मौत महिला की हालत को देखते हुए उसे दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया गया। अस्पताल ले जाते समय उसकी रास्ते में मौत हो गई। महिला के शव को कब्जे में लेकर अंबेडकर अस्पताल में रखवाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में मृतक के स्वजन ने बताया कि खैरूं निशा सीढ़ी से नीचे गिर गई और सिर में चोट लग गई। उन्होंने हत्या का कोई शक नहीं जताया। अगले दिन पोस्टमार्टम कर शव स्वजन को सौंप दिया गया। सोमवार को जांच के लिए पुलिसकर्मी जब उसके घर पहुंचे तो सलमा ने बताया कि वह खैरूं निशा की बेटी है और कपड़े सिलाई करती है। उसने बताया कि उसकी मां सीढ़ियों से नहीं गिरी थी। उसके पिता ने झगड़े के बाद उसके सिर पर हथौड़े से वार कर दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने हथौड़ा भी बरामद कर लिया।

अब तो जल्द हट जाने चाहिए कूड़े के पहाड़ : हाजी जरीफ

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली अब कितनी जल्दी कूड़ा मुक्त होती है, और कब दिल्ली से कूड़े के पहाड़ों को हटाया जाएगा हमे उसका इन्तजार है। यह कहना है कबीर नगर वार्ड से निगम पार्षद हाजी जरीफ का। हाजी जरीफ कहते है नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी का यह प्रमुख मुद्दा था की दिल्ली से कूड़े के पहाड़ हटाने है। दिल्ली को साफ सुथरा बनाना है। अभी निगम पार्षदों ने शपथ ही ली है लेकिन आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी के पन्द्रह साल बनाम तीन माह के कार्यों की तुलना भी शुरू कर दी है। यह समझ से परे है जब काम शुरू भी नहीं हुआ, मेयर डिप्टी मेयर तक नहीं बने फिर तुलना किस से कर रहे हैं। लेकिन असलियत यह है कि बिना कुछ करे अपनी पीठ थप थपाना इस पार्टी की आदत है। सफाई सिस्टम में कोई सुधार नहीं हुआ, कूड़े के पहाड़ जस के तस है। दिल्ली की जनता ने आप पार्टी को बहुमत दिया है, दिल्ली में पहले से ही उनकी सरकार है। अब तो अडचन नहीं आनी चाहिए। लेकिन इन लोगो को काम करना ही नहीं हो गया तो हमने कर दिया, और नहीं हुआ तो केंद्र सरकार ने नहीं करने दिया। हाजी जरीफ कहते हैं है नगर निगम में पिछले डेढ़ दशक में भारी भ्रष्टाचार हुआ जिसके चलते नगर निगम कर्ज में डूबी हुई है। डेढ़ दशक तक निगम की सत्ता में भारतीय जनता पार्टी काबिज रही।

केजरीवाल के नेतृत्व में पूरा करेंगे:आले मोहम्मद इकबाल

- भाजपा की तानाशाही की वजह से दिल्ली की जनता के 80 दिन बर्बाद हुए हैं, उनकी आने वाले 15 दिनों में भरपाई करेंगे- आले मोहम्मद इकबाल

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली नगर निगम के उप महापौर आले मोहम्मद इकबाल आम आदमी पार्टी ने जनता को जो 10 गारंटी दी हैं, उन्हें सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पूरा करेंगे। सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार का डंका जैसे पूरे हिंदुस्तान में बज रहा है वैसे ही अब एमसीडी का डंका बजेगा। भाजपा की तानाशाही की वजह से दिल्ली की जनता के 80 दिन बर्बाद हुए हैं। उनकी आने वाले 15 दिनों में भरपाई करेंगे। मेयर शैली ओबरॉय और मैं, सभी पार्षदों के साथ मिलकर पूरी जिम्मेदारी के साथ एमसीडी में काम करेंगे। डिप्टी मेयर चुने जाने पर आले मोहम्मद इकबाल ने सीएम अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की जनता का धन्यवाद जताया। उन्होंने कहा कि दिल्ली की जनता ने जो ख्वाब देखे थे उनका पूरा करना है। सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार का डंका का जिस तरह पूरे हिंदुस्तान में बज रहा है। ऐसे ही, अब एमसीडी का डंका पूरे हिंदुस्तान में बजेगा। आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि मैं और मेयर शैली ओबरॉय सभी पार्षदों के साथ मिलकर पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करेंगे। भाजपा की तानाशाही की वजह से दिल्ली की जनता के 80 दिन बर्बाद हुए हैं। हम आने वाले 15 दिनों में इन 80 दिनों की बबार्दी की भरपाई करने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि हम 24 घंटे दिन-रात मेहनत कर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में एमसीडी का एक नया रूप बनाकर दिखाएंगे। आम आदमी पार्टी ने जनता के समक्ष जो 10 गारंटी की हैं, उसे हम सीएम अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पूरी करेंगे।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव — G20

इ–निविदा (इ–प्रोक्यूर्मेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

सं. 128-W/280/इ निविदा सूचना/122/2022-23/W-3 दिनांक : 21.02.2023

निम्नलिखित कार्य के लिये वरिष्ठ मंडल अभियंता/।।।, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में इ–निविदा आमंत्रण।

1	कार्य का विवरण	एडीईएन/एनडीएलएस के तहत तिलक ब्रिज स्टेशन पर शेड का निर्माण, एफओबी में सुधार, फर्श विविध कार्यालय और पानी की सुविधा
2	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये)	Rs. 1,67,14,999.44/- (रूपये एक करोड़ सड़सठ लाख चौदह हजार नौ सौ निन्यानवे और चौवालीस पैसे मात्र)
3	बयाना राशि (रुपये)	रु. 2,33,600/– (रूपये दो लाख तैंतीस हजार छह सौ मात्र)
4	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रुपये)	रु. 0.00
5	निविदा बोली प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय	17.03.2023 को 15:00 तक।
6	वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	निविदा www.ireps.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

• ठेकेदारो को ई–टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई–प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट यानी www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए। • सभी नियमों और शर्तो के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी। 577/23

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

दिल्ली में डराने लगी गर्मी ! 33 डिग्री तक पहुंचा पारा

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- मौसम विभाग ने अचानक से बढ़ी इस गर्मी को आम जनजीवन को प्रभावित करने वाला बताया है।

नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के तापमान में लगभग दो डिग्री सेल्सियस की गिरावट देखने को मिली। हालांकि अब न्यूनतम तापमान में वृद्धि हो गई है। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि अभी एक दो दिन यह गिरावट बरकारा रहेगी, जबकि इसके बाद फिर से इसमें वृद्धि होने लगेगी।

मंगलवार को भी दिन भर खिली रही तेज धूप के बीच राजधानी का अधिकतम तापमान सामान्य से सात डिग्री अधिक 31.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक 16.1 डिग्री सेल्सियस रहा। हवा में नमी का स्तर 39 से 90 प्रतिशत दर्ज हुआ। अधिकतम तापमान (32.7 डिग्री) के लिहाज से मंगलवार को स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स, जबकि न्यूनतम तापमान (20.3 डिग्री) पीतम पुरा सबसे गर्म इलाके रहे। मौसम विभाग का पूवार्नुमान है कि बुधवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 30 व 14 डिग्री रह सकता है। बृहस्पतिवार को भी कमोबेश यही स्थिति रहेगी। इसके बाद शुक्रवार से इसमें वृद्धि हो सकती है। मौसम विज्ञानी डा. नरेश कुमार ने बताया कि बुधवार से संभावना है कि उत्तर पश्चिम भारत के अन्य हिस्सों के तापमान में भी एक से दो डिग्री की गिरावट आए। उन्होंने कहा कि दिल्ली एनसीआर में अगले एक दो दिन अधिकतम तापमान 31 से 32 डिग्री के बीच रहने की उम्मीद है। पांच डिग्री तक बढ़ा तापमान अगले पांच दिनों में देश के बड़े हिस्सों में बढ़ी गर्मी ने न सिर्फ आम लोगों का पसीना छुड़ा दिया है बल्कि मौसम विज्ञानियों को भी अचंभे में डाल दिया है। मौसम विभाग ने अचानक से बढ़ी इस गर्मी को आम जनजीवन को प्रभावित करने वाला बताया है। साथ ही कहा है कि यह गेहूं सहित इस सीजन की दूसरी प्रमुख फसलों के लिए भी नुकसानदायक है।

आने वाले दिनों में इसके और बढ़ने की आशंका भी जताई है। इस बीच देश के जिन हिस्सों में तापमान में अचानक से यह बढ़ोतरी रिकार्ड की गई है, उनमें उत्तर-पश्चिम, केंद्रीय और समूचा पश्चिम भारत शामिल है। इस दौरान फरवरी महीने के दौरान रहने वाले सामान्य तापमान के मुकाबले इनमें तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी रिकार्ड की गई है। जो 35 से 39 डिग्री सेल्सियस तक हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अमूमन यह तापमान मार्च महीने के पहले हफ्ते में रिकार्ड किया जाता था। इससे पहले 2006 में करीब 34 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया था। रिपोर्ट के मुताबिक 1969 के बाद फरवरी में तापमान में तीसरी बार ऐसी बढ़ोतरी दर्ज हुई है।

दिन में मजदूरी, रात में करता था चोरी, पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। बुराड़ी थाना पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने इसके कब्जे से चोरी की एक्टिवा स्कूटी भी बरामद की है। आरोपी एक अन्य साथी के साथ मिलकर वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता है। आरोपी पर पूर्व में बुराड़ी थाना इलाके में वाहन चोरी के तीन मामले दर्ज हैं। वहीं, आरोपी बीते साल जुलाई में जेल से छूटकर आया और जल्द पैसा कमाने के चक्कर में वाहन चोरी वारदातों को दोबारा से अंजाम देने लगा. उत्तरी जिले के डीसीपी सागर सिंह कलसी ने बताया कि बुराड़ी इलाके में रहने वाले संजय कुमार ने शिकायत दी कि उनकी स्कूटी चोरी हो गई है। पुलिस टीम ने शिकायतकर्ता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया। पुलिस टीम ने मामले की पड़ताल करते हुए ऑटो लिफ्टिंग गैंग से जुड़े लोगों की तलाश की. पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी, लोकल इंटेलिजेंस का सहारा लेते हुए आरोपियों की तलाश शुरू कर दी. साथ ही पुलिस टीम ने इलाके में मुख्य रास्तों पर इलाके में बैरिकेडिंग लगाकर रात में संदिग्ध लोगों की पड़ताल भी कर रही थी।

उत्तर रेलवे

आज़ादी का अमृत महोत्सव — G20

शुद्धि पत्र–1

इस कार्यालय के पत्र संख्याः 23 ए.सी./कैटरिंग/35/WVM/2023 दिनांक 13.02.2023 के तहत अम्बाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर वाटर वेंडिंग मशीन लगाने हेतु निविदायें दिनांक 10.03.2023 समय 15:00 बजे तक आमंत्रित की गई थी। संबंधित स्टेशनों के सही साईट प्लान वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध नहीं थे।

अब सही साईट प्लान वाटर वेंडिंग मशीन के संबंधित निविदाओं के साथ संलग्न कर दिए गए हैं एवं शुद्धि पत्र ireps साईट www.ireps.gov.in पर लगा दिया गया है। निविदा की अंतिम तिथि ireps साईट पर दिनांक 10.03.2023 समय 15:00 बजे के स्थान पर दिनांक 15.03.2023 समय 15:00 बजे कर दिया गया है। अन्य नियम एवं शर्तें वही रहेंगी।

No.: 23-ए.सी./कैटरिंग/35/WVM/2022 दिनांक: 22.02.2023 574/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अर्न्तगत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये ई–निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र0 सं0	निविदा सं0	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	02230068	हेर्मेटिकली सील्ड कंप्रेसर	798 नग	16-03-23
02	18221273	रिबन कार्ट्रिज पार्ट न0 256110-104 फॉर लीपी –6610 एल प्रिंटर	1633 नग	17-03-23
03	08221507A	लौ मेंटेनेंस लीड एसिड सेकेंडरी सेल 2 वी /300 ए एच	3109 नग	17-03-23
04	19225014	3 – फेज असिंक्रोनोस ट्रैक्शन मोटर टाइप 6 एफ आर ए – 6068 फॉर वेग – 9 लोको	09 नग	20-03-23
05	04210043	इन्हीबिटेड मिनरल इंसुलेटिंग ट्रांसफार्मर आयल	78960 लीटर	20-03-23
06	08221503	रिले, नॉन ए सी इम्यून प्लग इन टाइप, स्टाइल QNI	3885 नग	23-03-23
07	08225152	सप्लाई, इंस्टालेशन, ट्रांसपोर्टेशन एंड कमीशनिंग ऑफ़ कम्पलीट सेट ऑफ ब्लॉक	23 सेट	24-03-23
08	09232086	मैन पुल रोड	2389 नग	27-03-23

निविदा शर्तें – 1. विस्

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, गुरूवार, 23 फरवरी, 2023

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में सुबह घना कोहरा, न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक

नई दिल्ली। दिल्ली और इसके निकटवर्ती इलाकों में बुधवार सुबह घना कोहरा छाया रहा, जो इस महीने में असामान्य बात है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस अधिक 14.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने बताया कि इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट पालम वेधशाला में दृश्यता स्तर गिरकर 50 मीटर रह गया। अधिकारी ने कहा, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं घना कोहरा देखा गया और बिहार एवं ओडिशा में हल्के से मध्यम कोहरा रहा। स्काईमेट वैदर में वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत ने कहा कि पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने वाले पश्चिमी विक्षोभ के कारण पंजाब और हरियाणा के ऊपर चक्रवाती हवाओं का एक क्षेत्र बना है। उन्होंने कहा, चक्रवाती हवाओं के कारण गर्म एवं आर्द्र पूर्वी हवाओं और ठंडी उत्तर-पश्चिमी हवाओं का इस क्षेत्र में मेल हो रहा है। नमी और संघनन में वृद्धि के कारण कोहरा बन रहा है। घना कोहरा इसलिए भी असामान्य है क्योंकि राजधानी में पिछले कुछ दिनों से तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी के प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला में सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से नौ डिग्री अधिक 33.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था और यह 1969 के बाद से फरवरी का तीसरा सबसे गर्म दिन रहा। दिल्ली में मंगलवार को अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से सात डिग्री अधिक रहा। एक वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक ने कहा कि यह तापमान अकसर मार्च के शुरूआती 15 दिन में देखा जाता है।

निक्की यादव हत्याकांड : गहलोत के चचेरे भाई पर था छेड़छाड़ का मामला दर्ज

नई दिल्ली। निक्की यादव हत्याकांड के एक और मुख्य आरोपी साहिल गहलोत के चचेरे भाई दिल्ली पुलिस कांस्टेबल नवीन कुमार पर 2018 में यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया था। सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। वेलेंटाइन डे (14 फरवरी) को दिल्ली के बाहरी इलाके मित्रांव गांव में गहलोत के ढाबे के फ्रिज में 23 वर्षीय निक्की का शव मिला था। गहलोत ने कथित तौर पर 10 फरवरी को उसकी हत्या कर दी थी और उसी दिन दूसरी महिला से शादी कर ली थी। पुलिस ने गहलोत के पिता, उनके दो चचेरे भाइयों आशीष और नवीन (दिल्ली पुलिस में कांस्टेबल) और दो दोस्तों, अमर और लोकेश को भी निक्की से छुटकारा पाने और उसकी शादी के लिए आगे बढ़ने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सूत्रों के मुताबिक, 2018 में कंझावला थाने में नवीन कुमार के खिलाफ एक महिला का यौन उत्पीड़न करने का मामला दर्ज किया गया था, जिसके बाद दिल्ली पुलिस ने मामले में चार्जशीट भी दाखिल की थी। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि कैसे दागी पुलिस वाले को सेवा में बने रहने दिया गया और निलंबित नहीं किया गया। सूत्रों ने बताया, नवीन ने ही साहिल को सलाह दी थी कि सबूतों को पूरी तरह से मिटाकर कानून के शिकंजे से कैसे बचा जाए।

केजरीवाल सरकार जिंदपुर और हिरंकी में करेगी 15 एमजीडी एसटीपी व दो एसपीएस का निर्माण

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

केजरीवाल सरकार, 2025 तक यमुना की सफाई पूरी करने, दिल्ली के हर घर को 24 घंटे नल से साफ पानी देने और सभी अनाधिकृत कॉलोनियों के घरों को सीवर लाइन से जोड़ने को लेकर बेहद गंभीरता से काम कर रही है। इसी कड़ी उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने नरेला विधानसभा क्षेत्र के जिंदपुर में 22 एमजीडी क्षमता वाले सीवर पपिंग स्टेशन (एसपीएस) व 15 एमजीडी एसटीपी और हिरंकी में 9 एमजीडी एसपीएस के निर्माण की परियोजना को मंजूरी दी है। इस परियोजना से नरेला और बुराड़ी की 40 अनाधिकृत कॉलोनियों और 14 गांव के करीब 4.17 लाख लोगों को फायदा होगा। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने डीजेबी के अधिकारियों को परियोजना को उम्मीदों के अनुरूप बनाने और समयसीमा के अंदर गुणवत्ता पूर्ण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए है। जिंदपुर में 15 एमजीडी एसटीपी से शोधित पानी के दोबारा उपयोग पर दिया जाएगा जोर उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड की ओर से जिंदपुर में 15 एमजीडी क्षमता वाले एसटीपी का निर्माण किया जाएगा। आधुनिक तकनीक से लैस इस एसटीपी के चालू होने के बाद गंदे पानी के बायोलॉजिकल ऑक्सीडेशन डिमांड (बीओडी) स्तर को शोधित कर 10 तक लाया जाएगा। साथ ही इस एसटीपी से शोधित पानी के दोबारा उपयोग पर जोर दिया जाएगा। एसटीपी से आने वाला उपचारित पानी न केवल यमुना को साफ करने में मदद करेगा, बल्कि अन्य चीजों के लिए भी उपयोगी है। इसे बागवानी और दिल्ली की झीलों का कायाकल्प करने आदि के उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा सकेगा, ताकि पीने योग्य पानी की बढ़ती मांग को पूरा किया जा सके। 12.45 एमजीडी सीवर का पानी यमुना में शोधित होकर गिरेगा जिंदपुर में बनाए जाने वाले आधुनिक तकनीक से लैस एसटीपी के चालू होने के बाद गंदे पानी के बायोलॉजिकल ऑक्सीडेशन डिमांड (बीओडी) स्तर को शोधित कर 10 तक लाया जाएगा। इससे करीब 12.45 एमजीडी सीवर का पानी यमुना में शोधित होकर गिरेगा। दरअसल, सीवर के पानी की बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड (बीओडी) 250 तक होती है। गंदे पानी को शोधित कर 10 तक लाया जाता है। इसके बाद नाले में डाल दिया जाता है। सीवर के शोधित पानी में दो बातों को देखा जाता है। पहला बीओडी और दूसरा सीओडी होता है। बीओडी ऑक्सीजन की मात्रा है जो एरोबिक स्थितियों के तहत कार्बनिक पदार्थों को विघटित करते हुए बैक्टीरिया द्वारा खपत होती है। वहीं, सीओडी पानी में कुल कार्बनिक पदार्थों के रासायनिक ऑक्सीकरण के लिए आवश्यक ऑक्सीजन की मात्रा है। इसके अलावा टीएसएस (टीएसएस) भी पानी की गुणवत्ता जांचने का एक महत्वपूर्ण उपाय है। टोटल सस्पेंडेड सॉलिड (टीएसएस) सूक्ष्म कणों का वह भाग है, जो पानी में निलंबन में रहता है। वर्तमान डीपीसीसी मानदंडों के अनुसार बायो न्यूट्रिएंट रिमूवल के साथ ट्रीटेड एफ्लुएंट के पैरामीटर बीओडी10एमजी/आई और टीएसएस10 मिलीग्राम प्रति लीटर होना चाहिए। इसलिए जिंदपुर में आधुनिक तकनीक से लैस एसटीपी का निर्माण किया जा रहा है।

इन अनाधिकृत कॉलोनियों और गांवों के लोगों को होगा फायदा

इब्राहिमपुर, मुखमेलपुर, कादीपुर, नंगलीपूना, कुशक-1, कुशाक-2, गढ़ी खसरू, जिंदपुर, अलीपुर, खेड़ा कलां, बुधपुर, हिरंकी, मोहम्मदपुर, रमजानपुर, कुशक-3, नरेला की शिव एनक्लेव, जिनदपूर एक्सटेंशन, जीतराम कॉलोनी, लक्ष्मण कॉलोनी, खेराकलां, स्वरूपनगर, सुल्लतानपुर डबास, बालाजी एनक्लेव, दुर्गा एनक्लेव, इब्राहिमपुर एक्सटेंशन, शास्त्रीपार्क, कुशक एक्सटेंशन, प्रदीप विहार, कादीपूर एक्सटेंशन, दुर्गा एनक्लेव। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने यमुना नदी को 2025 तक पूरा साफ करने का लक्ष्य रखा है। इसके तहत दिल्ली के 100 फीसदी घरों को भी सीवर लाइन से जोड़ने का प्लान है। हाल ही दिल्ली जल बोर्ड की बैठक में बुराड़ी और नरेला की इन 40 अनाधिकृत कॉलोनियों व 14 गांव में 217 किमी लंबी सीवरेज लाइन बिछाने की परियोजना को मंजूरी दी थी। सीवरेज सिस्टम न होने के कारण यहां गंदा पानी तालाबों-सेप्टिक टैंक और आखिर में यमुना नदी में गिरता है। ऐसे में इन इलाकों में सीवर लाइन बिछने और एसपीएस व एसटीपी के निर्माण के बाद लोगों को सीवर की समस्या से राहत मिलेगी। साथ ही यमुना तक एसटीपी से ट्रीटेड साफ पानी पहुंचेगा।

उड़ान में देरी को लेकर यात्रियों और एयर इंडिया कर्मचारियों में छिड़ी बहस

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- हालांकि, कुछ कारणों से इसमें चार घंटे से अधिक की देरी हुई और लगभग 1.30 बजे उड़ान भरी।
- उड़ान में और देरी के बाद उनमें बहस शुरू हो गई।

मुंबई जाने वाली एयर इंडिया की एक फ्लाइट के यात्रियों और एयरलाइन स्टाफ के बीच दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट के चार घंटे से ज्यादा लेट होने पर तीखी बहस हो गई।

यह घटना मंगलवार देर रात हुई और अधिकारियों ने कहा कि उड़ान में चार घंटे से अधिक की देरी हुई, जिसके कारण मौखिक बहस हुई।

यात्रियों के अनुसार, दिल्ली-मुंबई की उड़ान मूल रूप से रात लगभग 8 बजे निर्धारित की गई थी, हालांकि, कुछ कारणों से इसमें चार घंटे से अधिक की देरी हुई और लगभग 1.30 बजे उड़ान भरी।

फ्लाइट के लिए एयरपोर्ट पर इंतजार कर रहे यात्रियों ने कहा कि एयरलाइन स्टाफ उन्हें आश्वासन देता रहा कि क्रू मेंबर्स के रास्ते में होने के कारण देरी हो रही है। हालांकि, उड़ान में और देरी के बाद उनमें बहस शुरू हो गई। कर्मचारियों में से एक ने कहा कि विमान का पायलट बीमार पड़ने के कारण समय पर नहीं पहुंच सका।

कुछ यात्रियों ने यह भी दावा किया कि देरी के कारण उनकी कनेक्टिंग फ्लाइट छूट सकती थी।

एयरलाइन के मुताबिक, तकनीकी कारणों से उड़ान में देरी हुई और यात्रियों को भोजन और पानी दिया गया।

डीजीसीए के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, जनवरी 2023 के दौरान, अनुसूचित घरेलू एयरलाइनों को यात्रियों से संबंधित कुल 418 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। जनवरी में प्रति 10,000 यात्रियों पर शिकायतों की संख्या लगभग 0.33 थी। शिकायतों के प्रमुख कारण उड़ान की समस्या (27.3 प्रतिशत) और उसके बाद रिफंड (23.7 प्रतिशत) और सामान (20.6 प्रतिशत) हैं।

पॉश कॉलोनी में लूटपाट के लिए बुजुर्ग की हत्या, एमसीडी से रिटायर्ड इंजीनियर थे सतीश

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में अपराध की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। राजधानी में आए दिन लूट और हत्या की घटनाएं सामने आ रही हैं। ताजा मामले में दिल्ली की पॉश कॉलोनी फ्रीडम फाइटर में लूटपाट के लिए सीनियर सिटीजन की हत्या कर दी गई।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, बुधवार सुबह 9:30 बजे सूचना मिली थी कि फ्रीडम फाइटर कॉलोनी के अ1 ब्लॉक में एक बुजुर्ग की हत्या हुई है। पुलिस ने कोठी में जाकर देखा तो 75 साल के सतीश कुमार भारद्वाज का शव मिला। वहीं, घर का सारा सामान बिखरा पड़ा था। सीनियर सिटीजन भारद्वाज के पड़ोस में रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी थी। उसने बताया था कि सीनियर सिटीजन घर का सामान बिखरा हुआ है। पुलिस को शुरूआती जांच में यह लग रहा है कि लूटपाट के लिए बुजुर्ग की हत्या की गई है । पुलिस की जांच के बाद ही यह बात सामने आएगी की बुजुर्ग को कैसे मारा है और घर से और बदमाश क्या-क्या सामान ले गए। एक बेटा विदेश में है और दूसरा ब्रिगेडियर वहीं, पड़ोसियों ने बताया कि सतीश भारद्वाज अकेले इस घर में रहते थे। 15 साल पहले उनकी पत्नी की मृत्यु हो गई थी। वह टीचर थीं। इनके दो बेटे हैं एक आर्मी में ऑफिसर के पद पर तैनात हैं और दूसरा बेटा यूएस में रहता है। एक अन्य बेटा मध्यप्रदेश में है जबकि एक बेटी है जो शादी के बाद गाजियाबाद के वैशाली में रहती है। सतीश भारद्वाज एमसीडी के असिस्टेंट इंजीनियर के पद से रिटायर थे। वहीं, मौके पर दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी पहुंच चुके हैं घर के अंदर छानबीन की जा रही है और फॉरेंसिक टीम भी जांच में जुटी हुई है।

स्वामी श्रद्धानंद के जन्मदिवस पर उपायुक्त ने किया माल्यार्पण

नई दिल्ली। भारत के शिक्षाविद, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा स्वामी श्रद्धानन्द के जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को उपायुक्त (सदर पहाड़गंज क्षेत्र) अंकिता मिश्रा द्वारा चांदनी चौक स्थित टाउन हॉल में स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इस मौके पर दिल्ली नगर निगम में कार्यरत अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि स्वामी श्रद्धानन्द ने स्वामी दयानन्द सरस्वती की शिक्षाओं का प्रसार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने सामाजिक उत्थान के साथ ही स्वतंत्रता आदोलन में भी अपना योगदान दिया है। उपायुक्त ने बताया कि स्वामी श्रद्धानंद ने समाज सुधार, नारी शिक्षा और वेदों के प्रचार-प्रसार के लिए अपना सम्पूर्ण जीवन बलिदान कर दिया।

निक्की ने शादी का सर्टिफिकेट ऑनलाइन शेयर करने की गहलोत को धमकी दी थी : सूत्र

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

निक्की यादव हत्याकांड के आरोपी साहिल गहलोत ने जांचकताओं को बताया कि निक्की ने आर्य समाज मंदिर के अपने विवाह प्रमाण पत्र को सोशल मीडिया और उस महिला के परिवार के साथ साझा करने की धमकी दी थी जिसके साथ गहलोत की शादी होने वाली थी। गहलोत पर अपनी पहली पत्नी निक्की यादव की हत्या करने, उसके शरीर को फ्रिज में रखने और फिर उसी दिन दूसरी महिला से शादी करने का आरोप है। साहिल और निक्की दोनों ने अक्टूबर, 2020 में ग्रेटर नोएडा के एक आर्य समाज मंदिर में एक-दूसरे से शादी की, लेकिन उन्होंने अपनी शादी का पंजीकरण नहीं कराया। सूत्रों के मुताबिक, साहिल ने खुलासा किया कि निक्की के पास उनका मैरिज सर्टिफिकेट था, जो आर्य समाज मंदिर ने दिया था। जब निक्की को साहिल के किसी और महिला से शादी करने के बारे में पता चला, तो उसने उससे उसका मन बदलने के लिए कहा और उसे धमकी भी दी कि वह शादी का प्रमाण पत्र सोशल मीडिया पर डाल देगी या उस महिला के परिवार को दे देगी जिससे वह शादी करने जा रहा है, सूत्रों ने कहा। यादव का शव वैलेंटाइन डे (14 फरवरी) को दिल्ली के बाहरी इलाके मित्रांव गांव में गहलोत के ढाबे के फ्रिज में मिला था। उसने कथित तौर पर 10 फरवरी को उसकी हत्या कर दी थी और उसी दिन दूसरी महिला से शादी कर ली। पुलिस ने गहलोत के पिता, उनके दो चचेरे भाइयों आशीष और नवीन (दिल्ली पुलिस में एक कांस्टेबल) और दो दोस्तों, अमर और लोकेश को निक्की से छुटकारा पाने और दूसरी लड़की के साथ शादी करने की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। निक्की 10 फरवरी को किसी अन्य लड़की के साथ शादी नहीं करने की विनती कर रही थी। हालांकि, साहिल ने अपने पिता, दो चचेरे भाई और दो दोस्तों के साथ मिलकर साजिश रची और उसे अपने रास्ते से हटाने की योजना बनाई, एक अधिकारी ने कहा। अधिकारी ने कहा, गहलोत ने योजना को अंजाम दिया और उसकी हत्या कर दी और उसी दिन अन्य सह-आरोपी व्यक्तियों को इसके बारे में सूचित किया और फिर वे सभी शादी समारोह में गए।

ऋषि राज सुरखपुरिया गैंग का कुख्यात सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने भलस्वा डेयरी इलाके से कुख्यात बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान लाडला उर्फ मोहम्मद लाडला के रूप में की गई है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान ऋषि राज सुरखपुरिया गैंग के सक्रिय सदस्य लाडला के रूप में हुई है। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से एक देसी पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। आरोपित के ऊपर दिल्ली के विभिन्न थानों में अगल-अलग वारदातों में 28 से अधिक केस दर्ज हैं। अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि कुख्यात गैंग के सदस्य लाडला के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। जिसके बाद इस जानकारी को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा किया गया, फिर आरोपित को गिरफ्तार करने के लिए ज्वॉइंट सीपी एसडी मिश्रा ने क्राइम ब्रांच डीसीपी अमित गोयल और एसीपी रमेश चंद्र लांबा की देखरेख में टीम का गठन किया।

दिल्ली: महापौर चुनाव में आप की शैली ओबेरॉय ने भाजपा की रेखा गुप्ता को हराया

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली के महापौर चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) की शैली ओबेरॉय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की रेखा गुप्ता को 34 मतों के अंतर से हरा दिया। एमसीडी अधिकारियों ने बुधवार को यह घोषणा की। ओबेरॉय को 150 मत मिले जबकि गुप्ता को कुल 266 मतों में से 116 मत मिले। मतदान सिविक सेंटर में हुआ।

दिल्ली को चौथे प्रयास में महापौर मिला क्योंकि मनोनीत सदस्यों को मतदान का अधिकार दिए जाने को लेकर हो रहे हंगामे के बीच पूर्व में चुनाव ठप हो गया था। पिछले हफ्ते, दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना ने शीर्ष अदालत के आदेश के बाद महापौर का चुनाव कराने के लिए दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) सदन की बैठक बुलाने के लिए अपनी मंजूरी दे दी थी। सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की महापौर पद की उम्मीदवार ओबेरॉय की याचिका पर सुनवाई के बाद अदालत ने आदेश जारी किया था।

आप को राहत देने वाले आदेश में शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि उपराज्यपाल द्वारा एमसीडी में नामित किए गए सदस्य महापौर चुनाव में मतदान नहीं कर सकते। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जीत पर ओबेरॉय और पार्टी कार्यकताओं को बधाई दी। उन्होंने एक ट्वीट मंय कहा, गुंडे हार गए, जनता जीत गई। दिल्ली नगर निगम में आम आदमी पार्टी का मेयर बनने पर सभी कार्यकताओं को बहुत बधाई और दिल्ली की जनता का तहे दिल से एक बार फिर से आभार। आप की पहली मेयर शैली ओबेरॉय को भी बहुत-बहुत बधाई।

दिल्ली पुलिस में शामिल हुए 4866 नए कांस्टेबल

नई दिल्ली। देश की सबसे मॉडर्न और साइबर एक्सपर्ट पुलिस फोर्स मानी जाने वाली दिल्ली पुलिस में लगातार भर्तियां हो रही हैं। कांस्टेबल से लेकर सब इंस्पेक्टर तक अलग-अलग बैच में ट्रेनिंग लेकर विधिवत रूप से जवान शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में बुधवार को 4,866 नए भर्ती कांस्टेबल विधिवत रूप से दिल्ली पुलिस में शामिल हुए। इनके लिए दक्षिण पश्चिम जिले स्थित झरौड़ा कलां स्थित पुलिस अकेडमी में पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस के कमिश्नर संजय अरोड़ा ने परेड की सलामी ली, मौके पर दिल्ली पुलिस के स्पेशल पुलिस कमिश्नर, ज्वाइंट कमिश्नर और कई जिला के डीसीपी भी शामिल हुए। भर्ती हुए कांस्टेबलों के परिवार वाले भी परेड देखने पहुंचे थे। इस दौरान पुलिस कमिश्नर ने सभी को संबोधित किया। पहले सुबह 8:45 बजे पासिंग आउट परेड का कार्यक्रम निर्धारित था, लेकिन घना कोहरा और उसके कारण हो रही ठंड की वजह से कार्यक्रम को 45 मिनट आगे बढ़ाकर 9:30 बजे किया गया। उसके बावजूद कोहरा समाप्त नहीं हुआ, तो कार्य्रकम को 10 बजे के लिए निर्धारित किया गया। इसके बाद फिर सभी नए कॉन्स्टेबल परेड ग्राउंड में इकट्ठा हुए और फिर पासिंग आउट परेड की शुरूआत हुई। कार्यक्रम स्थल पर अलग-अलग जिला और यूनिट के डीसीपी पहुंचने लगे। उसके बाद एडिशनल कमिश्नर, ज्वाइंट कमिश्नर और उसके बाद स्पेशल कमिश्नर के आने का सिलसिला शुरू हुआ। अंत में दिल्ली के पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा समारोह स्थल पर पहुंचे, फिर उन्होंने पुलिस की खुली जीप में परेड ग्राउंड में घूमकर परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद अलग-अलग मार्चिंग पोस्ट का दस्ता सलामी मंच से गुजारना शुरू हुआ। इस दौरान दिल्ली पुलिस की बैंड ने अपनी धुनों से समारोह में उपस्थित हजारों लोगों का मंत्र मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के बाद पुलिस कमिश्नर सभी पुलिसकर्मियों से जाकर मिले और उनकी प्रशंसा की।

एनडीएमसी बैठक में विभिन्न नागरिक और कर्मचारी केंद्रित प्रस्तावों को मिली मंजूरी

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

बुधवार को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) परिषद की बैठक आयोजित हुई। इस मौके पर विभिन्न नागरिक और कर्मचारी केंद्रित प्रस्तावों पर विचार किया और उन्हें मंजूरी दी गई। इसकी जानकारी देते हुए पालिका परिषद् उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय ने बताया कि परिषद की बैठक में सभी परिषद् सदस्यों ने 4500 आरएमआर कर्मचारियों के नियमितीकरण की स्वीकृति और उसका राजपत्र घोषित किए जाने पर विशेष धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस नियमितीकरण के कार्य के लिये उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का धन्यवाद भी दिया। इस विशेष धन्यवाद प्रस्ताव को श्री उपाध्याय ने रखा और परिषद के अन्य सभी सदस्यों ने इसका समर्थन किया। बैठक में निम्नलिखित नागरिक और कर्मचारी केंद्रित प्रस्तावों पर मंजूरी दी गई :-

1. ग्रुप डी (नवयुग स्कूल, सीवरेज सेंटर और ऑटो वर्कशॉप के लिए) एंड ई (केवल अटल आदर्श विद्यालय के लिए) के तहत विभिन्न एनडीएमसी परिसरों में सुरक्षा सेवाओं की व्यवस्था करना। सभी एनडीएमसी भवन परिसरों की अनुमोदित अध्ययन रिपोर्ट के अनुसार, स्कूलों, उद्यानों और पार्कों को 05 समूहों ए, बी, सी, डी और ई (केवल एनडीएमसी स्कूलों के लिएविभाजित किया गया है। परिषद द्वारा यह संकल्प लिया गया है कि मामले की तात्कालिकता को ध्यान में रखते हुए, चूंकि मौजूदा एजेंसी का विस्तार 28 फरवरी 2023 तक है, विभाग इस कार्यसूची आइटम के लिए परिषद बैठक में आज लिए गए निर्णय के आधार पर सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए आगे बढ़ सकता है। आज की बैठक के कार्यवृत्त में इसके अनुमोदन और परिषद द्वारा कार्यवृत्त की पुष्टि की गई। 2. नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के अधिकार क्षेत्र के भीतर और क्षेत्र में परिसर के भीतर रूफटॉप/ग्राउंड बेस पर सेलुलर और बेसिक टेलीकॉम ऑपरेटरों द्वारा संचार टावरों की स्थापना के संबंध में नई दिल्ली नगरपालिका परिषद नीति। पालिका परिषद के संकल्प दिनांक 08.08.2002 ने न.दि.न.परिषद क्षेत्र में भवनों के लिए केवल छत के ऊपर/छतों पर डिश एंटेना/संचार टावरों की स्थापना की अनुमति देने के लिए दिशानिदेर्शों को मंजूरी दी थी और एक बार फिर संशोधित दिशानिदेर्शों को अंतिम रूप दिया गया और 01.10.2014 से लागू भी किया गया। एनडीएमसी अपने बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए पर्याप्त निवेश कर रहा है और एनडीएमसी द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सेवाओं की लागत कई गुना बढ़ गई है, अब मौजूदा दिशानिदेर्शों में अन्य संशोधनों के अलावा अनुमति शुल्क, लाइसेंस शुल्क की दरों को संशोधित करने की आवश्यकता है। परिषद ने विभिन्न सेलुलर ऑपरेटरों और बुनियादी ढांचा प्रदाताओं सहित सार्वजनिक टिप्पणियों को आमंत्रित करने के लिए एनडीएमसी सेल्युलर टॉवर नीति के ड्राफ्ट को प्रसारित करने की मंजूरी दी।

3. एनर्जी एक्सचेंज में बिक्री/खरीद के माध्यम से एनडीएमसी में मुनाफे/घाटे वाली बिजली के प्रबंधन के लिए सलाहकार की नियुक्ति। एनडीएमसी विद्युत अधिनियम -2003 के तहत एक डिस्कॉम है और गतिशील ऊर्जा बाजार में वाणिज्यिक और तकनीकी लाभ लेने के लिए आवंटित बिजली आपूर्ति का प्रबंधन करना इसका एक मुख्य कार्य है। डीईआरसी द्वारा दिए गए दिशानिदेर्शों के प्रावधान के तहत अल्पकालिक अधिशेष बिजली की बिक्री भी एक आवश्यकता है। थोक बिजली आपूर्ति का प्रबंधन एक जटिल प्रक्रिया है और इसके लिए पावर ट्रेडिंग यूटिलिटी के विशेषज्ञ कौशल की आवश्यकता होती है। परिषद ने एनर्जी एक्सचेंज में बिक्री/खरीद के माध्यम से एनडीएमसी अधिशेष/घाटे की बिजली के प्रबंधन के लिए एक वर्ष के लिए मैसर्स एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड को सलाहकार के रूप में नियुक्त करने और एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड को एलओआई रखने की मंजूरी दी। मेसर्स पीटीसी इंडिया लिमिटेड के साथ मौजूदा समझौते के रूप में एमओएम की पुष्टि की प्रत्याशा में ऊर्जा विनिमय पर बिक्री/खरीद के माध्यम से एनडीएमसी अधिशेष/घाटे वाली बिजली के प्रबंधन के लिए एक वर्ष 16.03.2023 को समाप्त हो रहा है।

4. नगरपालिका परिषद के स्थलों/जगहों के सरकारी निकायों को आवंटन एवं उपयोग हेतु नीति। परिषद ने एनडीएमसी अधिनियम 1994 की धारा 141 के अनुसार, सरकारी निकायों को कोई भी नया आवंटन करने के लिए नीति के नवीनीकरण को मंजूरी दे दी है, अब परिषद अध्यक्ष की मंजूरी के साथ परिषद से संबंधित किसी भी अचल संपत्ति को पट्टे पर देना, बेचना, किराए पर देना या अन्यथा स्थानांतरित कर सकते हैं। 5. परिषद में 42 सहायक अभियंता के पदों की सततता/पुनर्गठन। परिषद् ने आज दिनांक 02.03.2020 को जारी आदेश के संबंध में विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में विभागीय कोटे के अंतर्गत सहायक अभियंता (विद्युत) के 42 पदों को पिछले वर्ष की तारीख से जारी रखने/उनका पुनर्गठन करने का अनुमोदन किया है ताकि कार्मिक विभाग जूनियर इंजीनियर (इलेक्ट्रिक) के आधार पर पदोन्नति पर उक्त पद को भरने में सक्षम हो सके।

दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत कोर ग्रुप की हुई चिंतन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

- गाँव में बैंक तो खुले हैं पर वे लालडोरे में स्थित किसी भी प्रापर्टी पर ग्रामीणों को होम लोन नहीं देते।

दिल्ली मूल ग्रामीण पंचायत कोर ग्रुप की चिंतन बैठक आज पीरागढी गाँव में पंचायत के अध्यक्ष प्रो. राजबीर सोलंकी की अध्यक्षता में दिल्ली के गाँवों के समग्र विकास पर चर्चा हुई। शहरीकृत गाँवों में दिल्ली नगर निगम द्वारा हाउसटैक्स के नोटिस भेजे जाने पर नाराजगी व्यक्त की गई। पंचायत के उपाध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स ने कहा कि जब दिल्ली के शहरीकृत और ग्रामीण गाँवों के लोगों को सरकार द्वारा आजादी के 75 साल बाद भी उनकी सम्पत्ति का मालिकाना हक ही नहीं दिया गया है तो हाउसटैक्स के नोटिस क्यों और किस हैसियत से लोगों को दिए जा रहे हैं। वत्स ने दिल्ली के सातों लोकसभा सांसदों, तीन राज्यसभा सांसदों, 70 विधायकों और सभी निगम पार्षदों सहित दिल्ली भाजपा, आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पार्टी से आग्रह किया है कि वे दिल्ली के गांवों के समग्र त्वरित विकास के लिए सर्वप्रथम निर्धारित समयावधि में स्वामित्व योजना लागू कराकर सभी ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का स्वामित्व प्रमाण पत्र जारी कराने में अपने प्रभाव का इस्तेमाल करें। वत्स ने कहा कि स्वामित्व योजना पूरे देश में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शुरू की है। लेकिन दिल्ली के गाँवों में इसे यह कहकर लटकाया जा रहा है कि दिल्ली में पंचायत नहीं हैं। दिल्ली नगर निगम ने 75 सालों में अभी तक सभी 360 गाँवों का ले-आउट प्लान तक तैयार नहीं किया है। गाँव में बैंक तो खुले हैं पर वे लालडोरे में स्थित किसी भी प्रापर्टी पर ग्रामीणों को होम लोन नहीं देते। ग्रामीणों के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। हैरानी की बात तो यह है कि गाँवों की जमीन पर बसी कालोनियों के लोगों को तो सब सुविधाएं सरकार दे रही है वहीं गाँवों के लोगों को उनकी अपनी ही जमीन का मालिकाना हक तक नहीं दिया जा रहा है। बैठक में पीरागढी गाँव के मूल निवासी अरुण शौकीन ने दिल्ली के सभी गाँवों को हाउसटैक्स से मुक्त करने की मांग उठाई। महासचिव पारस त्यागी ने कहा कि दिल्ली के सभी गाँवों की ग्राम सभा का करोडों रुपया सरकार के पास जमा है उस धनराशि को उस गांव के विकास कार्यों में ग्राम केंद्रित विकास योजनाएं बनाकर खर्च किया जाए। सुलतानपुर डबास के श्री नरेश डबास, बवाना से श्री प्रवीण नंबरदार, परमजीत कौशिक, नारायणा गांव से आदित्य तंवर, देवेंद्र तंवर, सावदा गाँव से रविंद्र डबास, हिरनकी गाँव से कृष्णकुमार, मुबारकपुर डबास से बिजेंद्र डबास, माजरा डबास से अशोक डबास सहित पंचायत के सभी सदस्यों ने एक स्वर से सभी निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों से मांग की है कि वे सब मिलकर दिल्ली के गाँवों की सभी मूलभूत सुविधाओं के लिए आगे आएं।

आरटीओ संदीप सैनी ने फिटनेस सेंटर का औचक निरीक्षण कर दिए निर्देश

प्रात: किरण संवाददाता

हल्द्वानी। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) संदीप सैनी ने अधिनिस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ आज बुधवार को ऑटोमेटिक फिटनेस परीक्षण केंद्र लालपुर का औचक निरीक्षण किया। जिसमें फिटनेस सेंटर पर अधिकृत कर्मचारियों के अलावा अतिरिक्त कुछ अन्य कर्मचारी कार्य करते पाए गए, जिसपर सेंटर मैनेजर से कर्मचारियों की जानकारी ली गई, जिसमें मैनेजर ने बताया कि कुछ नए कर्मी हैं, जिन्हें ट्रेनिंग दी जा रही है। जिसपर निर्देशित किया गया, कि समस्त कर्मचारियों की अपडेटेड सूची आरटीओ एवं एआरटीओ कार्यालय उपलब्ध करायी जाए। वही आरटीओ ने फिटनेस फीस के संबंध में निर्देशित किया, कि फिटनेस सेंटर के मुख्य द्वार पर संस्थान द्वारा डाली जाने वाली समस्त फीस का उल्लेख किया जाए एवं एक कंप्लेंट बॉक्स भी रखा जाए। इसके साथ ही आरटीओ सैनी ने निर्देशित किया, कि कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति, वाहन स्वामी या चालक के अलावा किसी को भी सेंटर के भीतर प्रवेश न दिया जाए व निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त किसी भी प्रकार का शुल्क ना लिया जाए अन्यथा शिकायत की पुष्टि होने पर सेंटर के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। यह भी निर्देशित किया की सेंटर के समस्त कार्मिक एक समान

वर्दी में रहे, जिससे सेंटर व बाहरी व्यक्ति की पहचान हो सके। इधर निरीक्षण में यह भी देखा गया कि वाहनों का भौतिक निरीक्षण सही से नहीं किया जा रहा है। जिसपर आरटीओ ने निर्देश दिए कि कोई भी वाहन जो मोटर व्हीकल एक्ट एवं रूल्स के मानको के अनुरूप नहीं है, उनकी फिटनेस किसी भी दशा में ना की जाए। साथ ही एक विभाग तकनीकी अधिकारी से हो भौतिक निरीक्षण करवाया जाये, मानको के विपरित फिटनेस करने पर सेंटर पर नियमानुसार कार्यवाही के लिए परिवहन मुख्यालय संस्तुति कर दी जाएगी। निरीक्षण के दौरान संभागिय निरीक्षक (तकनीकि) मनोज त्यागी व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

संक्षिप्त खबरें

स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनें

बाजपुर ।ग्राम बरहैनी में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग उत्तराखण्ड द्वारा एस.एच.जी. की 18 महिलाओं को 38 मौन बॉक्स ;मधुमक्खीद्ध 80 प्रतिशत सब्सिडी के साथ वितरित किए गए। भाजपा मंडल अध्यक्ष बिट्टू चैहान ने कहा कि क्षेत्रवासी सरकार की इस योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनें। भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष उमा जोशी ने कहा कि यह एक ट्रायल है, यदि महिलाएं इसे रोजगार के रूप में अपनाएंगी तो हर गांव में इसकी ट्रेनिंग के कैंप लगाकर उनको यह लाभ दिलवाया जाएगा। इस मौके पर डॉ. मोहन चंद्र पांडे, एसएचआई के.एल. सागर, सहायक विकास अधिकारी कमलजीत कौर, ग्राम प्रधान संदीप कुमार, कन्नू जोशी, रमेश पांडे, गुरबख्श सिंह, दलविंदर सिंह रंधावा, मोहन सिंह, विरेंद्र सिंह बिष्ट आदि थे।

ब्लाक कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को फूल मालाओं से किया स्वागत

बाजपुर ।कांग्रेस के नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष पवन शर्मा ने ब्लॉक ब्लॉक की नवनिर्वाचित कमेटी का गठन किया गया जिसमें सभी पदाधिकारियों का नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के कैंप कार्यालय पर फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। कांग्रेस के नवनिर्वाचित ब्लॉक अध्यक्ष पवन शर्मा ने बताया ब्लॉक की नवीन कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है ।इसके साथ ही विशेष आमंत्रित सदस्य भी बनाए गए हैं ।विशेष सदस्यों में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य,हरमिंदर सिंह लाडी,जितेंद्र शर्मा,डीके जोशी,गजेंद्र शर्मा,कदीर अहमद,जगजीत सिंह,शेर सिंह, इंद्रपाल सिंह राणा,केसर राम आर्य, सियाराम,गुरदीप सिंह लंबरदार,नैन सिंह,सुभाष शर्मा,पूरन बिष्ट आदि आमंत्रित सदस्य बनाए गए हैं।

फंदे से लटकते मिले प्रेमी युगल के शव

हमीरपुर जिले में बुधवार को एक कथित प्रेमी युगल के शव संदिग्धक हालात में पेड़ पर लगे फंदे से लटकते मिले। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि सुमेरपुर थाना क्षेत्र के मिहुना गांव के बाहर खेत में लगे पेड़ पर लगे फंदे से प्रेमी जोडे के शव लटकते पाये गये। सूचना मिलने पर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। मृतकों की शिनाख्ते अनुज यादव (21) और पिंकी प्रजापति (20) के रूप में हुई है। पुलिस ने शव पोस्टतमार्टम के लिये भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भाजपा अल्संख्यक मोर्चा के नवनियुक्त नगर मंडल अध्यक्ष हारून मलिक का किया पूर्व विधायक शुक्ला ने स्वागत

प्रात: किरण संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष जुल्फिकार अली ने भाजपा युवा नेता किच्छा निवासी हारून मलिक को मोर्चे का नगर मंडल मनोनीत किया है। उनके मनोनयन पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला सहित तमाम भाजपाईयों ने उन्हे बधाई देते हुए उनका

स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसमें सभी वर्गो धर्मो के लोगों को एक समान सम्मान दिया जाता है। उन्होने कहा कि डा0 हारून मलिक पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में शामिल है उन्होने हमेशा पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य किया है। उन्होने विश्वास जताया कि श्री मलिक पार्टी हाई कमान द्धारा जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभायेगें। इस मौके पर नवनियुक्त भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के नगर मंडल अध्यक्ष हारून मलिक ने कहा कि पार्टी द्धारा जो जिम्मेदारी उन्हे सौंपी गई है वह उस पर पूरी तरह खरा उतरने का प्रयास करेगें। उन्होने पार्टी हाई कमान व पूर्व विधायक श्री शुक्ला का आभार जताया।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी निर्वाचन हेतु मतदाताओं के पंजीकरण कर उनकी नर्वाचक नामावली तैयार करने हेतु जनपद के अधिकारियों को की तैनाती

प्रात: किरण संवाददाता

जिला निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ना0नि0)/मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा ने आगामी नागर स्थानीय निकायों के निर्वाचन हेतु मतदाताओं के पंजीकरण कर उनकी वार्डवार/निकायवार निर्वाचक नामावली तैयार करने हेतु जनपद के अधिकारियों को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/नोडल अधिकारियों की तैनाती की है। उन्होने बताया कि नगर निगम रूद्रपुर व नगर पंचायत लालपुर हेतु उप जिलाधिकारी रूद्रपुर को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार रूद्रपुर को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक नगर आयुक्त रूद्रपुर व अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत लालपुर को नोडल अधिकारी नामित किया है। इसी प्रकार नगर निगम काशीपुर, नगर पालिका परिषद महुआखेड़ागंज हेतु उप जिलाधिकारी काशीपुर को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार काशीपुर को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक नगर आयुक्त काशीपुर, अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत महुआखेडागंज को नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद खटीमा हेतु उप जिलाधिकारी खटीमा को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार खटीमा को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद खटीमा को नोडल अधिकारी नामित किया है। नगर पालिका परि+षद सितारगंज व नगर पंचायत शक्तिगढ एवं नानकमत्ता हेतु उप जिलाधिकारी सितारगंज को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार सितारगंज को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सितारगंज, नगर पंचायत शक्तिगढ व नानकमत्ता को नोडल अधिकारी नामित किया है। नगर पालिका परिषद किच्छा व नगर पंचायत नगला हेतु उप जिलाधिकारी किच्छा को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार किच्छा को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद किच्छा एवं नगर पंचायत नगला को नोडल अधिकारी नामित किया है। नगर पालिका परिषद गदरपुर, नगर पंचायत दिनेशपुर एवं गूलरभोज हेतु उप जिलाधिकारी गदरपुर को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार गदरपुर को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद गदरपुर, नगर पंचायत दिनेशपुर एवं गूलरभोज को नोडल अधिकारी नामित किया है। नगर पालिका परिषद बाजपुर, नगर पंचायत केलाखेडा व सुल्तानपुर हेतु उप जिलाधिकारी बाजपुर को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार बाजपुर को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बाजपुर, नगर पंचायत केलाखेडा व सुल्तानपुर को नोडल अधिकारी नामित किया है। नगर पालिका परिषद जसपुर एवं नगर पंचायत महुआडाबरा हेतु उप जिलाधिकारी जसपुर को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार जसपुर को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जसपुर, नगर पंचायत महुआडाबरा को नोडल अधिकारी नामित किया है। उन्होने सभी नामित अधिकारियों से कहा है कि राज्य निर्वान आयोग के निदेर्शों एवं तत्संबंधी अधिनियम में विहित प्रक्रिया/नियमों के अन्तर्गत नागर स्थानीय निकायों की वार्डवार मतदाता सूची तैयार करने हेतु मतदाता पंजीकरण का कार्य राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचित किये जाने वाले कार्यक्रम के अनुसार करायेंगे।

वेहताश महंगाई और सर्किल रेट की बढ़ोतरी को लेकर जनता में आक्रोश: यशपाल आर्य

प्रात: किरण संवाददाता

बाजपुर। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि बेतहाशा बढ़ रही महंगाई के पर प्रदेश सरकार द्वारा जमीन की सर्किल दरों में वृद्धि का तड़का लगा कर अब जमीन खरीदना और मकान बनाना आम लोगों की पहुंच से दूर होते नजर आ रहा है। सरकार कंहा तो सबको छत देने का वादा कर रही थी और अब बदली हालातों में एक आम गरीब आदमी के लिये मकान बनाने के लिए जमीन खरीदना भी मुश्किल सा प्रतीत होता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा की अभी हाल ही में

राज्य सरकार ने प्रदेश भर में जमीन के सर्किल रेटों में बृद्धि की है। यह वृद्धि कम से कम 70 प्रतिशत और अधिकतम 120% की गयी। हाल के सालों में एक साथ कभी भी जमीन के सर्किल रेटों में इतनी वृद्धि नही हुई थी ।यशपाल आर्य ने कहा कि,सर्किल रेटों में इस वृद्धि गरीबों ही नही मध्यमवर्गीय लोगों और छोटे कर्मचारियों/व्यापारियों के साथ अन्याय होगा ।उन्होंने कहा कि , यह अफसोस कि बात है कि, सरकार ने इस निर्णय को उस समय लिया जब आधा उत्तराखंड का अधिकांश पर्वतीय इलाका भूझधसाव से परेशान है। इन प्रभावित लोगों को घर बनाने के लिए भूमि लेनी है ,बेरोजगारी और महंगाई चरम पर है , ऐसे में कोई भी आम व्यक्ति भूमि/संपत्ति खरीदने की कैसे सोच सकता है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि, आम व्यक्ति सालों है तक पाई पाई को जोड़कर मकान बनाने के लिए जमीन खरीदता है अब अचानक जमीनों के सर्किल रेट में बेतहाशा बढ़ोत्तरी कर भाजपा सरकार ने आम लोगों के घर के सपने पर तुषारपात करने का काम किया है ।आर्य ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य में पहले से ही जमीनों के सर्किल रेट बहुत अधिक थे , इसबार की वृद्धि के बाद आवासीय भूखण्ड खरीदना आम आदमी की पहुंच से बाहर ही जायेंगे। उन्होंने कहा कि जमीनों के सर्किल रेट अधिक होने के बाद जमीनों की कम रजिस्ट्री होने से राज्य को राजस्व की भी हानि होगी। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि ,प्रणाली ऐसी होनी चाहिए कि जनता को भी सर्किल रेट देते हुए अफसोस न हो। उन्होंने राज्य सरकार को चेताते हुए कहा कि, वह सर्किल रेट में अनुचित वृद्धि तत्काल वापस ले और पुराने सर्किल रेट पुनः लागू कर जनता के साथ न्याय करे।

होम्योपैथिक निशुल्क चिकित्सा शिविर में 450 बच्चों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, निशुल्क दवा वितरण

प्रात: किरण संवाददाता

राजकीय प्राथमिक विद्यालय हल्दी पंतनगर में होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें किच्छा सरकारी अस्पताल की होम्योपैथिक चिकित्सक डा0 सिमरनजीत कौर ने लगभग 45 लोगों का निशुल्क परीक्षण कर उन्हे दवा वितरित की। बता दें कि निदेशक होम्योपैथी डा0 जे0 एल0 फिरमाल के निदेर्शानुसार तथा जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी उधम सिंह नगर के आदेशानुसार लगातार निशुल्क होम्यौपैथिक कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उक्त शिविर में डा0 सिमरन जीत कौर द्धारा सभी बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया तथा फार्माशिष्ट अंजू तिवारी द्धारा निशुल्क दवा वितरित की गई। शिविर में लाभार्थियों की संख्या लगभग 450 रही। साथ साथ बच्चों को पौष्टिक आहार तथा स्वस्थ रहने के बारे में में विस्तार से जानकारियां दी गई। शिविर में स्कल के प्रधानाचार्य बाबू मजूमदार तथा श्रीमती नलिका सिंह ने अपनी मौजूदगी के साथ महत्वपूर्ण योगदान किया। फोटोः-22 एचएलडीएसयूआर 222। निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करती डा0 सिमरन

राइंका सौड़ का वार्षिकोत्सव हुआ सम्पन्न।

हुए रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रम।

प्रात: किरण संवाददाता

कालाढूंगी। विकास खंड कोटाबाग के राजकीय इंटर कॉलेज सौड़ के वार्षिकोत्सव में रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख रवि कन्याल, विशिष्ट अतिथि क्षेत्र पंचायत सदस्य निशा बिष्ट, प्रधान जीवनी देवी ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य गुड़िया बी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। शिक्षिका मीनाक्षी आर्या ने विद्यालय की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम में बोलते हुए ब्लाक प्रमुख रवि कन्याल ने कहा की सभी बच्चे अनुशासन में रहकर अपने लक्ष्य एवं शिक्षा पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि शिक्षा बेहतर जीवन के लिए बहुत जरूरी है। शिक्षा एवं स्कूली विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर विद्यालय शिक्षक दयाल राम, महेश चंद्र जोशी, ललित मोहन पांडे, महिपाल चंद्र, कमलेश तिवारी, शोभा बुधलाकोटी, निर्मल तिवारी, शत्रुध्न गगंवार सहित पूर्व बार एसोसिएशन उत्तराखंड अध्यक्ष ललित बेलवाल, पूर्व महासचिव विनोद तिवारी, पूर्व संयुक्त सचिव सैयद काशिफ जाफरी, पूर्व प्रधान आनन्द सिंह बिष्ट, प्रकाश नारायण बिष्ट, हरीश चंद्र, वीरेंद्र सिंह बिष्ट, मनोज बिष्ट, सौरव बिष्ट आदि उपस्थित रहे।

फोटो। ब्लाक प्रमुख का स्वागत करता विद्यालय स्टाफ।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने ली सामान्य आन्तरिक बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

हल्द्वानी। जिला पंचायत अध्यक्ष बेला तोलिया की अध्यक्षता में जिला पंचायत नैनीताल की सामान्य आन्तरिक बैठक जिला पचांयत सदस्य एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों के साथ मंगलवार को सर्किट हाउस काठगोदाम में आयोजित की गई। बैठक में वर्ष 2023-24 मूल अनुमान हेतु रुपये 539278867.00 का बजट प्रस्ताव सह सहमति से पास किया गया। बैठक में जिला पंचायत नैनीताल के विभिन्न विकास खण्डों में होमस्टे/गेस्ट हाउस के सम्बन्ध में, जिला पंचायत नैनीताल के विभिन्न बाजार, हाट बाजार एवं सार्वजनिक स्थलों पर सोलर लाईट स्थापित किये जाने, कार्यालय जिला पंचायत नैनीताल का सौन्दर्यकरण एवं रंगरोगन किये जाने, वर्तमान एंव आगामी वित्तीय वर्ष में 15वें वित्त से कूडा निस्तारण एवं काम्पेक्टर लगाने हेतु, जिला पंचायत नैनीताल ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन उपविधि 2022 एवं प्रतिबन्धित अपशिष्ट प्लास्टिक प्रबन्धक उपविधि 2022 को सदन के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत,सम्पति विभव कर 2021-22 एवं 2022-2023 के व्यवसायियों पर आरोपित कर का अनुमोदन, जिला पंचायत नैनीताल के ग्रामीण क्षेत्रान्तार्गत निर्माण, भवनों एवं व्यवसायिक भवनों का मानचित्र की उपविधि, जिला पंचायत एंव क्षेत्र पंचायत अधिनियम 1961 के निर्मित उपविधियों को उत्तराखण्ड पंचायतीराज अधिनियम 2016 की सुसंगत धाराओं में प्रतिस्थापित कर संशोधन, कार्यालय जिला पंचायत, नैनीताल में प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रधान सहायकों के रिक्त पदों पर पदोन्नति किये जाने हेतु विचार विर्मश किया गया । जिला पंचायत उपाध्यक्ष आनन्द, जिला पंचायत सदस्य गीता बिष्ट,अनिल चनौतिया, कमलेश बिष्ट, दीपक मेलकानी , प्रेम बल्लभ बजृवासी, सागर पाण्डे , मीना चिलवाल, किशोरी लाल, पूजा, आदि मौजूद थे।

टूरिज्म हल्द्वानी में विकसित होने वाले भारत की पहली एस्ट्रो पार्क कम साइंस सिटी को मिली सैद्धान्तिक स्वीकृति.....

उत्तराखंड में एस्ट्रो-टूरिज्म की राह को पूर्ण करेगा हल्द्वानी का एस्ट्रो पार्क

- हल्द्वानी के तराई रेंज के 06 हेक्टयर क्षेत्र में विकसित होने वाली एस्ट्रो पार्क का एरीज, राजस्व व वन विभाग की टीम ने किया निरीक्षण
- पार्क में नक्षत्र, सौर मंडल और नवग्रह को जुड़े अध्ययन किए जा सकेंगे- जिलाधिकारी

प्रात: किरण, संवाददाता

हल्द्वानी। मुख्यमंत्री के निर्देश में शासन से एस्ट्रोपार्क कम साइंस सिटी की सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त होने के बाद एरीज के निदेशक प्रोफेसर दीपंकर बैनर्जी, एरीज के नोडल अधिकारी मोहित जोशी, रेंजर उमेश आर्या व उपजिलाधिकारी हल्द्वानी मनीष कुमार ने प्रस्तावित भूमि का स्थलीय निरीक्षण किया। इसके

पश्चात वन भूमि हस्तांतरण हेतु अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल ने कहा कि शासन द्वारा एस्ट्रोपार्क कम साइंस सिटी बनाने की सैद्धातिंक स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह भारत का पहला एस्ट्रोपार्क कम साइंस सिटी है, जिसे हल्द्वानी में विकसित किया जाएगा इस पार्क में नक्षत्र और सौर मंडल, नवग्रह को जुड़े अध्ययन किए जा सकेंगे। पार्क के लिए ओपन यूनिवर्सिटी के समीप 06 हेक्टयर भूमि का 22 फरवरी को संयुक्त निरीक्षण कर अग्रिम कार्यवाही हेतु प्रस्तावित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड ओपन यूनिवर्सिटी के समीप एस्ट्रोपार्क बनने से क्षेत्र की अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त होगी ,वही देश विदेश के एरीज में शिक्षा प्राप्त कर रहे शिक्षार्थियों के शिक्षा के विकास के साथ ही क्षेत्र के पर्यटन को बढावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि एस्ट्रोपार्क में साइंस लैब के साथ ही शिक्षार्थियों के लिए साइंस पवेलियन, डेटा सेंटर एवं साइंस पार्क भी निर्माण किया जायेगा। एस्ट्रो पार्क के स्थापित होने से क्षेत्रीय विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को विज्ञान के प्रति जागरूक किया जाएगा और भारत की वैज्ञानिक नीव सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा एशिया की सबसे बडी देवस्थल में लगी एरीज दूरबीन से एस्ट्रोपार्क की कनक्टीविटी दी जायेगी। यह भारत में इस प्रकार का अभिनव एवं पहला प्रोजेक्ट होगा।

सम्पादकीय

ठाकरे की शिवसेना कहां

चुनाव आयोग ने तय कर दिया कि असली शिवसेना किसकी है। पार्टी का नाम, चुनाव चिह्न और आलाकमानी अधिकार किसका होगा, तो शिवसेना के विरासती अध्यक्ष रहे उद्धव ठाकरे एकदम बिफर उठे। केंद्र की मोदी सरकार पर तानाशाही के आरोप मढ़ दिए। यहां तक कह दिया कि शिव का धनुष-बाण कोई रावण धारण नहीं कर सकता। कोई चोर नहीं चुरा सकता। सुपारी देकर शिवसेना छीनने की कोशिश की गई है। 50-50 करोड़ रुपए में विधायक और सांसद खरीदे गए हैं। यह पूरा खेल 2000 करोड़ रुपए का है। शिवसेना भाजपा के तलवे चाटने को तैयार नहीं है। केंद्र सरकार के दबाव में चुनाव आयोग ने ऐसा अन्यायपूर्ण फैसला दिया है। लोकतंत्र की हत्या की गई है। अब चुनाव आयोग को ही भंग कर देना चाहिए। इस बौखलाहट के साथ उद्धव ठाकरे ने सर्वोच्च अदालत में चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी है। बहरहाल यह उनका संवैधानिक अधिकार है।

अब शीर्ष अदालत जो निर्णय सुनाएगी, वह अंतिम और सर्वमान्य होगा, लेकिन उद्धव ठाकरे का यूं बिफरना लोकतांत्रिक नहीं है। उन्होंने और उनके गुट के प्रवक्ताओं, नेताओं ने जो आरोप चस्पा किए हैं, वे आपराधिक मानहानि किस्म के हैं। यदि अदालत में मानहानि का केस दायर किया जाए, तो उद्धव गुट निरुत्तर होकर बगलें झांकता रह सकता है। 2000 करोड़ रुपए की घूस देने का आरोप बेहद गंभीर है और यह राशि भी बहुत मोटी है। इस अनर्गल अलाप का जवाब उद्धव गुट कैसे देगा? उन्हें देश के संवैधानिक मूल्यों और निकायों की स्वायत्तता और न्यायिकता का सम्मान करना चाहिए। बहरहाल शिवसेना का गठन 1966 में उद्धव के पिता बाल ठाकरे ने जरूर किया था, लेकिन पार्टी किसी की बपौती नहीं है। बाल ठाकरे ने अपने आह्वानों और नीतियों के बल पर महाराष्ट्र में एक राजनीतिक जमात स्थापित की, जिसे शिवसैनिक कहते हैं।

उसमें एकनाथ शिंदे भी शामिल हैं, जो आज राज्य के मुख्यमंत्री हैं। पिता की विरासत मकान-दुकान जैसी संपत्ति और धन तक ही सीमित होती है। यकीनन संतानें ही पिता की विरासत की अधिकारी होती हैं, लेकिन राजनीतिक पार्टी के वारिस असंख्य होते हैं। उसमें लोकतंत्र काम करता है, समयबद्ध चुनाव कराने अनिवार्य हैं, लिहाजा पार्टी संगठन और चुने हुए प्रतिनिधियों का बहुमत जिसके पक्ष में होगा, वही पार्टी का आलाकमान और अध्यक्ष होगा। पार्टी के संचालन का दायित्व भी उसी का होगा। बाल ठाकरे की राजनीतिक विरासत जितनी उद्धव की है, उतनी ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की है।

पार्टियों में ऐसे विभाजन होते रहे हैं। 1969 के दौर की कांग्रेस इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। कुछ साल पहले समाजवादी पार्टी के भीतर संस्थापक अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव को पदमुक्त कर, उनके ही बेटे अखिलेश ने, पार्टी पर अपना वर्चस्व और बहुमत साबित किया था। चुनाव आयोग ने सपा और चुनाव चिह्न साईकिल अखिलेश यादव को आवंटित कर दिए और उन्हें अध्यक्ष मान लिया गया। मुलायम सिंह उसके कई सालों बाद तक जीवित रहे। अंततः उन्हें भी नया नेतृत्व स्वीकार करना पड़ा। बहरहाल ऐसी राजनीतिक लड़ाइयां होती रहती हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थानों पर फिजूल सवाल उठाते हुए कालिख नहीं पोती जाती। अब उद्धव गुट भी अदालत में है, देखें क्या फैसला आता है?

कालेज छात्र और पुरुष वेश्यावृत्ति

डा. वरिंदर भाटिया

उच्च शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए हतप्रभ करने वाली खबरें बता रही हैं कि पैसा कमाने की होड़ में देश में अनेक डिग्री कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के कुछ लडके पुरुष वेश्यावृत्ति में लिप्त हो रहे हैं। इस काले काम में संलिप्त लडकों को जिगोलो कहा जाता है। सोशल मीडिया के जरिये पता लगता है कि इन लडकों से सेवाएं लेने वाली अनेक महिलाएं अमीर और बड़े घरानों की होती हैं। कहा जाता है कि बड़े शहरों में अनेक एजेंसियां रहती हैं जो जिगोलो की सप्लाई करती हैं और जल्दी से पैसा कमाने की इच्छा रखने वाले कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्र इनके सॉफ्ट टारगेट्स होते हैं। इनका ज्यादातर काम इंटरनेट के जरिये चलता है। देश में पुरुष वेश्याओं यानी कि जिगोलो का ट्रेंड दिल्ली, मुंबई, चंडीगढ़ आदि में स्थित मिडिल क्लास नाइट क्लबों में तेजी से बढ़ा है। ऐसा लगता है कि अनेक छोटे और पहाड़ी राज्य इससे अछूते नहीं रहे हैं। भारत में महिलाओं के बीच वेश्यावृत्ति तो सदियों से चली आ रही है, लेकिन अब पुरुष भी इस धंधे में पडे लगे हैं। यह आश्चर्यजनक भी है और सत्य भी है कि देश में कई कारणों से पुरुष वेश्यावृत्ति में इजाफा देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर इससे जुड़े ताजा समाचार इसकी पुष्टि करने के लिए काफी हैं। आइए, इस बोल्ड और समाज को कलंकित करने वाले इस काले स्याह मुद्दे की बारीकी को समझें। आम भाषा में कामुकता तलाशती चिनिन्दा महिला ग्राहकों को सेवा प्रदान करने वाले पुरुष वेश्याओं या फिर मेल एस्कोर्ट की कई श्रेणियां हो सकती हैं। सबसे पहले है यूफेमिडम, ये वे पुरुष वेश्या होते हैं जो सामान्यतया अपने सेक्स व्यवसाय के तहत न्यूड डांसिंग, माडलिंग, बॉडी मसाज या अन्य दूसरी शुल्क आधारित सुविधाएं मुहैया करवाते हैं। दूसरे स्थान पर हैं गे फॉर पे, इन पुरुषों की इस श्रेणी में वैसे पुरुष आते हैं जो खुद को गे तो नहीं मानते, पर पैसों के लिए दूसरे मर्दों के साथ सेक्स करते हैं। तीसरे स्थान पर होते हैं जौन या ट्रिक्स। इन्हें स्ट्रीट प्रोस्टिट्यूट भी कहा जाता है। आम तौर पर ऐसे पुरुष बार या स्ट्रीट से पुरुष वेश्या को पिक करते हैं। इसके बाद आते हैं वो पुरुष जो स्थायी तौर पर किसी मेल ब्रोथल में अपनी सेवाएं देते हैं। उन्हें फेयरिज कहा जाता है। ये बार में भी अपना धंधा चलाते हैं। जापान में इन युवा पुरुष वेश्याओं को कोगामा कहा जाता था। इनके ग्राहक अधिकतर प्रौढ़ पुरुष होते थे। मध्य एशिया और अफगानिस्तान के दक्षिणी भागों में 12 से 16 वर्ष के पुरुष वेश्याओं को बाच्चा कहा जाता था। ये वे किशोर होते थे जो अपने कामुक गीतों और नृत्यों से लोगों को लुभाते थे। क्यूबा में पुरुष वेश्याओं को जिनतेरो कहा जाता है। कैरेबिया में पुरुष सेक्स वर्कर को सैंकीपैंकी कहा जाता है। खुल्लम खुला बात करें तो एक वक्त था जब वेश्यावृत्ति स्त्रियों से जुड़ा पेशा माना जाता था। चूंकि कामुक देह की स्वामिनी सिर्फ स्त्रियां होती थीं और चंचलता, नजाकत, शोखी, सेक्स अपील जैसे कामुक विशेषण स्त्रियों की देह के साथ जुड़े होते थे, लिहाजा यह सर्वसम्मत राय थी कि देह का व्यापार सिर्फ स्त्रियां कर सकती हैं।

अरसे से एकछत्र राज कर रही कुछ महिलाओं के इस बाजार में पुरुषों ने भी सेंध लगाना शुरू कर दिया है। इसके अनेक सामाजिक और मनोवैज्ञानिक कारण हैं। दरअसल उदारवादी, उन्मुक्त और विकासवादी विचारधारा ने कभी न प्रदर्शित होने वाली सेक्स उत्कंठा को बाजार की व्यापारिक जरूरत बना दिया है। समृद्धि, संपन्नता और संभ्रांतता ने इसे और ज्यादा व्यावसायिक बनाया है। सामाजिक पाबंदियों के चलते दबा कर रखी जाने वाली स्त्रियों की कामेच्छा ने अब प्रत्यक्ष रूप से पुरुष वेश्यावृत्ति के व्यवसाय को विस्तारित किया है। इन दिनों अनेक पहाड़ी राज्यों मे सेक्स टूरिज्म शबाब पर है। देश के पवित्र स्थानों के आसपास यह आम बात हो गई है। इसके अलावा देश-विदेश में बढ़ती महिला पर्यटकों की आवाजाही ने इस फील्ड में मेल प्रोस्टिट्यूट की मांग को और ज्यादा बढ़ाया है। पर्यटन के दौरान यात्रा को और ज्यादा रोमांचक व मजेदार बनाने के लिए महिला पर्यटकों द्वारा इन्हें टैंपरेरी ब्वायफ्रेंड के तौर पर हायर किया जाता है जो उन की यौन इच्छा की पूर्ति के लिए न केवल सेक्स पार्टनर की तरह काम करते हैं बल्कि वे डायनिंग कंपेनियन, टुअर गाइड, डांसिंग पार्टनर आदि की भी भूमिका निभाते हैं। समाज शास्त्री और मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि तथाकथित पुरुष को हायर करने वाली अधिकतर उम्रदराज या अधेड़ उम्र की महिलाएं होती हैं जिन्हें सेक्स के साथ-साथ रोमांस की भी दरकार होती है। आर्थिक रूप से संपन्न चाहवान औरतों द्वारा इन्हें मोटी रकम अदा की जाती है और हर प्रकार की सुख-सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। इससे इस क्षेत्र में कदम बढ़ाने वाले पुरुषों की तादाद बढ़ गई है। जब हमारे कॉलेज छात्र इसमें शामिल होने लगे हैं तो यह अत्यंत चिंताजनक है। यह हमारे समाज के परदे के पीछे की वीभत्स और घिनौनी सत्यता है। इससे जुड़ी अनेक रिसर्च बताती हैं कि भारत में पिछले कुछ वर्षों से मेल प्रोस्टिट्यूटों की संख्या में खासा इजाफा हुआ है। इंटरनेट पर उपलब्ध खबरें विदित करती हैं कि भारत के बड़े शहरों में पुरुष वेश्यावृत्ति को प्रोमोट करने वाले नैटवर्क काम करते हैं जिसमें फीमेल क्लाइंट की जरूरत और डिमांड के आधार पर उन्हें 2 तरह की सुविधाएं होम बेस्ड सर्विस और आउटर सर्विस (जिसमें क्लाइंट को सीधे जिगोलो द्वारा तय किए गए किसी स्थान पर या स्वयं क्लाइंट द्वारा चयनित किसी स्थान पर पहुंचना होता है) प्रदान की जाती हैं।

कोयला क्षेत्र खनन की सुदृढ़ व्यवस्था के जरिए पर्यावरण की देखभाल सुनिश्चित

पर्यावरण संरक्षण की सफलता की कुछ उल्लेखनीय कहानियों में सामुदायिक उद्देश्यों के लिए खदान के अधिशेष पानी का लाभदायक उपयोग, पुनर्निर्मित खनन क्षेत्रों में इको-माइन पर्यटन को बढ़ावा देते हुए हरित क्षेत्र को अधिकतम करना, खनन की प्रक्रिया में निकले अनुपयोगी पदार्थों (ओवरबर्डन) का वैकल्पिक उपयोग, ऊर्जा दक्षता उपाय और कई अन्य शामिल हैं। तेजी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगीकरण और जनसंख्या वृद्धि ने जल संसाधनों पर काफी दबाव डाला है। अत: पानी की हर बूंद को संरक्षित और सुरक्षित करने का सही समय है, क्योंकि प्रत्येक बूंद मायने रखती है। कोयला निकालने की प्रक्रिया के दौरान खानों में एकत्रित भूजल की बड़ी मात्रा का उपयोग, न्यूनतम शोधन के बाद, सिंचाई और पीने के लिए किया जा सकता है। कोयला और लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू सामुदायिक उपयोगों जैसे पेयजल और सिंचाई के रूप में अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में इसकी आपूर्ति करके खदान के पानी के संरक्षण और कुशल उपयोग के लिए अनेक कदम उठा रहे हैं।

श्री भवानी प्रसाद पति
लेखक, भारत सरकार के कोयला मंत्रालय में संयुक्त सचिव हैं।

अ कोयला मंत्रालय के तत्वावधान में कोयला और लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू न केवल देश की तेजी से बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा कर रहे हैं बल्कि कोयला खनन क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक उपाय भी कर रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण की सफलता की कुछ उल्लेखनीय कहानियों में सामुदायिक उद्देश्यों के लिए खदान के अधिशेष पानी का लाभदायक उपयोग, पुनर्निर्मित खनन क्षेत्रों में इको-माइन पर्यटन को बढ़ावा देते हुए हरित क्षेत्र को अधिकतम करना, खनन की प्रक्रिया में निकले अनुपयोगी पदार्थों (ओवरबर्डन) का वैकल्पिक उपयोग, ऊर्जा दक्षता उपाय और कई अन्य शामिल हैं। तेजी से हो रहे शहरीकरण, औद्योगीकरण और जनसंख्या वृद्धि ने जल संसाधनों पर काफी दबाव डाला है। अतः पानी की हर बूंद को संरक्षित और सुरक्षित करने का सही समय है, क्योंकि प्रत्येक बूंद मायने रखती है।

कोयला निकालने की प्रक्रिया के दौरान खानों में एकत्रित भूजल की बड़ी मात्रा का उपयोग, न्यूनतम शोधन के बाद, सिंचाई और पीने के लिए किया जा सकता है। कोयला और लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू सामुदायिक उपयोगों जैसे पेयजल और सिंचाई के रूप में अपने नियंत्रण वाले क्षेत्रों में इसकी आपूर्ति करके खदान के पानी के संरक्षण और कुशल उपयोग के लिए अनेक कदम उठा रहे हैं। सक्रिय खदानों से छोड़े गए पानी के साथ-साथ कोयला और लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू द्वारा उत्पाादन या परिचालन नहीं कर रही खदानों में उपलब्ध पानी, कोयला खनन क्षेत्रों के नजदीक 900 गांवों में रहने वाले लगभग 18 लाख लोगों को लाभान्वित करता है। चालू वित्त वर्ष में, कोयला और लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू सामुदायिक उपयोग के लिए खान के लगभग 4000 एलकेएल जल की आपूर्ति करने की योजना बना रहे हैं, जिसमें से दिसम्ब4र 2022 तक 2788 एलकेएल की आपूर्ति की जा चुकी है। इसमें से 881 एलकेएल का उपयोग पीने सहित घरेलू उद्देश्यों के लिए किया गया है। शेष 1907 एलकेएल का उपयोग सिंचाई उद्देश्यों के लिए किया गया है। खदान के पानी के अधिकांश लाभार्थी जनजातीय लोग हैं जो दूरदराज के इलाकों में रहते हैं। यह प्रयास भारत सरकार के जल संरक्षण प्रयासों के जल शक्ति अभियान की तर्ज पर है।

भंडार समाप्त होने और खनन किए गए क्षेत्रों के उचित सुधार के बाद, खदान क्षेत्रों में, इको-पार्कों, वाटर स्पोगट्र्स स्थिलों, भूमिगत खदान पर्यटन, गोल्फ कोर्सों, साहसिक गतिविधियों, बर्ड वाचिंग, आदि विकसित करने की अच्छी संभावनाएं हैं। ये इको-पार्क स्थानीय आबादी के लिए आजीविका का एक स्रोत प्रदान कर रहे हैं। समय के साथ, कोयला और लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू ने विभिन्न राज्यों में कुल 30 इको-पार्क विकसित किए हैं, जो नियमित पैदल चलने के लिए आकर्षित कर रहे हैं, तथा इस तरह के और अधिक इको-पर्यटन और इको-रिस्टोरेशन साइट्स के निर्माण की योजनाएं जारी हैं। कुछ इको-पार्क पहले से ही स्थानीय पर्यटन सर्किट का हिस्सा हैं और कोयला व लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू अपने संबंधित राज्य पर्यटन विभागों के साथ मिलकर अधिक इको-पार्कों को जोड़ने का काम कर रहे हैं।

कोयला और लिग्नाइट पीएसयू ने भी पर्यावरण के प्रतिकूल प्रभावों को कम करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाकर पर्यावरण के प्रति अपनी संवेदनशीलता और चिंता दिखाई है, जिसमें खनन क्षेत्रों का सुधार और कोयला निकालने के असर वाले क्षेत्रों एवं उसके आसपास व्यापक वृक्षारोपण शामिल है। जिम्मेदारीपूर्ण पर्यावरणीय प्रबंधन के लिए आवश्यक है कि परित्य क्तण खनन भूमि को उसके पिछले, स्थिर और उपयोगी भूमि उपयोगों में वापस लाया जाए। कोयला और लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू कोयला खनन की गतिविधियों को कम करने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं। खदानों को बंद करने की अच्छी तरह से तैयार की गई और अनुमोदित योजनाओं, जिनमें खदानों को प्रगतिशील तरीकों और उन्हें अंतिम रूप से बंद करने से संबंधित विशिष्ट प्रावधान शामिल हैं, के अनुरूप कोयला खदानों को फिर से उपयोगी बनाने के कार्य किए जा रहे हैं।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 2022-23 के दौरान दिसम्बनर 2022 तक 31 लाख से अधिक पौधे लगाए हैं। पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान (वित्तीय वर्ष22 तक) खनन पट्टा क्षेत्र के भीतर 4392 हेक्टेयर हरियाली ने वातावरण से 2.2 एलटी/वर्ष कार्बन सोखने (कार्बन सिंक) की क्षमता का निर्माण किया है। कोयला/लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू ने चालू वित्त वर्ष में दिसम्ब र 2022 तक लगभग 2230 हेक्टेयर भूमि पर पौधे और लगभग 360 हेक्टेयर भूमि पर घास लगाई है।

कोयला और लिग्नाइट पीएसयू अपनी खानों में सीड बॉल प्लांटेशन, ड्रोन और मियावाकी पौधारोपण के माध्यम से बीज कास्टिंग जैसी नवीन तकनीकों को भी लागू कर रहे हैं। खनित क्षेत्र, खनन की प्रक्रिया में निकले अनुपयोगी पदार्थों और अन्य क्षेत्रों के सक्रिय खनन क्षेत्रों से अलग होते ही उनको पुनः उपयोगी बनाने का कार्य तत्काल किया जाता है। वनीकरण संबंधी यह कार्य और हरित पट्टी विकास कार्य कार्बन सिंक का भी निर्माण कर रहे हैं। खनन कार्यों के दौरान निकलकर हवा में फैलने वाले धूल के कणों को रोककर घने वृक्षों का आवरण वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में भी मदद करता है।

हमारे नदी के इकोसिस्टम को संरक्षित करने के प्रयास के रूप में, कोयला और लिग्नाइट क्षेत्र से जुड़े पीएसयू ने कोयला खनन के दौरान निकले अनुपयोगी पदार्थों से रेत को अलग करना शुरू कर दिया है। इस पहल से न केवल रेत की गाद के कारण पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में मदद करेगी बल्कि नदी की पर्यावरण प्रणाली में भी सुधार होगा। कोयला और लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू, नदी की रेत की तुलना में कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली औद्योगिक-ग्रेड निर्मित रेत की आपूर्ति कर रहे हैं। वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड वर्तमान में खनन की प्रक्रिया में निकले अनुपयोगी पदार्थों से रेत के दो संयंत्रों का संचालन कर रहा है और उसने 55719.92 एम3 चट्टानों का पुनसंर्साधन करके 22287.97 एम3 रेत का उत्पा दन किया है। कोयला क्षेत्र में, अब तक, छह अनुपयोगी पदार्थों-से-रेत प्रसंस्करण संयंत्र चालू हैं, और अनेक चालू होने वाले हैं।

ऊर्जा संसाधनों का कुशल उपयोग और उनका संरक्षण अत्यधिक महत्व रखता है, क्योंकि खपत स्तर पर बचाई गई ऊर्जा की एक इकाई अंततः कार्बन फुटप्रिंट के बराबर कमी में तब्दील हो जाती है। कोयला व लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू विभिन्न ऊर्जा संरक्षण और दक्षता उपाय कर रहे हैं, जैसे कि एलईडी लाइट्स, ऊर्जा दक्ष एसी, इलेक्ट्रिक वाहन, डीसी सुपर पंखे, दक्ष वॉटर हीटर, स्ट्रीट लाइट में ऑटो टाइमर, कैपेसिटर बैंक और छत पर सौर परियोजनाओं का वितरण और उन्हीं स्थापित करना। सीआईएल ने अपने सभी कार्यालयों में पारंपरिक प्रकाश व्यवस्था को शत-प्रतिशत बदलकर एलईडी रोशनी का उपयोग सफलतापूर्वक शुरू कर दिया है।

कोयला खनन से जुड़ी धारणाओं को दूर करते हुए, कोयला और लिग्नाइट से जुड़े पीएसयू न केवल कोयला खनन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण का पालन कर रहे हैं, बल्कि कोयला खनन के लिए दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल कार्य प्रणालियों को अपना रहे हैं ताकि पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों को कम किया जा सके और उन्हें घटाया जा सके।

भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानने वालों पर एजेंसियों की कार्रवाई का स्वागत कर रही है जनता

देश में सर्वाधिक भ्रष्टाचार राजनीतिक दलों में ही व्याप्त रहा है, इसलिये अब तक केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाईयां उन पर प्रभावी नहीं हो पा रही थीं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता हासिल करते ही भ्रष्टाचार के खिलाफ कमर कसी है, जिसका असर देखने को मिल रहा है। भले ही इन दिनों हो रही केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को राजनीतिक प्रेरित बताया जाये, लेकिन इसे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की दिशा में एक कारगर एवं प्रभावी कदम कहा जायेगा। दिल्ली में आम आदमी पार्टी हो या कांग्रेस या अन्य राजनीतिक दल, जब-जब उनके भ्रष्टाचार उजागर हुए, केन्द्रीय एजेंसियों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की, उसे डराने का हथकंडा कहा गया हो या राजनीति से प्रेरित, जनता ने एजेंसियों का स्वागत ही किया है। भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानने की मानसिकता से उबरना ही होगा। इन दिनों छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लगभग एक दर्जन नेताओं के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापों की कार्रवाई चल रही है।

ललित गर्ग
लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है

केंद्रीय एजेंसियां-ईडी, सीबीआई अथवा आयकर विभाग इन दिनों राजनीतिक दलों एवं नेताओं पर कार्रवाई करती हुई नजर आ रही हैं, आजादी के बाद से भ्रष्टाचार एवं घोटालों पर नियंत्रण के लिये आवाज उठती रही है, इसके लिये आन्दोलन एवं अनशन भी होते रहे हैं, लेकिन सबसे प्रभावी तरीका केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई एवं न्यायालयों की सख्ती ही है, जो भ्रष्टाचारियों पर सीधा हमला करती हैं। देश में सर्वाधिक भ्रष्टाचार राजनीतिक दलों में ही व्याप्त रहा है, इसलिये अब तक केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाईयां उन पर प्रभावी नहीं हो पा रही थीं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता हासिल करते ही भ्रष्टाचार के खिलाफ कमर कसी है, जिसका असर देखने को मिल रहा है। भले ही इन दिनों हो रही केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को राजनीतिक प्रेरित बताया जाये, लेकिन इसे भ्रष्टाचार को समाप्त करने की दिशा में एक कारगर एवं प्रभावी कदम कहा जायेगा। दिल्ली में आम आदमी पार्टी हो या कांग्रेस या अन्य राजनीतिक दल, जब-जब उनके भ्रष्टाचार उजागर हुए, केन्द्रीय एजेंसियों ने उनके खिलाफ कार्रवाई की, उसे डराने का हथकंडा कहा गया हो या राजनीति से प्रेरित, जनता ने एजेंसियों का स्वागत ही किया है। भ्रष्टाचार को शिष्टाचार मानने की मानसिकता से उबरना ही होगा।

इन दिनों छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के लगभग एक दर्जन नेताओं के ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के छापों की कार्रवाई चल रही है। इससे कांग्रेस में बौखलाहट देखने को मिल रही है, पार्टी के नेताओं का कहना है कि इस तरह के हथकंडों से डराया नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि राजनीतिक दलों का सर्वोच्च नेतृत्व अपने नेताओं के भ्रष्ट कारनामों पर खुद सख्त क्यों नहीं होता? क्यों भ्रष्टाचार पर ये दल संरक्षण की मुद्रा में दिखाई देते हैं? चूंकि ईडी की यह कार्रवाई राज्य में कांग्रेस के अधिवेशन के पहले हुई, इसलिए उसके कुछ ज्यादा ही राजनीतिक मायने देखे जा रहे हैं। वैसे यह अधिवेशन न होता तो भी यह तय था कि कांग्रेस की ओर से ईडी को कोसा जाता और यह आरोप लगाया जाता कि केंद्रीय एजेंसियों का अनुचित इस्तेमाल किया जा रहा है। वास्तव में यह वह आरोप है, जो हर उस राजनीतिक दल की ओर से उछाला जाता है जिसके नेता ईडी, सीबीआई अथवा आयकर विभाग की जांच के दायरे में आते हैं। छत्तीसगढ़ में जो छापेमारी हुई, वह अवैध कोयला खनन के मामले में हुई, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों समेत नौ लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पता नहीं इस घोटाले का सच क्या है, लेकिन आज कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि राज्यों में राजनीतिक और प्रशासनिक स्तर के भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है।

नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार की आए दिन आने वाली खबरें यही बताती हैं कि केंद्रीय एजेंसियां डाल-डाल हैं तो भ्रष्टता का जाल पात-पात। विडम्बना तो यह है कि नेतृत्व करने वाली ताकतें भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। लेकिन आज भ्रष्टाचार के खिलाफ देश में जो माहौल बना है, वह निश्चय ही बहुत बड़ी बात है और एक शुभ संकेत है। हमें इस मौके को बर्बाद नहीं करना चाहिए। निश्चित ही भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई का जो केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई का तरीका अपनाया जा रहा है, वह सही तरीका है। पूर्व में कुछ लोग अनशन और भूख हड़ताल को इसके खिलाफ लड़ाई का हथियार बनाते रहे हैं। मेरा मानना है कि यह गलत तरीका है। अनशन में मुद्दा पीछे छूट जाता है और अनशन करने वाले आदमी पर सारा ध्यान केंद्रित हो जाता है। मुद्दे को पीछे छोड़कर हम कुछ हासिल नहीं कर सकते। तमाम कोशिशों के बावजूद भ्रष्टाचार और घोटालों का घटाटोप मौसम है, ऐसा कुछ भी कह पाना भले मुश्किल हो, जो भारत या इसके लोगों की जिंदगी पर उजली रोशनी डालता हो। भारत अपनी दुश्वारियों में लस्त-पस्त उस मध्ययुगीन योद्धा की तरह दिखता है, जो जंग के मैदान में आहें भर रहा है। कोई नहीं जानता, किसके दामन में कितने दाग हैं? कोई ऐसा नहीं जिस पर यकीन किया जा सके, धरती का कोई कोना नहीं, जिसके नीचे दबा कोई घोटाला खुदाई का इंतजार न कर रहा हो। लेकिन यही मौके होते हैं, जब किसी देश के सच्चे चरित्र का पता चलता है। आगे-पीछे फैशन के तहत हजारों जुमलों में किसी समाज को बहलाया जा सकता है, लेकिन बुरे वक्त में नहीं। भारत के चरित्र को परखने का भी यही समय है और मैं समझता हूं, इस पड़ताल की शुरूआत उन गलतफहमियों को उघाड़े जाने से होनी चाहिए, जो राजनीतिक दलों ने खुद के बारे में पाल रखी हैं। केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर भले ही यह वातावरण बनाया जाए कि उनका राजनीतिक उपयोग किया जा रहा है, लेकिन आम जनता पर उसका असर मुश्किल से ही पड़ता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जनता इससे अच्छी तरह परिचित है कि नेताओं और नौकरशाहों के बीच भ्रष्टाचार की क्या स्थिति है?

राजनीतिक दल कुछ भी कहें, केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी के दौरान नेताओं और नौकरशाहों के यहां अकूत संपदा मिलने के प्रसंग त्रासद ही कहे जा सकते हैं। निश्चित रूप से भ्रष्ट तत्वों के खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए, लेकिन वह केवल छापेमारी तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। यह ठीक नहीं कि केंद्रीय एजेंसियां जिस तत्परता से भ्रष्ट तत्वों के यहां छापेमारी करती हैं, वह आगे नहीं बढ़कर निस्तेज हो जाती है। प्रायः घपले-घोटालों की जांच इतनी लंबी खिंचती है कि लोगों की संबंधित मामले में रुचि नहीं रह जाती। इसका कोई औचित्य नहीं कि भ्रष्ट तत्वों को सजा मिलने में जरूरत से ज्यादा देर हो। फिलहाल ऐसी ही स्थिति है। इसी कारण न तो भ्रष्ट तत्वों के दुस्साहस का दमन हो पा रहा है और न ही राजनीतिक एवं प्रशासनिक स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार में कोई कमी आती दिख रही है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की पूर्व रपट के अनुसार एशिया में सबसे अधिक भ्रष्टाचार यदि कहीं है तो वह भारत में है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को इससे गंदा प्रमाण पत्र क्या मिल सकता है? इसका अर्थ क्या हुआ? क्या यह नहीं कि भारत में लोकतंत्र या लोकशाही नहीं, नेताशाही और नौकरशाही है?

क्या रायपुर से कांग्रेस को 2024 का चुनावी रोडमेप मिलेगा?

शकील अख़्तर

छापों से कांग्रेस का क्या बिगड़ेगा? अंग्रेजों ने भी ऐसे छापे मारे थे। क्या हुआ? 1942 में भी कांग्रेस का प्लेनरी (महाधिवेशन) मुबंई में था। अंग्रेज सरकार ने भी तब छापे मारे। महात्मा गांधी कोगिरफ्तार कर लिया। मगर भारत छोड़ो सफल रहा। कांग्रेस के इसी महाधिवेशनमें 8 अगस्त 1942 को अंग्रेजों भारत छोड़ो प्रस्ताव पारित हुआ था। अब रायपुर में महाधिवेशन है। 24-25-26 फरवरी को। मगर उससे पहले वहांकांग्रेस नेताओं के यहां छापे मारे जा रहे हैं। भाजपा कहती है 70 साल मेंक्या किया? और क्या किया यह तो कांग्रेस बताए। मगर एक पत्रकार यह जरूरबता सकता है कि इन 70 सालों में कभी भाजपा के किसी अधिवेशन, कार्यक्रम सेपहले छापे नहीं मारे गए। भाजपा सरकार इस तरह रिएक्ट क्यों कर रही है पता नहीं। मगर यह रिएक्शनजैसा लगता है, असुरक्षा की भावना से उपजा हुआ है। कैसी असुरक्षा? कांग्रेसने तो ऐसा कोई पहाड़ तोड़ा नहीं है। एक यात्रा जरूर की और वह बहुत सफलभी रही। मगर खुद कांग्रेस ही यह बार बार कहकर कि यात्रा राजनीतिक नहीं थीउसका कोई असर होने नहीं दे रही है। यात्रा विपक्षी एकता के लिए नहीं थी।यात्रा चुनाव जीतने के लिए नहीं थीं। यात्रा इसके लिए नहीं थी, उसके लिएनहीं थी। रोज कुछ ना कुछ कहती रहती है। जब खुद कांग्रेस अपनी यात्रा को लेकर कन्फ्यूज है तो भाजपा को चिंता क्यों?

यह राहुल, कांग्रेस, जनता सबके लिए खतरनाक बात है। लोकतंत्र में कुछ भीराजनीति से इतर नहीं होता है। लोकतंत्र का मतलब ही होता है जनता की भलाईका शासन। और उसे देने के लिए चुनाव जीतना पड़ते हैं। लेकिन कांग्रेस कोएक नई बीमारी लग गई है गुड़ खाएं गुलगुलों से परहेज। राजनीतिक दल हैं।उसके नेताओं, कार्यकताओं ने ही जनता के समर्थन से यात्रा सफल की। मगरएक आदर्श छवि बनाने के लिए कहा जा रहा है कि इसका राजनीति से चुनाव सेमतलब नहीं। अगर यही बात सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद कहतींजो वे अपनी मर्जी के खिलाफ बनीं थी तो क्या 2004 में वाजपेयी जैसेशक्तिशाली नेता को हरा सकती थी?। उन्होंने चुनाव जीता और वह क्रान्तिकारीकाम किए जो भारत के 75 साल के इतिहास के दस बारह प्रमुख कामों में शामिल हैं। महिला रिजर्वेशन बिल राज्यसभा में पास करवाना, मनरेगा लाकर गांवों मेंआर्थिक खुशहाली लाना, किसानों की कर्ज माफी से उन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी कीकर्ज दासता से मुक्ति दिलाने की राह खोलना। फैसले और भी हैं। आरटीआई, फूडसिक्योरटी। मगर उन सबको बताना उद्देश्य नहीं है बल्कि य

यूपी बजट 2023: योगी सरकार ने पेश किया भारी-भरकम बजट, पढ़ें बजट से जुड़ी बड़ी घोषणाएं

लखनऊ, एजेंसी

योगी सरकार 2.0 ने बुधवार को अपनी सरकार का दूसरा बजट पेश किया। बजट का आकार छह लाख 90 हजार दो सौ 42 करोड़ 43 लाख रुपये है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बजट का आकार हमारे कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रमाण है। बीते वर्ष जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया गया फिर भी राजस्व की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा जनता को महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल-डीजल पर वैट कम किया है। प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश किया गया है। यही कारण है कि आने वाले समय में 21 एयरपोर्ट वाला यूपी देश का पहला राज्य होगा।

यहां पढ़ें बजट से जुड़ी बड़ी घोषणाएं...

- प्रदेश के छात्र-छात्राओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन के लिए 3600 करोड़ रुपये देने का एलान किया गया है।
- वाराणसी-गोरखपुर में मेट्रो के लिए 100 करोड़ रुपये का एलान।
- झांसी-चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए 235 करोड़ रुपये का एलान।
- स्वास्थ्य व्यवस्था पर 12,650 करोड़ रुपये खर्च का एलान।
- प्रदेश में फार्मा पार्कों की स्थापना के लिए 25 करोड़ रुपये देने का एलान।
- प्रदेश के सभी जिलों में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना करने के उद्देश्य के तहत 14 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे।
- लखनऊ विकास क्षेत्र तथा प्रदेश के समस्त विकास प्राधिकरणों के विकास क्षेत्र तथा नगर क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं का विकास तथा वाराणसी एवं अन्य शहरों में रोप-वे सेवा विकसित किये जाने हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- कानपुर मेट्रो रेल परियोजना हेतु वित्तीय वर्ष 2023-2024 में 585 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- आगरा मेट्रो रेल परियोजना हेतु 465 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- दिल्ली-गाजियाबाद मेरठ कॉरिडोर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वित्तीय वर्ष 2023-2024 में 1306 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- वाराणसी, गोरखपुर व अन्य शहरों में मेट्रो रेल परियोजना के कियान्वयन हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।

- मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन योजना हेतु 3,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- गोरखपुर नगर स्थित गोडधोड्या नाला एवं रामगढ़ ताल के जीर्णोद्धार तथा इंटरसेप्शन, डाइवर्जन एवं ट्रीटमेंट सम्बन्धी परियोजना हेतु भूमि अधिग्रहण के लिए 650 करोड़ 10 लाख रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।
- उत्तर प्रदेश के कृषकों की दुर्घटनावश मृत्यु व दिव्यांगता की स्थिति में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना 14 सितम्बर, 2019 से लागू है। इस योजना के अन्तर्गत कृषक की परिभाषा का विस्तार किया गया है। योजना के अन्तर्गत दुर्घटनावश मृत्यु व दिव्यांगता की दशा में अधिकतम 5 लाख रुपये दिये जाने का प्रावधान है। योजना हेतु 750 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था की गई है।
- निर्माण श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा हेतु प्रत्येक राजस्व मण्डल में 1000 बालक व बालिकाओं के लिये कक्षा 06 से कक्षा-12 तक अध्ययन हेतु अटल आवासीय विद्यालय निमार्णाधीन हैं। इन विद्यालयों का संचालन आगामी सत्र 2023 2024 से प्रारम्भ किया जाना है। अवशेष निर्माण कार्य हेतु 63 करोड़ रुपये तथा उपकरण आदि के क्रय हेतु लगभग 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।
- मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना के अन्तर्गत पंजीकृत महिला श्रमिक के संस्थागत प्रसव की दशा में निर्धारित तीन माह के न्यूनतम वेतन के समतुल्य धनराशि एवं रुपये 1000 को चिकित्सा बोनस तथा पंजीकृत पुरूष कामगारों की पत्नियों को रुपये 6000 एकमुश्त में दिये जाने का प्रावधान है।
- अधिकतम दो नवजात शिशुओं के पोष्टिक आहार हेतु लड़का पैदा होने पर एकमुश्त रुपये 20,000 तथा लड़की पैदा होने की स्थिति में रुपये 25,000 बतौर सावधि जमा जो 18 वर्ष के लिए होगा, भुगतान किया जायेगा।
- जन्म से दिव्यांग बालिकाओं को रुपये 50,000 बतौर सावधि जमा जो 18 वर्ष के लिए होगा, भुगतान किये जाने का प्रावधान है।

इसी तरह बौद्ध परिपथ के समेकित पर्यटन विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 40 करोड़ रुपए, बुन्देलखण्ड का समेकित पर्यटन विकास हेतु 40 करोड़ रुपये, शुकतीर्थ धाम का समेकित पर्यटन विकास हेतु 10 करोड़ रुपये, प्रदेश में युवा पर्यटन को बढ़ावा देना हेतु 2 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म, लखनऊ बोर्ड की स्थापना हेतु 2.50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

खेलो इंण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिये 30 करोड़ रुपये व प्रदेश में निजी सहभागिता से खेल अवस्थापनाओं के निर्माण हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार योजना हेतु 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। खेल विकास कोष की स्थापना हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। मेरठ में मेजर ध्यान चन्द्र खेल विश्वविद्यालय की स्थापना किये जाने के लिए 300 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

महिलाओं, युवाओं और किसानों पर फोकस है बजट, किसी ने सराहा तो किसी ने बताया चुनावी बजट

योगी सरकार 2.0 का बजट सोमवार को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पेश किया। अब तक के सबसे अधिक पेपरलेस बजट में वित्त मंत्री ने कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। खासकर युवाओं, महिलाओं और किसानों पर बजट में सबसे अधिक फोकस रहा। बजट को अमर उजाला ने लोगों से बातचीत की। जिसमें लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया सामने आई। ज्यादातर लोगों ने इसे लोक कल्याणकारी बजट बताते हुए सबके हितों का ध्यान रखने वाला बजट बताया। परवारपुर निवासी मनमोहन सिंह ने बजट की प्रशंसा करते हुए कहा कि बजट में युवाओं और महिलाओं के लिए काफी कुछ हैं। खासकर विद्यार्थियों के तकनीकी दक्षता को स्मार्ट फोन व टैबलेट के ऐलान के साथ मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय के लिए पचास करोड़ का प्रावधान किये जाने की प्रशंसा की। वहीं केएनपीजी कॉलेज के विश्वविद्यालय की श्रेणी में शामिल न होने पर मायूसी जतायी। ज्ञानपुर के किराना व्यापारी शिवम गुप्ता ने भी युवाओं के रोजगार के लिए किये गए प्रावधानों की प्रशंसा करते हुए इसे सर्वकल्याणकारी बजट बताया। ज्ञानपुर निवासी शिवशंकर मौर्य एडवोकेट ने इसे चुनाव से प्रेरित बजट बताया और कहा कि इसमें व्यापारियों और मध्यम वर्ग की अनदेखी की गई है। वहीं युवाओं के लिए भी कुछ खास नहीं दिया गया है।

पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में फायरिंग, गोली लगने से तीन की मौत, चार घायल

बदायूं के जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव आरिफपुर भक्ता नगला में बुधवार दोपहर पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में जमकर गोलीबारी हो गई, जिसमें एक पक्ष के एक और दूसरे पक्ष के दो लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि गांव के अमर सिंह और महिपाल के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। दोपहर के समय दोनों ही पक्ष खेत पर मौजूद थे। इसी दौरान उनके बीच गाली-गलौज के बाद फायरिंग हो गई। दोनों ओर से चली गोली में अमर सिंह का भाई 30 वर्षीय रेशम पाल, महिपाल का बेटा 15 वर्षीय जयप्रकाश, उसका भतीजा 22 वर्षीय सत्येंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। तो वहीं इस गोलीबारी में अमर सिंह, उसका भाई 25 वर्षीय राधेश्याम, महिपाल और महिपाल का भतीजा 24 वर्षीय हरिओम घायल हो गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी देहात अजय प्रताप और सीओ मौके पर पहुंच गए हैं। एसएसपी डॉक्टर ओपी सिंह घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं।

यूपी बजट पर शिवपाल यादव ने कसा तंज, कहा-आज का बजट नौकरशाही के नाम...

पूर्व मंत्री व समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल यादव ने योगी सरकार 2.0 के दूसरे बजट पर प्रतिक्रिया दी है। सपा नेता शिवपाल सिंह ने योगी सरकार पर निशाना साधते हुए दो ट्वीट किए हैं। शिवपाल ने कहा कि आज का बजट नौकरशाही के नाम, आंकड़ों की बाजीगरी को सलाम!। वहीं, दूसरे ट्वीट में शिवपाल सिंह ने बजट मुकम्मल छलावा बताया है। शिवपाल सिंह ने अपने दूसरे ट्वीट में लिखा ह्यएक बार फिर यह बजट मुकम्मल छलावा होगा। आप को बता दें, विधानसभा बजट सत्र के दौरान सपा कई विधायक सदन में शेरवानी पहने नजर आये थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी काली शेरवानी पहनकर सदन पहुंचे थे। अब बजट को लेकर सपा नेताओं की प्रक्रिया आना शुरू हो गईं हैं।

एक शाम जावेद अकरम के नाम, शायरों ने पेशा किया कलाम

प्रात: किरण संवादाता

अमरोहा। नुदरत नवाज दरबारे अदब की जानिब से एक शाम जावेद अकरम के नाम से एवाने अंदाज ऑडिटोरियम मुहल्ला बगला में मुनाकिद हुआ।जिसमें बैरूनी शायरों के अलावा मकामी शाइरों ने अपने अपने कलाम पेश किये।महफिल की सदारत जुनैद अकरम फारूकी एवं निजामत अंदाज अमरोहवी ने की। जावेद अकरम को यादगारी निशान शाल और फूल माला पहना कर स्वागत किया गया। शायरों ने बेहतरीन कलाम पेश कर खूब दाद लूटी।जुनैद अकरम ने कहा सवाल करती हुई आंखें खुशनुमा थी बोहोत,के लाजवाब हुए हम जवाब होते हुए।नुदरत नवाज ने कहा आदमी,आदमी है चाँद नही,शेर झुटे सुना रहे हो तुम जावेद अकरम ने कहा एक ख्वाब था उस ख्वाब से बाहर निकल आये,हम हलका ए एहबाब से बाहर निकल आये। स0 शीबान कादरी ने कहा नजरें तकल्लुफात की हद से नही बढ़ी,अच्छा हुआ जो आप भी मगरूर हो गए।अंदाज अमरोहवी ने कहा दिल हवाओं का रखना पड़ा,शाख बन कर लचकना पड़ा।अनीस अमरोहवी ने कहा रुत जो बदली तो परिंदो ने ठिकाना बदला,हम नहीं बदले बदलने को जमाना बदला। एजाज मुरादाबादी ने कहा आह करता हूं तो यादों का शजर जलता है,शेर लिखता हूं तो कागज का जिगर जलता है। डॉ0 नासिर अमरोहवी ने कहातअल्लुक खत्म होने जा रहा है,तुम्हारी शक्ल धुंदली हो रही है। नाजिश मुस्तफा ने कहा क्या उन को बताना है मेरी जान बता दे,ये लोग तेरे बारे में कुछ पूछ रहे है। मेहरबान अमरोहवी ने कहा मानता हूँ तू मेरा हो नही सकता लेकिन,अपनी उल्फत का मुझे वहमो गुमाँ रहने दे।ताजदार अहमद ने कहा तिलावत इसकी नहीं है काफी हिदायतों की किताब है यह। तुझे जो आखिर अता हुआ है यही है बेशक निसाब तेरा।फैज आलम ने कहा ध्यान से सुन रहे हैं सब मुझको,मेरे होठों पे शेर ए उर्दू है। इनके अलावा हसन काजिम,माइल अमरोहवी,इकरार सैफी,सुल्तान मंसूरी,मकरिम अली, गुलरेज अब्बासी,अमजद अमरोहवी,मैराज अमरोहवी,जैद अमरोहवी ने अपने अपने कलाम से सबको लुत्फनदोज किया।महफिल के इख्तेताम पर कन्वीनर अंदाज अमरोहवी ने सभी आने वालों का शुक्रिया अदा किया।

दीवार से लटका मिला दुकानदार का शव, फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य

प्रात: किरण संवाददाता

नौगांवा सादात। थाना इलाके के बादशाहपुर में स्टेशनरी दुकानदार का शव दुकान की दीवार के सहारे रस्सी से लटका मिला। राहगीरों ने जब शव को देखा तो पुलिस को सूचना दी। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। शव लटका मिलने की सूचना से आसपास के इलाके में भी हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। साथ ही फोरेंसिक टीम ने भी मौके से अहम साक्ष्य एकत्र किए है। जानकारी के मुताबिक नौगांवा सादात थाना इलाके के गांव बादशाहपुर निवासी 60 वर्षीय जयप्रकाश चौहान गांव के बाहर अमरोहा रोड पर स्टेशनरी की दुकान चलाते थे। आज उनका शव राहगीरों ने दुकान के पीछे की दीवार पर रस्सी के सहारे लटका देखा। जिसके बाद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने शव को रस्सी से उतरवाया और कब्जे में लिया।इस मामले में प्रभारी निरीक्षक संतकुमार ने कहा कि अभी तक जांच में आत्महत्या किए जाने की बात सामने आई है। साथ ही फोरेंसिक टीम ने भी मौके से कुछ सबूत इकट्ठा किए है। ग्रामीणों की माने तो मृतक मानसिक रूप से परेशान रहता था। उसने अपनी जमीन भी बेच दी थी। इतना ही नहीं वह परिवार से भी अलग ही रहता था। शव का पीएम कराया जा रहा है।

54000 गर्भवती महिलाओं को मिला पीएम मातृ वंदना योजना का लाभ

प्रात: किरण संवादाता

- पहली बार गर्भवती होने पर तीन किस्तों में मिलते हैं 5000 रुपए
- जानकारी: गर्भधारण कराने पर जरूरी कागजात देकर कराएं पंजीकरण

अमरोहा।हैबतपुर निवासी फूलजहां को पहली संतान के वक्त प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के नाम पर पांच हजार रुपए मिले। इस धन से उसको पोषण आहार खाने में मदद मिली।फूलजहां के मुताबिक यह योजना गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत लाभदायक है। जनपद में फूलजहां अकेली नहीं हैं जिन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत लाभ मिला है।जनपद में 54 महिलाओं को अभी तक इस योजना के अंतर्गत पांच हजार रुपए की धनराशि मिली है जिसका उपयोग उन्होंने गर्भावस्था के दौरान पोषण आहार खाने में किया है।अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार की ओर से 2017 में शुरू हुई इस योजना के तहत पहली बार गर्भवती होने वाली महिला को तीन किस्तों में पांच हजार रुपए दिए जाते हैं। इसके लिए पंजिकरण करना पड़ता है। रजिस्ट्रेशन होते ही लाभार्थी को एक हजार रूपए की पहली किस्त सीधे उसके खाते में जाती है। दूसरी किस्त दो हजार रूपए की प्रसव पूर्व पहली जांच होने पर और दो हजार रूपए की तीसरी किस्त बच्चे के जन्म के बाद टीकाकरण का पहला चक्र पूरा होने के बाद दी जाती है।जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ अर्पित सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में वर्ष 2020 में 9,129 महिलाओं, वर्ष 2021 में 10,267, वर्ष 2022 में 10891 एवं वर्ष 2023 में अब तक 1790 महिलाओं को लाभ दिया जा चुका है।

मैस्को पब्लिक स्कूल में छात्राओं के नैतिक और सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए सेमिनार आयोजित

प्रात: किरण संवादाता

अमरोहा। मैस्को पब्लिक स्कूल में छात्राओं के नैतिक और सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए एक विशेष सेमिनार आयोजित किया गया।जिसका प्रारंभ कुमारी सना अम्बर के द्वारा कुरान की तिलावत से किया गया। जिसमें नाजिया मुजम्मिल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही।श्रीमती नाजिया मुजम्मिल ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा की हमें अपने सभ्य आचरण और शिष्टाचार से अपने घर और समाज में एक मिसाल बनानी चाहिए। मुख्य अतिथि ने शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए कहा कि यदि आप एक सफल छात्रा और एक सभ्य व्यक्ति बनना चाहते हैं। तो आपको अपने शिक्षकों और माता-पिता की बातों को ध्यान से सुनना चाहिए। मेहनत और संघर्ष के साथ अपनी शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। अरबी भाषा में एक कहावत है जिसका अनुवाद इस प्रकार है। जो मेहनत करता है उसे अपने श्रम का फल मिलता है। तभी हम एक सफल और समृद्ध राष्ट्र बन सकते हैं। उन्होंने कहा की हमे अपनी संगत पर भी बहुत ध्यान देना चाहिए।एक फारसी कहावत है जिसका अनुवाद इस प्रकार है। यदि आप अच्छे लोगों की संगति करते हैं। तो आप अच्छे कहलाएंगे, और यदि आप बुरे लोगों की संगति करते हैं, तो आप बुरे कहलाएँगे। मुख्य अतिथि ने कहा कि हमारे समाज में इस समय बहुत अधिक अनैतिकता फैली हुई है, इसे समाप्त करने के लिए महिलाओं को सभ्य कपड़े पहनने चाहिए।अंत में,अतिथि ने कहा कि हमें अपने बड़ों और छोटों के साथ एक निश्चित व्यवहार करना चाहिए। क्योंकि पवित्र पैगंबर (मोहम्मद साहब) ने कहा कि जो अपने से बड़ों और छोटों का अपमान करता है वह हम में से नहीं है। प्रधानाचार्या श्रीमती पूजा बुटटन ने छात्राओ को अच्छे आचरण और शिष्टाचार को अपने जीवन में ग्रहण करने को प्रोत्साहित किया। प्रबंधक डॉ० अशहर तौसीफ ने कहा की छात्राए विज्ञानं ,शिक्षा व प्रत्येक सामाजिक क्षेत्र में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिला कर चल रहीं हैं और बड़े बड़े पदों आसीन हैं और एक सभ्य समाज का निर्माण कर रही हैं। कार्यक्रम का समापन श्रीमती नाजिया मुजम्मिल के द्वारा दुआ से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की समस्त अध्यापिकाए उपस्थित रही।

उत्तर प्रदेश सरकार का बजट हर वर्ग की आकांक्षाओं पर खरा उतरने वाला: भाजपा

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पेश किये गये बजट को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)ने युवा, महिला, गरीब, किसान हर वर्ग की आकांक्षाओं पर खरा उतरने वाला बजट करार दिया है। वहीं, विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव के स्वार्थ के लिए वादों का पिटारा खोला गया है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने बुधवार को ट्वीट किया, ह्वअंत्योदय को समर्पित एवं उत्तर प्रदेश के समग्र विकास से समावेषित यह बजट निःसंदेह गरीब, किसान, महिला, युवा, समेत समाज के समस्त वर्ग की आकांक्षाओं एवं अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाला है। चौधरी ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यननाथ के नेतृत्व में यह बजट उत्तर प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने इसे आजादी के ह्यअमृत कालह्ल के प्रथम वर्ष में नए उत्तर प्रदेश की परिकल्पना को संकल्पित लोकहित एवं जनकल्याणकारी, उत्कृष्ट व अप्रत्याशित बजट बताते हुए आभार प्रकट किया। बजट को राज्यह की मुख्यर विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता अखिलेश यादव ने ह्यदिशाहीन और निराशाजनकह्ल करार देते हुए कहा है कि यह बजट न तो वर्तमान समस्याओं का समाधान पेश करता है और न ही भविष्य के किसी भी फैसले को आगे ले जाने का कोई रास्ता दिखाता है। वहीं बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्युमंत्री मायावती ने बुधवार को राज्यक सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए पेश किये गये बजट को ह्यऊंट के मुंह में जीराह्ल करार देते हुए इसे जनहित व जनकल्याण का कम एवं लोकसभा चुनाव स्वार्थ को लेकर पुनः वादों का पिटारा कहा है।

योगी सरकार ने मेडिकल सेक्टर पर खोला खजाना, दिया 20 हजार करोड़ से अधिक का तोहफा

लखनऊ, एजेंसी

मंजिलें लाख कठिन आयें, गुजर जाऊंगा। हौंसले हार के बैठूंगा तो मर जाऊंगा।। लाख रोकें ये अंधेरे, मेरा रास्ता लेकिन। मैं जिधर जाऊंगा रोशनी ले जाऊंगा।। इन पंक्तियों के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने मेडिकल सेक्टर का बजट पेश करते हुए कहा कि कोविड महामारी के दौरान सीएम योगी के मार्गदर्शन और जनता के सहयोग से प्रदेश इस कठिन काल खंड से बाहर आया। साथ ही उन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए तेज गति से स्वास्थ्य सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर नई दिशा दी गई, जिसकी चारो ओर सराहना भी की गई है। योगी सरकार प्रदेश में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को स्वास्थ्य की बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे में मेडिकल क्षेत्र को भारीभरकम 20 हजार करोड़ से अधिक का बजट जारी किया गया है, जिसमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य के लिए कुल 17 हजार 3 सौ 25 करोड़ और चिकित्सा शिक्षा के लिए 2 हजार 8 सौ 37 करोड़ 39 लाख की धनराशि जारी की गई है। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन को सबसे अधिक 12,631 करोड़ की धनराशि जारी वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि योगी सरकार का प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने पर खासा फोकस रहता है। ऐसे में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के तहत चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए सबसे अधिक 12 हजार 6 सौ 31 करोड़ की धनराशि जारी की गई है ताकि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके। इसी तरह प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना के लिए 1,655 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन योजना के तहत प्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में हेल्थ वेलनेस सेन्टर, क्रिटिकल केयर यूनिट, शहरों में इन्ट्रीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब की स्थापना, नेशनल सेन्टर फॉर डिजीजेज कन्ट्रोल के सुदृढ़ीकरण, हेल्थ इंफॉरमेशन के विस्तार के लिए पोर्टल की स्थापना, इमजरजेंसी आपरेशन सेन्टर एवं मोबाइल यूनिट हॉस्पिटल की स्थापना आदि कार्यों के लिए 1,547 करोड़ रुपये की धनराशि की व्यवस्था की गई है। 14 नये मेडिकल कॉलेज के लिए दिये 2491 करोड़ 39 लाख योगी सरकार ने अपने बजट में चिकित्सा शिक्षा को भी विशेष महत्व दिया है। योगी सरकार ने प्रदेश में एक जिला एक मेडिकल कॉलेज की योजना को और रफ्तार देने के लिए 14 नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना एवं संचालन के लिए 2491 करोड़ 39 लाख रुपये की व्यवस्था की गयी है। मालूम हो कि प्रदेश के 45 जिलों में मेडिकल कॉलेज चल रहे हैं जबकि 14 जनपदों में मेडिकल कॉलेज निमार्णाधीन हैं। वहीं 16 जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना पीपीपी मॉडल पर की जा रही है। 14 मण्डलीय कार्यालयों तथा प्रयोगशालाओं भवन निर्माण, मशीनों तथा उपकरणों के लिये 200 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। बजट में आयुष्मान भारत के तहत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के लिए 400 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की गई है। भारत सरकार द्वारा उप स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को क्रमबद्ध तरीके से क्रियाशील हेल्थ एण्ड वेलनेंस सेण्टर्स में परिवर्तित किया जा रहा है। ऐसे में कन्वर्जन ऑफ रूरल सब हेल्थ सेन्टर्स एण्ड पीएचसी टू हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर्स के लिए 15वें वित्त आयोग की सिफारिश के अनुरूप लगभग 407 करोड़ रुपये का व्यय किया जायेगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना को मिले 320 करोड़ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के लिए 320 करोड़, आयुष्मान भारत के तहत मुख्यमंत्री जन आरोग्य अभियान के लिए 250 करोड़, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उपकरण खरीदने के लिए 100 करोड़ की धनराशि जारी की है। वहीं प्राथमिक, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के कायाकल्प के लिए 15 करोड़ दिये हैं। असाध्य रोगों के इलाज के लिए 100 करोड़ आवंटित किए गए हैं। उत्तर प्रदेश इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल रिसर्च एंड डेवलपमेण्ट की स्थापना के लिए 20 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालयों में नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना के लिए 26 करोड़ दिये गये हैं।

उप्र बजट : बेटियों से लेकर निराश्रित महिलाओं तक के लिए धनराशि का प्रावधान

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में बेटियों से लेकर निराश्रित महिलाओं के लिए धनराशि का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्नाा ने बुधवार को विधानसभा में प्रस्तुहत किये गये बजट में बताया कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 1,050 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। वहीं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण के लिए 4032 करोड़ रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना के लिए 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। महिला सामर्थ्य योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में 63 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि स्व वित्त पोषित विद्यालयों में निर्धारित आय सीमा से कम आय वाले माता-पिता की दूसरी बच्ची की फीस प्रतिपूर्ति के लिए पांच करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है। सरकार ने उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना के अंतर्गत जघन्य हिंसा की शिकार महिलाओं, बालिकाओं को आर्थिक एवं चिकित्सीय सहायता के लिए वित्तीय वर्ष 2023-2024 में 56 करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था की है। खन्ना ने बजट भाषण में घोषणा की कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा स्थापित पुष्टाहार उत्पादन इकाइयों एवं नैफेड के माध्यम से टेक होम राशनह्व के रूप में छह माह से छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को अनुपूरक पुष्टाहार के वितरण की योजना को मूर्त रूप देने के लिए के बजट में 291 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के लिये आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा के लिए 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था इस बजट में की है।

उप्र के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा बजट पेश, किसानों, युवाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बुधवार को विधानसभा में 6 लाख 90 हजार 242 करोड़ 43 लाख रुपये का बजट पेश किया। प्रदेश के इतिहास में अब तक का यह सबसे बड़ा बजट है। इससे पहले 2022 में योगी सरकार का 6.15 लाख करोड़ का बजट पेश हुआ था।

बजट में जहां प्रदेश के सभी क्षेत्रों का ध्यान रखा गया है, वहीं सभी विभागों के साथ समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखा गया है। बजट में छात्रों, अधिवक्ताओं, किसानों, महिलाओं और व्यापारियों के लिए बड़े ऐलान किये गये हैं। बजट में पूर्वांचल के साथ-साथ धार्मिक पर्यटन को महत्व दिया गया है। बजट में वृद्धावस्था/ किसान पेंशन योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2023 2024 के बजट में 7248 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। असंगठित क्षेत्र के कर्मकारों हेतु संचालित मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री दुर्घटना बीमा योजना के लिए 12 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

झांसी लिंक एक्सप्रेस-वे तथा चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे की नई परियोजनाओं के प्रारम्भिक चरण हेतु 235 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे के साथ डिफेन्स कॉरीडोर परियोजना के लिए 550 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे के दोनों तरफ गोरखपुर में औद्योगिक गलियारा विकसित किये जाने हेतु 200 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

इसी तरह पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा उपलब्ध कराये जाने के लिए 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। नवसृजित पुलिस कमिश्नरेट के कार्यालय एवं अनावासीय भवनों के लिए 850 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों के संचालन हेतु 12,631 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री आत्मनिर्भर स्वस्थ भारत योजना हेतु 1,655 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

वित्त मंत्री ने बताया कि ग्रामीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए महिला सामर्थ्य योजना के अन्तर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गठन किया जाता है। योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2023-2024 के बजट में 83 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। प्रदेश में निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण अनुदान योजनान्तर्गत वर्तमान में 32 लाख 62 हजार निराश्रित महिलाओं को पेंशन दी जा रही है। सरकार द्वारा वर्ष 2023 2024 के बजट में 4032 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित है। स्वामी विवेकानन्द युवा सशक्तीकरण योजना के पात्र छात्र-छात्राओं को टैबलेट/ स्मार्टफोन देने हेतु वित्तीय वर्ष 2023-2024 के बजट में 3600 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है।

बजट भाषण करते हुए सुरेश खन्ना ने कहा कि वर्तमान सरकार के अब तक कार्यकाल में लगभग 21,696 किलोमीटर लम्बाई में ग्रामीण मार्गों का निर्माण तथा अब तक लगभग 18,407 किलोमीटर लम्बाई में मार्गों का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया गया। प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने एवं जन सामान्य को यातायात की सुविधा देने के उद्देश्य से अन्तरराष्ट्रीय/अन्तर्राज्यीय मार्गों का विकास, जिसके क्रम में 1024 किमी० लम्बाई की 87 सड़कों में से 75 सड़कों का निर्माण पूर्ण किया गया। वित्त मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री समग्र ग्राम विकास योजनान्तर्गत 181 राजस्व ग्रामों में सड़क निर्माण किया गया। सड़कों और सेतुओं के निर्माण हेतु 21159 करोड़ 62 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

सड़कों और सेतुओं के अनुरक्षण के लिए 6209 करोड़ प्रस्तावित सड़कों और सेतुओं के अनुरक्षण हेतु 6209 करोड़ 50 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। कृषि विपणन सुविधाओं हेतु पुलों एवं सड़कों के कार्य के लिए 3473 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों हेतु 1525 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। रेलवे उपरिगामी सेतुओं के निर्माण हेतु 1700 करोड़ रुपये एवं अन्य सेतुओं हेतु 1850 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित हैं। राज्य राजमार्गों के चौड़ीकरण तथा नये कार्यों हेतु 2588 करोड़ 80 लाख रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। धर्मार्थ मार्गों के विकास हेतु 1000 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। राज्य सड़क निधि से सड़कों के अनुरक्षण हेतु 3000 करोड़ रुपये तथा निर्माण हेतु 2500 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। चीनी मिल परिक्षेत्र में कृषि विपणन सुविधाओं हेतु मार्गों को चौड़ीकरण एवं सदृढ़ीकरण व पुनर्निर्माण कार्यों हेतु 250 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

सरकार के पिछले कार्यकाल में 20 परियोजनाएं पूर्ण सुरेश खन्ना ने कहा कि हमारी सरकार के पिछले कार्यकाल में 20 परियोजनायें पूर्ण की गयीं। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से 21.42 लाख हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित हुई, जिससे 44 लाख 72 हजार कृषक लाभान्वित हो रहे हैं। मध्य गंगा परियोजना, कचनौदा बांध के अवशेष कार्यों की परियोजना, शहजाद बांध स्प्रिंकलर परियोजना, लखेरी बांध परियोजना आदि परियोजनाओं के पूर्ण होने से 1.62 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजित होगी, जिससे प्रदेश में 4.26 लाख कृषक लाभान्वित होंगे। राजकीय नलकूपों एवं लघु डाल नहरों से सम्बन्धित 08 परियोजनाओं को पूर्ण करते हुए लगभग 1,17,435 हेक्टेयर की सिंचन क्षमता की पुनर्स्थापना कर लगभग 83,055 कृषक परिवारों को लाभान्वित किया गया। प्रदेश के विभिन्न 62 जनपदों में 2100 नवीन राजकीय नलकूपों की निर्माण परियोजना (नाबार्ड पोषित) आगामी 02 वर्षों में परियोजना के समस्त कार्यों को पूर्ण करते हुए 1.05 हेक्टेयर सिंचन क्षमता के सृजन का लक्ष्य है, जिससे लगभग 01 लाख 03 हजार कृषक परिवार लाभान्वित होंगे। प्रदेश के विभिन्न 30 जनपदों के डार्क जोन में स्थित 569 असफल राजकीय नलकूपों की पुनर्निर्माण परियोजना आगामी 02 वर्षों में परियोजना के समस्त कार्यों को पूर्ण करते हुए 56. 90 हजार हेक्टेयर सिंचन क्षमता की पुनर्स्थापना का लक्ष्य है, जिससे लगभग 39,800 कृषक परिवार लाभान्वित होंगे।

कौमी चौपालों से मुस्लिम विरोधी छवि तोड़ने में जुटेगी भाजपा

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए मुस्लिम वोटों को रिझाने पर भाजपा जुटी है। विपक्ष द्वारा बनाई गई मुस्लिम विरोधी छवि को हटाने और सबका साथ सबका विकास के स्लोगन को कौमी चौपालों के माध्यम से मजबूत करने में पार्टी का पूरा फोकस है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो 2024 के लोकसभा चुनाव में यूपी से 75 प्लस सीटें जीतने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भाजपा ने अल्पसंख्यकों के बीच पसमांदा सम्मेलन के बाद कौमी चौपालों और सूफी सम्मेलन का खाका तैयार किया है। अल्पसंख्यक मोर्चा इस कार्यक्रम को जमीन में उतारने की पूरी तैयारी में जुट गया है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के महामंत्री और योगी सरकार के मंत्री दानिश आजाद ने बताया कि मुस्लिमों की तरक्की के लिए भाजपा लगातार काम कर रही है। समय समय पर उनको योजना से अवगत कराने के लिए सरकार प्रयास करती रहती है। इसी क्रम में यह कौमी चौपालें और सूफी सम्मेलन भी आयोजित हो रहे हैं। इन्हें मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। इसमें केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं से और अवगत कराया जाएगा। साथ उनकी तकलीफों को दूर किया जाएगा। यह ग्रामीण चौपाल की तरह ही आयोजित होंगी। उन्होंने बताया कि भाजपा ने सबका साथ सबका का विकास का सिर्फ नारा नहीं दिया है बल्कि इसे जमीन पर उतार दिया है। सरकार की हर योजना से अल्पसंख्यकों को बहुत फायदा हुआ है। उनके जीवन में खुशहाली आई है। उन्हें हर योजना में बराबर की हिस्सेदारी मिली है। विपक्ष द्वारा मुस्लिमों के बीच में हमारी पार्टी के लिए बनाई गई नकारात्मक तस्वीर भी अब साफ हो गई है। अब मुस्लिम भाई इन लोगों की वोट बैंक की राजनीति को समझ गए हैं। हालांकि इन चौपालों और सम्मेलन की अभी कोई तारीख तय नहीं हुई है। मोर्चे की तेजी से तैयारी हो रही है। इनमे पदाधिकारी के साथ एक मुस्लिम संत शामिल होने की संभावना है। इसके साथ लाभार्थियों से संपर्क करेंगे। सबसे बैठकर फीडबैक लिया जाएगा।

भाजपा मोर्चा की मानें तो यह चौपालें खासकर रामपुर, बहराइच, सहारनपुर, अलीगढ़, आजमगढ़, मुरादाबाद, संभल, बिजनौर, लखनऊ, अलीगढ़, मऊ, बाराबंकी समेत 30 जिलों मुस्लिम इलाकों और दरगाहों में आयोजित होंगी। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता हो सके। उधर, सपा प्रवक्ता डॉक्टर आशुतोष वर्मा ने कहा कि भाजपा अपने अंकगणित बचाने के प्रयास में है। जिस तरह के मानसिक प्रताड़ना अल्पसंख्यकों ने भाजपा द्वारा झेली है, वह इसे भूलने वाले नहीं है। अब जब भाजपा को पता है कि उन्हें किसी का साथ मिलने वाला नहीं तो ऐसे आयोजन करके महज एक कोरम पूरा कर रही है। हांथी के दांत दिखाने कुछ और खाने कुछ और यह नहीं चलेगा। राजनीतिक विश्लेषक अमोदकांत मिश्रा कहते हैं कि यूपी में तकरीबन 20 फीसद मुस्लिम हैं। कुछ सीटों पर तो यही हार जीत तय करता है। भाजपा इस बात को जानती है। इसीलिए इनके बीच राष्ट्रीय कार्यकारिणी में फैसले के बाद तेजी से काम करना शुरू किया है। राजनीतिक दलों के आंकड़ों की मानें तो प्रदेश में करीब 20 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं और सूबे की कुल 143 सीटों पर मुस्लिम अपना असर रखते हैं। इनमें से 70 सीटों पर मुस्लिम आबादी 20-30 फीसदी के बीच है जबकि 73 सीटें ऐसी हैं जहां मुसलमान 30 प्रतिशत से ज्यादा हैं। प्रदेश में करीब तीन दर्जन ऐसी विधानसभा सीटें हैं, जहां मुस्लिम उम्मीदवार चुनाव जीतते रहे हैं और करीब 107 विधानसभा सीटें ऐसी हैं जहां मुस्लिम मतदाता चुनावी नतीजों को हमेशा प्रभावित करते हैं।

मुठभेड में पुलिस ने तीन चोर किये गिरफ्तार

चांदपुर। थाना चांदपुर पुलिस द्वारा हिस्ट्रीशीटर सहित तीन शातिर चोर, चोरी की 01 मोटरसाईकिल, व 23,210 रुपए तथा चोरी मे इस्तेमाल किये गये शब्बल एवं 02 चाकू नाजायज सहित गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रईस अहमद पुत्र हसीनुद्दीन निवासी मौ0 सराय रफी कस्बा व थाना चांदपुर द्वारा अपने घर में चोरी की घटना के सम्बन्ध मे थाना चांदपुर पर मु0अ0सं0 100/23 धारा 380 भादवि तथा बुधवार को वादी हमज मलिक पुत्र शमशेर खां निवासी ग्राम धूधली तबीबपुर थाना चांदपुर द्वारा अपनी मोटरसाइकिल चोरी की घटना के सम्बन्ध मे मु0अ0सं0 109/23 धारा 379 भादवि पंजीकृत किया गया। पुलिस अधीक्षक, जनपद बिजनौर द्वारा चोरी की उक्त घटनाओं के शीघ्र अनावरण हेतु थाना चांदपुर पुलिस को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक, ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी, चांदपुर के निकट पर्यवेक्षण मे बुधवार को समय करीब 7.30 बजे थाना चांदपुर पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर अभियुक्तगणों नौशाद पुत्र मौ0 आदाब निवासी ग्राम खारी थाना हल्दौर जनपद बिजनौर व शेरु उर्फ शेरमौहम्मद पुत्र रहीश अहमद निवासी मौ0 सराय रफी फीना बस्ती कस्बा व थाना चांदपुर जनपद बिजनौर तथा वसीम पुत्र रहीश निवासीगण नांगल थाना हीमपुर दीपा जनपद बिजनौर को फीना रोड पर ग्राम दहिरपुर की तरफ जाने वाले रास्तें से गिरफ्तार कर लिया गया तथा उनके पास से चोरी का सामान, अवैध हथियार व नकदी बरामद की गयी।

दो मामलों में युवक को पांच पांच साल की सजा हुई

स्योहारा। अपर जिला जज कोर्ट नम्बर 3 हनी गोयल ने पुलिस पर जानलेवा हमला करने के दो विभिन्न मामलों में पांच पांच साल कारावास की सजा सुनायी है जबकि अवैध हथियार रखने के मामले में चार वर्ष कारावास की सजा सुनायी गयी। अभियोजन पक्ष के अनुसार 22 सितम्बर 2017 को चांदपुर थाना प्रभारी निरीक्षक शैलेन्द्र कुमार गौतम पुलिस बल के साथ स्योहारा थानान्तर्गत ग्राम राणा नंगला निवासी आदित्य पुत्र राजपाल व मुरादाबाद जनपद के सिविल लाइंस थानान्तर्गत ग्राम काजीपुरा निवासी विशाल पुत्र कल्याण सिंह की तलाश में निकले थे। मुखबिर की सूचना पर उन्होंने ग्राम गोयली के पास स्थित एक मकान में दोनों के छिपे होने की सूचना मिली पुलिस ने उन्हें ललकारा तो उन्होंने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। दूसरा मामला मंडावर थाने से संबंधित है। मंडावर थानाध्यक्ष 23 अक्टूबर 2017 को पुलिस बल के साथ किरतपुर रोड पर ग्राम नंगला महेश्वरी की पुलिया पर वाहनों की चैकिंग कर रहे थे। तभी किरतपुर की तरफ से एक मोटर साइकिल पर तीन लोग आते दिखायी दिये पुलिस ने टोका तो इन लोगों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर कर दिया। जिससे पुलिस बाल बची। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। उसने अपना नाम स्योहारा थानान्तर्गत ग्राम चंचलपुर निवसी विशाल पुत्र कल्याण सिंह हाल निवासी ग्राम काशीपुरा मुरादाबाद बताया। उक्त दोनों मामलों में अपर जिला जज हनी गोयल ने अभियुक्त विशाल को पांच पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनायी।

बजट उत्तर प्रदेश को 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यावस्थात बनाने की नींव का पत्थेर: मुख्यशमंत्री

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ। उत्तार प्रदेश के मुख्यतमंत्री योगी आदित्यहनाथ ने बुधवार को विधानसभा में वित्तो वर्ष 2023-24 के लिये पेश बजट को राज्यश को 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यावस्थाव बनाने की नींव का पत्थलर करार देते हुए कहा कि उनकी सरकार जनता पर कोई नया कर लगाये बगैर वित्तीबय अनुशासन और प्रबंधन के बल पर बजट के आकार को बढ़ाने में सफल रही है। मुख्यहमंत्री ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना द्वारा विधानसभा में बजट पेश किए जाने के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह बजट उत्तर प्रदेश को देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करने के लिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप उत्तर प्रदेश को अगले पांच साल के अंदर 1,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिये नींव का पत्थर साबित होगा।

उन्होंरने कहा कि वर्ष 2016-17 में तत्का्लीन समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में प्रस्तुत बजट तीन लाख 40 हजार करोड़ रुपये का था। प्रदेश में भाजपा की सरकार आने के बाद पिछले छह वर्षों के दौरान बजट में दोगुनी से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान प्रदेश की प्रति व्यक्ति आय दोगुना से अधिक हो गई है। साथ ही प्रदेश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भी दोगुनी से ज्यादा वृद्धि हुई है। आदित्यानाथ ने कहा कि प्रदेश की जनता पर कोई अतिरिक्त कर लगाए बगैर अर्थव्यवस्था के दायरे को बढ़ाया गया है। इसके लिए कई कदम उठाने पड़े। वित्तीय अनुशासन का पूरा पालन किया गया है। राजकोषीय अनुशासन को बनाए रखा गया है। प्रदेश में राजकोषीय घाटे की निर्धारित सीमा को साढ़े तीन प्रतिशत से कम करके 3.24 प्रतिशत तक करने में हमें सफलता मिली है। उन्हौंने कहा कि प्रदेश में कर चोरी को रोका गया। वित्तीय अनुशासन और बेहतर वित्तीय प्रबंधन को प्रदेश में कैसे लागू किया जाए, इसमें शासन-प्रशासन स्तर पर और विभागीय स्तर पर काम हुआ जिसका नतीजा है कि जहां वर्ष 2016-17 में कर राजस्व सिर्फ 86 हजार करोड़ रुपये था, वह मार्च, 2023 में दो लाख 20 हजार करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। मुख्यरमंत्री ने कहा वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले हमारी पार्टी ने प्रदेश की जनता से लोक कल्याण संकल्पर पत्र में 130 वादे किए थे। आज यह बजट प्रस्तुत करने के साथ उनमें से 110 वादों को हम इसमें शामिल कर चुके हैं। पूरे बजट पर अगर आप ध्यान देंगे तो लगभग 64,000 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि लोक कल्याण संकल्प पत्र में घोषित संकल्पों के लिए समर्पित है। उन्होंरने कहा आज बजट भाषण में वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने भी कहा है कि वित्तर वर्ष 2016-1में प्रदेश में बेरोजगारी दर 17-18 प्रतिशत थी। आज यह मात्र चार प्रतिशत रह गई है। प्रदेश में नए रोजगार सृजित हुए हैं।

यूपी बजट में पुलिस विभाग का दिखा दबदबा, मिले 2260 करोड़

प्रात: किरण, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने वर्ष 2023-24 के बजट में कानून व्यवस्था को और मजबूत करने और उसके प्रभावी नियंत्रण के लिए 2260 करोड़ रुपये की धनराशि दी है। इससे जहां पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सरकारी आवास की सुविधा मिलेगी, वहीं विभिन्न जिलों के कमिश्नरेट कार्यालय अपनी भूमि पर संचालित होंगे।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि प्रदेश की 25 करोड़ आबादी को सुरक्षित माहौल देने, कानून व्यवस्था के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के साथ पुलिस व्यवस्था को और अधिक सक्षम एवं सुदृढ़ करना योगी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके साथ ही महिलाओं एवं समाज के कमजोर वर्गों के खिलाफ अपराधों को नियन्त्रित करने के लिए प्रभावी कार्यवाही करके उन्हे सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के प्रति योगी सरकार निरन्तर प्रयासरत है।

इसी के तहत प्रदेश के विभिन्न शहरों में लागू पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कार्यालय और कार्यालय से जुड़ी अन्य गतिविधियों के संचालन के लिए 850 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। इससे विभिन्न शहरों में लागू पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था को और रफ्तार मिलेगी। इस धनराशि से पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था वाले शहरों में पुलिस विभाग अपनी जमीन पर कार्यालय का निर्माण कर सकेंगे, जो विभिन्न शहरों में अभी किराये पर चल रहे हैं। वह अपनी आवश्यकताओं के अनुसार कार्यालय का निर्माण समेत अन्य सुविधाओं के लिए इस धनराशि का इस्तेमाल कर सकेंगे। सरकार ने वर्ष 2023-24 के बजट में सबसे बड़ी धनराशि पुलिस विभाग को आवासीय सुविधा के लिए दी है ताकि प्रदेश के विभिन्न शहरों में तैनात पुलिस विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को आवास के लिए इधर-उधर न भटकना पड़े। योगी सरकार ने पुलिस विभाग को आवासीय सुविधा के लिए एक हजार करोड़ रुपये की धनराशि दी है। इससे पुलिस विभाग विभिन्न शहरों में अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आधुनिक आवास का निर्माण कर सकेगा। वहीं शहरी क्षेत्रों में आवासीय सुविधा के लिए 400 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि प्रदेश में आपदाओं से निपटने वाली एसडीआरएफ (स्टेट डिजास्टर रिस्पांस फोर्स) को नये वाहनों की खरीद के लिए 10 करोड़ की धनराशि दी गई है ताकि वह और मजबूती से आपदा से निपट सके।

खन्ना ने बताया कि जनवरी 2022 से नवंबर तक वर्ष 2016 के सापेक्ष डकैती में 79.83 प्रतिशत, लूट में 63.49 प्रतिशत, हत्या में 33.89 प्रतिशत, बलवा में 53.22 प्रतिशत, चोरी में 17.22 प्रतिशत और फिरौती के लिए अपहरण में 44 प्रतिशत की कमी आयी है। उन्होंने कहा कि उक्त अवधि में महिलाओं के खिलाफ घटित अपराधों में दहेज मृत्यु में 15.81 प्रतिशत, बलात्कार में 21.24 प्रतिशत व अपहरण में 9.17 प्रतिशत की कमी आयी है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में एंटी भू-माफिया पोर्टल पर अवैध कब्जे से सम्बन्धित 3,41,236 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 3,39,552 शिकायतें निस्तारित की गईं। अभियान के अन्तर्गत कुल 68,841.03 हेक्टेयर क्षेत्रफल अवैध अतिक्रमण से अवमुक्त कराया गया है। 23,920 राजस्व वाद, 923 सिविल वाद एवं 4504 एफआईआर दर्ज करायी गयी हैं। 776 अतिक्रमणकताओं को भू-माफिया के रूप में चिन्हित किया गया है, वर्तमान में 189 भू-माफिया जेल में निरूद्ध हैं। खन्ना ने कहा कि साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए प्रदेश के प्रत्येक परिक्षेत्र में साइबर क्राइम पुलिस थाना की स्थापना की गयी है। प्रदेश के समस्त थानों में (1531) साइबर हेल्प डेस्क की स्थापना की गयी है। परिक्षेत्रीय मुख्यालयों पर बेसिक साइबर फॉरेंसिक लैब एवं पुलिस मुख्यालय पर एडवांस्ड डिजिटल साइबर फॉरेंसिक लैब की स्थापना करायी जा रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि कर्तव्य पालन के दौरान शहीद मृत पुलिस कर्मियों एवं उत्तर प्रदेश राज्य के मूल निवासी केन्द्रीय अर्ध सैन्य बलों/अन्य प्रदेशों के अर्ध सैन्य बलों अथवा भारतीय सेना में कार्यरत रहते हुये 73 शहीद/मृत कर्मियों के आश्रितों को 17 करोड़ 96 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गयी।

कार व बाइक की भिडंत में एक की मौत

मंड़ावली। बुधवार को नजीबाबाद से हरिद्वार जा रही मारुति कार नंबर न्ज्ञ 08 ।1670 के चालक द्वारा सामने से आ रही मोटरसाइकिल प्लैटिना नंबर न्च्20 ॅ 5143 में टक्कर मार दी। जिससे मोटरसाईकिल सवार टीकम पुत्र कलुआ सिंह सैनी निवासी ग्राम जटपुरा थाना नजीबाबाद जनपद बिजनौर की मौके पर मृत्यु हो गई। सूचना पर स्थानीय पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। गाडी चालक हिरासत में है।

मतस्य पालन क्षेत्र में हेमंत कुमार को किया गया सम्मानित

बिजनौर। मत्स्य पालन क्षेत्र में जिले में मत्स्य पालकों के लिए प्रेरणास्रोत बने जिला स्तरीय समिति के सदस्य ब्लॉक किरतपर के ग्राम पाडली के निवासी इंजीनियर हेमंत कुमार पूर्व रिलॉयंस प्रबंधक जो आकर्षित नोकरी छोड़ कर अपनी भूमि में मत्स्य पालन का कार्य कर रहे हैं, का जिलाधिकारी से परिचय कराया गया, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा उन्हें प्रोत्साहित करते हुए फूलमाला पहना कर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी श्री मिश्रा को हेमंत कुमार ने बताया कि उन्होंने स्वरोजगार के लिए नौकरी छोड़ी है और अपनी निजी 32 बीघा भूमि पर तालाब बना कर मत्स्य पालन का कार्य शुरू किया इसी के साथ उन्होंने एक बीघा भूमि पर एक्यूरम की तर्ज पर बॉयो फलॉक पोण्ड का निर्माण किया है, जो बिजनौर में पहली बार बनाया गया है। उन्होंने बताया कि मछली पालन से उन्हें गन्ना से दो गुनी अधिक आमदनी हो रही है और समय और मेहनत भी बहुत कम लग रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें मछली की मार्किटिंग के लिए बिजनौर से बाहर भी नहीं जाना पड़ता, तालाब पर ही खरीदार आकर स्वयं मछली पकड़ते है और कीमत अदा कर माल उठा कर ले जाते हैं। उन्होंने पूर्ण विश्वास के साथ कहा कि मत्स्य का उनका कारोबार रिलॉयंस कम्पनी के प्रबंधक के आर्कषक वेतन के मुकाबले में कहीं ज्यादा अधिक सम्मानजनक, लाभदायी और रोमांचक है। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने हेमंत कुमार को प्रोत्साहित करते हुए उनसे अनुरोध किया कि वे जिला बिजनौर को मत्स्य के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें और जिले में मत्स्य पालन के लिए इच्छुक लोगों को प्रोत्साहित एवं प्रशिक्षित करें और उन्हें अपने अनुभव एवं तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराएं, ताकि जिले में अधिक से अधिक मत्स्य पालन की यूनिट्स कायम हो सकें और बिजनौर को बाहर से मछली उपलब्ध कराने की आवश्यकता न पड़े बल्कि बिजनौर प्रदेश एवं अन्य जिलों में मछली की खपत का पूरक बनने में सहायक हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी पूर्ण बोरा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी संतोष कुमार, इंस्पेक्टर साजिद हुसैन के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

महिलाओं को पुलिस ने किया जागरूक

अफजलगढ। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

हैल्प डैस्क के प्रति चलाया अभियान

धामपुर। मुख्यमंत्री उ0प्र0 द्वारा नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलंबन के लिये चलाए जा रहे अभियान मिशन शक्ति के अन्तर्गत थाने पर गठित पुलिस टीम द्वार अपने थाना क्षेत्र में बालिकाओं व छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के संबन्ध में जागरूक किया गया तथा हेल्पलाईन नंबर 102, 108, 112, 181, 1076, 1098, 1090 की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सडकों पर तथा स्कूल व कॉलेजों के आसपास बेवजह घूम रहें मनचलों पर शिकंजा कसा गया।

पैदल जा रहे व्यापारी से हुई लूट, विरोध करने पर किया ब्लेड से हमला

मेरठ। अंजुम पैलेस के पास पैदल जा रहे व्यापारी पर युवकों ने हमला कर दिया। उससे नकदी और मोबाइल फोन लूट लिया। विरोध करने पर ब्लेड से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने जिला अस्पताल में उपचार कराया। पीड़ित ने तहरीर दे दी है। ब्रह्मपुरी थानाक्षेत्र का मामला, जिला अस्पताल में कराया उपचार लिसाड़ी गेट थानाक्षेत्र के तारापुरी निवासी आरिफ की इलेक्ट्रानिक की दुकान है। उसने बताया कि मंगलवार रात किसी काम से ब्रह्मपुरी क्षेत्र में अंजुम पैलेस गया था। आरोप है कि तीन युवकों ने उसे रोक लिया और लूटपाट करने लगे। विरोध करने पर दो बदमाशों ने पकड़ लिया, जबकि तीसरे में ब्लेड से वार कर दिया। आरोपित उससे 15 हजार रुपये और मोबाइल फोन लूटकर फरार हो गए। चीख-पुकार पर आसपास के लोग भी एकत्र हो गए थे। सूचना पर पहुंची ब्रह्मपुरी पुलिस ने घायल का जिला अस्पताल में उपचार कराया। तीन आरोपितों के खिलाफ दी तहरीर, पुलिस ने घर पर दी दबिश पीड़ित ने माधवपुरम निवासी शादाब, नईम और राजा के खिलाफ तहरीर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामला लेनदेन का लग रहा है। तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। पुलिस आरोपितों को पकड़ने के लिए उनके घर पर गई थी, लेकिन वह हाथ नहीं आए। जल्द ही उनको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

एकता कपूर हुई सुम्बुल की एक्टिंग से इम्प्रेस

स्टार प्लस के इमली सीरियल से घर-घर में मशहूर हुईं सुम्बुल तौकीर के करियर में बिग बॉस सीजन 16 ने चार चांद लगा दिए। 19 साल की सुम्बुल के टेलेंट ने तो लोगों को दीवाना बनाया ही, लेकिन इसी के साथ रियलिटी शो में उनके डांस और एक्टिंग से भी फैंस काफी इंप्रेस हुए।

टीवी क्वीन एकता कपूर सुम्बुल की एक्टिंग को देखकर इतनी ज्यादा इंप्रेस हुईं कि उन्होंने बातों ही बातों में ये क्लियर कर दिया कि वह उन्हें अपने शो में लेंगी। अब हाल ही में रिपोर्ट्स की मानें तो एकता कपूर के सबसे पॉपुलर शो में एक्ट्रेस नजर आने वाली हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सुम्बुल तौकीर खान जीटीवी पर एकता कपूर के पॉपुलर शो कुंडली भाग्य में नजर आने वाली हैं। मीडिया में छपी रिपोर्ट्स की मानें तो श्रद्धा आर्या और शक्ति अरोड़ा स्टारर इस शो में एक बड़ा लीप आने वाला है और इस लीप के बाद सुम्बुल तौकीर खान इस सुपरहिट शो में नज़र आएंगी। रिपोर्ट्स की मानें तो शो के मेकर्स ने सुम्बुल तौकीर खान से संपर्क किया है। हालांकि, एक्ट्रेस और मेकर्स दोनों की तरफ से ही इस पर कोई ऑफीशियल जानकारी सामने नहीं आई है। आपको बता दें कि एकता कपूर के इस टीवी शो की शुरुआत 12 जुलाई 2017 में हुई थी और तब से ये शो लगातार टीआरपी चार्ट में टॉप 5 शोज में अपनी जगह बनाए हुए है। उनका नाम नागिन-7 के लिए भी सामने आ रहा है। अगर सुम्बुल तौकीर कुंडली भाग्य में नजर आती हैं, तो ये उनके फैंस के लिए किसी भी सरप्राइज से कम नहीं होगा।

अक्षय ओबेरॉय लाल रंग 2 पर काम शुरू करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते

अभिनेता अक्षय ओबेरॉय, जो लाल रंग के आगामी सीक्वल में अपने किरदार को फिर से निभाने के लिए तैयार हैं, इस बात से काफी उत्साहित हैं कि फिल्म एक और अध्याय के साथ वापसी की तैयारी कर रही है। उन्होंने साझा किया कि वह सेट पर जाने और अपने सह-अभिनेता रणदीप हुड्डा और फिल्म के निर्देशक के साथ फिर से काम करने का इंतजार नहीं कर सकते। अक्षय ने पहले भाग में राजेश का किरदार निभाया था। वह 2016 की फिल्म में रणदीप हुड्डा द्वारा निभाए गए शंकर के साथी थे। वह दोनों फिल्म में ब्लड माफिया का हिस्सा थे। अक्षय ने कहा, बहुत अच्छा लगता है जब पसंदीदा फिल्म दूसरे अध्याय के लिए वापस आती है। फिल्म को अपनी पहली रिलीज के दौरान बहुत प्रशंसा मिली और मुझे यकीन है कि टीम एक साथ मिलकर एक और अधिक आशाजनक फिल्म लेकर आएगी। लाल रंग, जो डार्क सोशल ड्रामा है, हरियाणा में सेट किया गया था और अवैध रक्त व्यापार के कारोबार के इर्द-गिर्द घूमता था। सीक्वल की शूटिंग जल्द शुरू होगी। उन्होंने आगे कहा, मैं फिर से पूरी कास्ट और टीम के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं, रणदीप और हमारे निर्देशक अफजल के साथ फिर से काम कर रहा हूं। ऐसा अक्सर नहीं होता है, हमें भारत में गहन क्राइम ड्रामा के साथ मिश्रित कॉमेडी की शैली देखने को मिलती है, इसलिए इस स्पेस में नए नए आख्यान के साथ वापस आना रोमांचक है। इसके अलावा अक्षय फाइटर में नजर आएंगे, जिसमें वह एयरफोर्स पायलट की भूमिका में हैं। फिल्म में ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण को भारतीय वायु सेना के पायलट के रूप में दिखाया जाएगा, और यह 25 जनवरी, 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार है।

दिल्ली में उर्फी जावेद के साथ कैब ड्राइवर ने की ऐसी हरकत

उर्फी जावेद अपने अतरंगी फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। वह हर बार एक नए लुक को क्रिएट कर सभी को हैरान कर देती हैं। इसके साथ ही उर्फी अपने बेबाक अंदाज के लिए भी काफी पॉपुलर हैं। हाल ही में एक्ट्रेस के साथ कुछ ऐसा हुआ है, जिसके लिए उन्होंने कैब ड्राइवर पर अपना गुस्सा जाहिर किया है।

हाल ही में उर्फी जावेद काम के सिलसिले में दिल्ली गई थीं। जहां उनके साथ एक हादसा हुआ। इस बात की जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। उन्होंने लिखा- आज मैंने उबर के साथ बहुत बेकार एक्सपीरियंस किया। मैंने ऊबर बुक की थी, मैंने उसे 6 घंटे के लिए बुक किया था और एक जगह थोड़ी देर के लिए रुकवाया था। फिर वह बंदा मेरा सामान लेकर वहां से गायब हो गया। मैं उसे कॉल कर रही थी और उसे बुला रही थी, लेकिन उसकी लोकेशन दिखा रहा एक घंटा दूर, वह गायब हो गया और वह सामान लेकर वापस भी नहीं आ रहा था और मुझे लेट हो रहा था, क्योंकि फ्लाइट मिस हो रही थी। उर्फी ने आगे बताया- मैंने एक मेल फ्रेंड को कॉल की। जब उसने बात की तो वह डर गया।

काशिका कपूर ने की अपनी पहली डेब्यू फिल्म के टाइटल की घोषणा

काशिका कपूर, जो बॉलीवुड इंडस्ट्री में सबसे कम उम्र की प्रतिभाओं में से एक हैं, ने हमेशा अपने शानदार लुक और अद्भुत एक्टिंग स्किल से दर्शकों को हैरान किया है, एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने जन्मदिन पर अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करके अपनी पहली फिल्म के टाइटल की घोषणा की. 18 फरवरी को एक्ट्रेस 21 साल की हो गई और उन्होंने शीर्षक की घोषणा करके अपने सभी फैंस को सरप्राइज दिया। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें काशिका कपूर और अनुज सैनी का परिचय दिखाया गया है। फिल्म में अलका अमीन और अतुल श्रीवास्तव भी है, गुड आइडिया फिल्म, और स्पंक प्रोडक्शंस वर्तमान एजीएमपी द्वारा किया गया हैं। फिल्म का निर्देशन प्रदीप खैरवीर ने किया है। आपको बता दें कि काशिका अपनी पहली फिल्म में गीता का किरदार निभाएंगी। जहां वह भावनाओं के एक समूह के साथ अपने बेहद प्रभावशाली अभिनय कौशल का प्रदर्शन भी करेंगी। 21 वर्षीय यह एक्ट्रेस आयुष्मती गीता मैट्रिक पास के साथ टिनसेल शहर में अगला बड़ा नाम बनने के लिए तैयार है. अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हुए एक्ट्रेस कहती हैं, आखिरकार या बड़ी घोषणा हो ही गई, एक फिल्म जो मेरे दिल के बहुत करीब है और एक फिल्म जो बहुत सारी भावनाओं को प्रदर्शित करेगी। गीता का किरदार निभाना आसान नहीं है क्योंकि पूरी फिल्म उसी पर आधारित है। और मुझे लगता है की डेब्यू फिल्म में यह एहम किरदार निभाना आसान नहीं होता है। मैं वास्तव में आभारी हूं कि मुझे अपनी पहली फिल्म के लिए यह अवसर मेरे कंधों पर मिला है और मैं बस इतना कह सकती हूं कि हम सब दिन रात बहुत मेहनत कर रहे है और मुझे उम्मीद है कि एक बार फिल्म रिलीज हो जाएगी। दर्शक इसे पसंद करेंगे और हम पर अपना प्यार बरसाएंगे।

एक गाने ने मलाइका को रातों रात बनाया था स्टार

सालों पहले चल छैंय्या-छैंय्या और बदनाम मुन्नी यानी 'दबंग' फेम मलाइका अरोडा खान को देखकर नहीं लगता कि यह खूबसूरत हसीना दो बच्चों की मां हैं। इस एक गाने ने मलाइका अरोड़ा को रातोंरात बनाया था स्टार , इनको हॉट फिगर ऐसा है कि आज कल की अभिनेत्रियों भी इनके सामने पानी भरते हुए नजर आती हैं। मलाइका को देख कर हर मां यही सोचती होगी कि प्रेगनेंसी के बाद भी मलाइका ने इतना अच्छा फिगर कैसे मेंटेन किया होगा। तो आगे की स्लाइड्स पर जानते हैं मलाइका अरोडा के सेहत व सुंदरता के राज को...खबरों के अनुसार- अभिनेत्री मलाइका के मुताबिक नश्ता राजा की तरह, लंच राजकुमार और डिनर एक गरीब व्यक्ति की तरह करना चाहिए। ये किसी तरह की कोई खास डाइट नहीं फॉलो करतीं लेकिन मानती हैं कि खाना हमेशा पौष्टिक और बेस्ट होना चाहिए।कहती हैं अपनी फिटनेस के बारे में- मैं सुबह नींबू और शहद के साथ 1 गिलास गरम पानी पीती हूँ, ब्रेकफास्ट में 1 छोटा कटोरी मौसमी फलों साथ इडली, उपमा, पोहा, दलिया। दोपहर 12 आवंले के साथ 1 गिलास वैजिटेबल जूस और ब्राउन टोस्ट के साथ 1 अण्डे के सफेद भाग का आमलेट। लंच में ब्राउन या गोवा राइस, 2-3 तरह की वैजिटेबल, चिकन या फिश और सलाद खाती हूँ। इसके बाद हल्का खाना खाती हूँ, मैं दालें नहीं खाती।रात के खाने के बाद में कभी भूख लगती है तो 1 संतरा, गाजर या कोई और फल या अंजीर, बादाम आदि खा लेती हूं, फिट रहने के लिए मैं हफ्ते में कम से कम 3 दिन डेढडेढ घन्टा जिम में जरूर बिताता हूं। जिम में मैं अलग-अलग तरह की ऐक्सरसाइज करती हूं। ताकि बॉडी के हर हिस्से की ऐक्सरसाइज हो जाए।

डीजे नाइट में लहंगा पहन पति संग खूब झूमीं थी कियारा

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपनी शादी के बाद से लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। कपल ने जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में धूमधाम से शादी रचाई, जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर काफी दिनों तक छाई रहीं। वहीं, अब सिड-कियारा ने अपनी संगीत सेरेमनी की तस्वीरें सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर की हैं, जिन पर फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि सिड और कियारा अपनी संगीत नाइट के लिए खूब सजे हुए हैं। कियारा आडवाणी शिमरी गोल्डन लहंगे में बेहद स्टनिंग लग रही हैं। डीपनेक क्रॉप चोली के साथ गले में खूबसूरत नेकलेस लोगों का ध्यान खींच रहा है। इस लुक को कियारा ने मिनिमल मेकअप और खुले बालों से कंप्लीट किया है। वहीं सिद्धार्थ मल्होत्रा इस दौरान ब्लैक गोल्डन शेरवानी में काफी डैशिंग लग रहे हैं। कपल ने अपनी डीजे नाइम में जमकर डांस किया और एक दूजे की बाहों में जबरदस्त पोज भी दिए। तस्वीरें शेयर कर कियारा ने कैप्शन में लिखा- उस रात के बारे में कुछ.. कुछ वाकई खास। फैंस कपल की इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बता दें, कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा के वेडिंग फंक्शन 5 फरवरी से शुरु हुए थे और 7 फरवरी को कपल सूर्यगढ़ पैलेस में शाही अंदाज में शादी के बंधन में बंध गया।

विवेक अग्निहोत्री ने द कश्मीर फाइल्स को लोगों की फिल्म कहा

निर्देशक विवेक अग्निहोत्री की फिल्म द कश्मीर फाइल्स पिछले साल हिंदी सिनेमा की कुछ दुर्लभ हिट फिल्मों में से एक बनी। इस फिल्म को विवेक अग्निहोत्री ने लोगों की फिल्म कहा है। कश्मीर घाटी में 1990 के दशक की शुरुआत में हुए कश्मीरी पंडितों के नरसंहार पर प्रकाश डालने वाली इस फिल्म को हाल ही में दादासाहेब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह में सम्मानित किया गया था। द कश्मीर फाइल्स को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिलने पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक ने कहा, दादासाहेब फाल्के अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार पाने के लिए मैं सम्मानित और आभारी हूं। बहुत सारे लोग हैं जिन्होंने इस फिल्म को बनाने में योगदान दिया है, सूची अंतहीन है। इसलिए मैंने इसे लोगों की फिल्म कहा है। हम यह पुरस्कार दुनिया में धार्मिक आतंकवाद के सभी पीड़ितों को समर्पित करते हैं। विवेक की पत्नी पल्लवी जोशी ने कहा, यह वास्तव द कश्मीर फाइल्स की पूरी टीम के लिए एक बड़ा सम्मान है। मैं उन भारतीय लोगों की ऋणी हूं जिन्होंने इस फिल्म को अत्यधिक सफल बनाया। हम इस मान्यता को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करते हैं। यह मान्यता उन सभी चुनौतियों और दर्द को दूर करती है, जिनसे हम इस फिल्म को बनाने के दौरान गुजरे थे।

ब्लैक ब्यूटी बन पति के कॉन्सर्ट में पहुंची प्रियंका

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस इंडस्ट्री के पॉवर कपल्स में से एक हैं, जो अपनी केमिस्ट्री से हमेशा लोगों का दिल जीतते हैं। हाल ही में प्रियंका ने लॉस वेगास में पति संग उनके जोनास ब्रदर्स के कार्यक्रम में शिरकत की, जहां दोनों ब्लैक ट्विनिंग किए नजर आए। इवेंट से दोनों की ये तस्वीरें इंटरनेट पर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। मैरून लिपस्टिक और खुले बालों से उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया है। ओवरऑल लुक में पीसी काफी ग्लैमरस लग रही हैं। वहीं उनके पति ब्लैक सिल्क शर्ट और मैचिंग पैंट में डैशिंग लग रहे हैं। एक साथ कपल में लाजवाब बॉन्डिंग देखने को मिल रही है और दोनों कैमरे के सामने जबरदस्त पोज दे रहे हैं। इन तस्वीरों को निक जोनस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है, जिसे फैंस खूब लाइक कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

बिंग एआई पर चैट लिमिट बढ़ाएगा माइक्रोसॉफ्ट

सैन फ्रांसिस्को। टेक दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट ने घोषणा की है कि उसने बिंग एआई पर कन्वर्जेशन लिमिट बढ़ाकर प्रतिदिन कुल 60 चैट कर दी है। पिछले हफ्ते, टेक दिग्गज ने प्रति सत्र 5 चैट टर्न और प्रति दिन कुल 50 की लिमिट लागू की थी। हालांकि अब, कंपनी ने प्रति सत्र चैट को बढ़ाकर 6 कर दिया है और प्रति दिन कुल 60 चैट का विस्तार किया है। कंपनी ने मंगलवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा, चैट सीमा निर्धारित करने के बाद से, हमें आप में से कई लोगों से प्रतिक्रिया मिली है जो लंबी चैट की वापसी चाहते हैं, ताकि आप दोनों अधिक प्रभावी ढंग से खोज सकें और चैट सुविधा के साथ बेहतर ढंग से बातचीत कर सकें। इसके अलावा, टेक दिग्गज जल्द ही दैनिक कैप को 100 कुल चैट तक बढ़ाने की योजना बना रही है। आने वाले परिवर्तन के साथ, सामान्य खोजों को अब चैट टोटल्स के विरुद्ध नहीं गिना जाएगा। माइक्रोसॉफ्ट एक अतिरिक्त विकल्प का भी परीक्षण करने जा रहा है जो उपयोगकताओं को अधिक सटीक, संतुलित, अधिक क्रिएटिव से चैट के टोन को चुनने की अनुमति देगा।

ट्विटर अगले सप्ताह अपने एल्गोरिद्म को ओपन सोर्स बना देगा : मस्क

सैन फ्रांसिस्को। ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने बुधवार को कहा कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म अगले सप्ताह अपने एल्गोरिथ्म को ओपन सोर्स बना देगा और इसे तेजी से सुधारेगा। जब मस्क ने ट्वीट किया, जो मर्जी हो कहो, लेकिन मैंने 44 अरब डॉलर में दुनिया का सबसे बड़ा गैर-लाभकारी अधिग्रहण किया। एक यूजर ने कमेंट किया, ठीक है। अब इसे ओपन सोर्स करें, तो ये वाकई अच्छा होगा। ट्विटर के सीईओ ने जवाब दिया, अगले सप्ताह जब हमारा एल्गोरिद्म ओपन सोर्स बना दिया जाएगा, तो सबसे पहले निराश होने के लिए तैयार रहें, लेकिन इसमें तेजी से सुधार होगा! पिछले हफ्ते, मस्क ने कहा था कि माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म उपयोगकताओं को आने वाले महीनों में एल्गोरिदम को उनके करीब मैच में समायोजित करने की क्षमता प्रदान करेगा। इस बीच ट्विटर ने घोषणा की है कि यदि एक कम्युनिटी नोट एक ट्वीट पर दिखाता है, जिसे उन्होंने लाइक किया है या रीट्वीट किया है, तो उपयोगकताओं को हेड अप मिलेगा।

एनएसई ने ब्याज दर डेरिवेटिव अनुबंधों के कारोबार का समय बढ़ाया

नई दिल्ली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने ब्याज दर डेरिवेटिव अनुबंधों के लिए कारोबार का समय बढ़ाकर शाम पांच बजे तक करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय बृहस्पतिवार से प्रभाव में आएगा। मौजूदा समय में अनुबंधों पर सौदे सुबह नौ बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक किए जा सकते हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने एक परिपत्र में कहा कि समय में बदलाव करने का उद्देश्य बाजार के समय के साथ मेल करना है। उसने बताया कि वे ब्याज दर डेरिवेटिव अनुबंध जिनकी अवधि फरवरी, 2023 में पूरी होने वाली है, वे सौदों के लिए 23 फरवरी, 2023 को शाम पांच बजे तक उपलब्ध होंगे। हालांकि, अन्य ब्याज दर डेरिवेटिव अनुबंधों के लिए कारोबारी समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

अडाणी की कंपनियों के शेयरों में गिरावट जारी, अडाणी एंटरप्राइजेज 9 फीसदी टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी

अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बड़ी गिरावट आई।

शेयर बाजार के कमजोर रुख के बीच समूह की कंपनियों के शेयरों में गिरावट का दौर जारी है। बुधवार सुबह के कारोबार में समूह की कई कंपनियों के शेयर अपने निचले सर्किट को छू गए। फिलहाल 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 687.06 अंक यानी 1.13 फीसदी टूटकर 59,985.66 के स्तर पर और निफ्टी 209.20 अंक यानी 1.17 लुढ़कर 17,617.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर समूह की प्रमुख कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 9.31 फीसदी टूट गया। अडाणी पावर, अडाणी ट्रांसमिशन, अडाणी टोटल गैस और अंबुजा सीमेंट्स के शेयरों में पांच फीसदी की गिरावट रही। वहीं, अडाणी ग्रीन एनर्जी 4.99 फीसदी, अडाणी विल्मर 4.99 फीसदी और एनडीटीवी 4.45 फीसदी के नुकसान में कारोबार कर रहा था। अडाणी पोर्ट्स का शेयर 4.38 फीसदी तथा एसीसी तीन फीसदी के नुकसान में कारोबार कर रहा है।

दरअसल अमेरिकी वित्तीय रिर्सच कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद से अडाणी समूह की कंपनियों के शेयरों में लगातार गिरावट आ रही है। रिपोर्ट में समूह पर धोखाधड़ी के आरोप लगाए गया हैं। हालांकि, अडाणी समूह इन आरोपों को खारिज करता रहा है। समूह की कंपनियों के शेयरों में लगातार गिरावट के चलते कंपनी का बाजार पूंजीकरण घटकर 100 बिलियन डॉलर से नीचे पहुंच गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक समूह की 10 कंपनियों का मार्केट कैप मंगलवार को गिरकर 8,20,915 करोड़ रुपये रह गया है।

उल्लेखनीय है कि फोर्ब्स की रियल टाइम बिलियनेयर्स सूची के मुताबिक गौतम अडाणी की नेटवर्थ घटकर 46.7 बिलियन डॉलर रह गई है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में दूसरे नंबर पर रह चुके कारोबारी गौतम अडाणी को बीते 24 घंटे में 2.9 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है, जिससे अब वे दुनिया के अमीरों की सूची में खिसकर 26वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

अडाणी की कंपनी ने एसबीआई एमएफ, आदित्य बिड़ला सन लाइफ का 1,500 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया

अडाणी समूह की कंपनी अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन ने 1,500 करोड़ रुपये का कर्ज चुका दिया है। इसके अलावा कंपनी मार्च में 1,000 करोड़ रुपये का और भुगतान करेगी। बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि अडाणी समूह की कंपनी ने एसबीआई म्यूचुअल फंड का सोमवार को परिपक्व हुए वाणिज्यिक पत्रों पर 1,000 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। इसी तरह आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्यूचुअल फंड का 500 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाया गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यह भुगतान नकद शेष और कारोबारी परिचालन से मिली आय से चुकाया गया है। एसबीआई एमएफ के प्रवक्ता ने कहा कि अब कंपनी पर उसका और बकाया नहीं है।

तेल रिसाव के बाद नेवार्क-दिल्ली एयर इंडिया विमान को स्टॉकहोम भेजा गया

नई दिल्ली, एजेंसी

न्यूजर्सी के नेवार्क हवाईअड्डे से दिल्ली जा रहे एयर इंडिया के एक विमान में तेल रिसाव के बाद करीब 300 यात्रियों को स्टॉकहोम की ओर मोड़ दिया गया। फ्लाइट एएआई106, बोइंग 777-300ईआर विमान की बुधवार को स्वीडिश राजधानी में एक आपात लैंडिंग हुई, जिसके बाद हवाईअड्डे पर बड़ी संख्या में दमकल गाड़ियों को तैनात किया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान में सवार सभी लोग सुरक्षित हैं।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जमीनी निरीक्षण के दौरान इंजन टू के ड्रेन मास्ट से तेल निकलता देखा गया और आगे की जांच की जा रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2021-22 में तकनीकी खराबी की कुल 1,090 घटनाएं दर्ज की गई थीं। विमान के संचालन के दौरान तकनीकी खराबी का अनुभव होता है।

ये विमान में फिट किए गए सिस्टम या उपकरण या पुर्जों के अनुचित कामकाज या खराबी के कारण हो सकते हैं। कुछ तकनीकी बाधाओं के लिए उड़ान के चालक दल को कार्रवाई करने की आवश्यकता हो सकती है जैसे कि एयर टर्न बैक, निरस्त टेक-ऑफ, या ऑपरेशन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इधर-उधर जाना और आमतौर पर गंभीर घटनाओं को टालने के लिए लिया जाता है।

कच्चे तेल में नरमी का रुख, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में नरमी का रुख है। पिछले 24 घंटे में ब्रेंट क्रूड एक फीसदी की गिरावट के साथ 83 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 77 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक बुधवार को दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये, डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन ब्रेंट क्रूड 0.01 डॉलर यानी 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 83 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.04 डॉलर यानी 0.05 फीसदी फिसलकर 76.32 डॉलर प्रति बैरल के करीब ट्रेंड कर रहा है। भारतीय तेल कंपनियों ने लंबे समय से पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

भारत में 2047 तक 47 हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था बनने का सामर्थ्य : गोयल

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत के लिए आजादी के 100वें वर्ष में 2047 तक 47 हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने का लक्ष्य देश के बढ़ते सामर्थ्य के कारण संभव है। श्री गोयल ने यहां 17वें भारतीय डिजिटल शिखर सम्मेलन (आईडीएस2023) के समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले आठ-नौ वर्षों से देश में सुशासन, इसके विशाल प्रतिभावान मानवसंसाधन और प्रवासी भारतीयों के समर्थन के समक्ष यह लक्ष्य अल्कपनीय नहीं कहा जा सकता। दो दिन के इस सम्मेलन का आयोजन इंटरनेट एंड मोबाइल एसोसिएशन आफ इंडिया (आईएएमएआई) ने गूगल और मैसेजबर्ड के सहयोग से किया था। श्री गोयल ने याद दिलाया कि कैसे विभिन्न प्रकार की राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, 1991 के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में 11.5 गुना वृद्धि देखी गई है। इस दौरान भारत 300 अरब डालर से बढ़ कर 3.5 हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था हो चुका है। उन्होंने डिजिटल क्षेत्र में भारत के विस्तार के विषय में कहा, ह्व2030 तक, भारत का वार्षिक वाणिज्यक निर्यात 1,000 अरब डालर तक पहुंच सकता है ह्व उन्होंने इसी संदर्भ में स्टार्टअप इंडिया मिशन और डिजिटल इंडिया का उल्लेख किया और कहा, ह्यहमने देखा है कि ब्रॉडबैंड देश के दूर-दराज के इलाकों में फैल चुका है और स्मार्ट फोनधारक 80 करोड़ हो गए हैं। मैं उस दिन की कल्पना करता हूं जब देश भर में हर परिवार में हमारे पास एक स्मार्टफोन होगा। आईडीएस देश का सबसे बड़ा और सबसे पुराना डिजिटल सम्मेलन है। इस बार इसमें 500 से अधिक डिजिटल ब्रांडों और 3000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन का समापन 57 श्रेणियों में प्रतिष्ठित इंडिया डिजिटल अवार्ड्स (13वें संस्करण) के विजेताओं की घोषणा के साथ हुआ।

सैमसंग लगातार 17 साल से वैश्विक टीवी बाजार में शीर्ष पर

नई दिल्ली, एजेंसी

सैमसंग ने पिछले साल वैश्विक टीवी बाजार में शीर्ष स्थान हासिल किया है, यह लगातार 17वां साल है जब कंपनी टीवी उद्योग में पहले स्थान पर रही है।

टेक दिग्गज ने मंगलवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि इस सफलता का श्रेय उच्च गुणवत्ता वाले देखने के अनुभव और उपयोगकर्ता-केंद्रित डिजाइन के लिए कंपनी को दिया जा सकता है।

अपने प्रीमियम प्रोडक्ट लाइनअप को प्राथमिकता देकर, सैमसंग ने प्रभावशाली 17 वर्षों के लिए टीवी उद्योग में अपने अद्वितीय नेतृत्व को बरकरार रखा है, जो इसके नियो क्यूएलईडी लाइनअप द्वारा सबसे अच्छा उदाहरण है।

कंपनी ने पिछले साल 9.65 मिलियन क्यूएलईडी और नियो क्यूएलईडी टेलीविजन बेचे, 2017 में लॉन्च होने के बाद से कुल बिक्री 35 मिलियन यूनिट तक पहुंच गई। कंपनी ने कहा, सैमसंग ने 2022 में अल्ट्रा-लार्ज टीवी मार्केट सेगमेंट में भी अपना दबदबा बनाया, जिसमें क्रमशः 75-इंच और 80-इंच से अधिक के टीवी के लिए 36.1 प्रतिशत और 42.9 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी दर्ज की गई। इसके अलावा, 2,500 डॉलर से अधिक कीमत वाले प्रीमियम टीवी बाजार के लिए, कंपनी ने 48.6 प्रतिशत राजस्व के साथ सबसे बड़ी बाजार हिस्सेदारी बरकरार रखी।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, विजुअल डिस्प्ले बिजनेस के कार्यकारी उपाध्यक्ष, चेओल्गी किम ने कहा, पिछले 17 वर्षों में उद्योग नेतृत्व का हमारा ट्रैक रिकॉर्ड हमारे उपभोक्ताओं की निरंतर वफादारी और हमारे उत्पादों में विश्वास से संभव हुआ है।

किम ने कहा, हम सबसे प्रीमियम डिवाइस अनुभव बनाने का मार्ग प्रशस्त करना जारी रखेंगे जो प्रीमियम पिक्क र क्वालिटी से परे हो।

कंपनी ने कहा कि नवाचार के प्रति उसकी प्रतिबद्धता 2023 में उपयोगकताओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई सहज तकनीक के विकास के साथ जारी है।

लाल निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 484 अंक लुढ़का

नई दिल्ली, एजेंसी

कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार लाल निशान पर खुला। शेयर बाजार में जोरदार बिकवाली दिख रही है।

शुरूआती कारोबार में दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेज गिरावट दिख रही है। सेंसेक्स में 495 अंकों की गिरावट रही है, जबकि निफ्टी 144 अंक तक टूटा है।

फिलहाल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 483.96 अंक यानी 0.80 फीसदी लुढ़क कर 60,188.76 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 143.70 अंक यानी 0.81 फीसदी टूट कर 17,683.00 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है।

इससे पहले सेंसेक्स 300 अंक और निफ्टी 17,750 के नीचे कारोबार शुरू किया था।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 26 शेयर लाल निशान पर हैं, जबकि चार शेयरों में तेजी दिख रही है।

बाजार में निवेशकों का सेंटिमेंट पूरी तरह निगेटिव नजर आ रहा है। आज के टॉप गेनर्स की सूची में टाटा स्टील, लिमिटेड, सन फार्मा के शेयर शामिल हैं, जबकि टॉप लूजर्स की सूची में विप्रो, इंडसइंडबीके, इंफी, टेकम, एचसीएल टेक, टीसीएस, बजाज फाइनेंस के शेयर शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि लगातार दूसरे कारोबारी दिन भी शेयर बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक मामूली गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स 18.82 अंक यानी 0.031 फीसदी की गिरावट के साथ 60,672.72 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी भी 17.90 अंक यानी 0.10 फीसदी टूट कर 17,826.70 के स्तर पर बंद हुआ था।

मैकिन्सी 2,000 कर्मचारियों को निकालेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

सैन फ्रांसिस्को। ग्लोबल कंसल्टिंग फर्म मैकिन्सी कथित तौर पर सबसे बड़ी छंटनी करने की योजना बना रही है। कंपनी लगभग 2,000 नौकरियों को कम करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, नौकरी में कटौती से ऐसे कर्मचारियों पर ज्यादा प्रभाव पड़ेगा जिनका क्लाएंट से सीधा संपर्क नहीं है। छंटनी कथित तौर पर प्रोजेक्ट मैगनोलिया का हिस्सा है। कंपनी के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हम एक दशक से अधिक समय में पहली बार हमारी गैर-ग्राहक-सेवा वाली टीमों के संचालन के तरीके को फिर से डिजाइन कर रहे हैं, ताकि ये टीमें प्रभावी रूप से समर्थन और विस्तार कर सकें। पिछले हफ्ते, रिपोर्टें सामने आई थीं कि वैश्विक परामर्श फर्म केपीएमजी अपने 2 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी कर रही है, जो अमेरिका में लगभग 700 कर्मचारियों को प्रभावित करेगा, इसकी वजह परामर्श व्यवसाय में तेज मंदी है। द फाइनेंशियल टाइम्स के अनुसार, केपीएमजी वैश्विक व्यापक आर्थिक स्थितियों के बीच नौकरियों को कम करने वाली चार बड़ी अकाउंटेंसी फर्मों (ईवाई, डेलॉइट और पीडब्ल्यूसी) में से पहली बन गई। रिपोर्ट के मुताबिक, केपीएमजी विलय और अधिग्रहण गतिविधि में गिरावट से भी जूझ रही है, जिससे उसके एडवाइजरी कारोबार पर असर पड़ा है। पिछले महीने वैश्विक निवेश फर्म गोल्डमैन सैक्स ने 3,000 से अधिक कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था।

नए प्राइवेट न्यूजलेटर टूल पर काम कर रहा व्हाट्सऐप : रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

मेटा के स्वामित्व वाला मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप कथित तौर पर एक नए निजी न्यूजलेटर फीचर पर काम कर रहा है, जो सूचना प्रसारित करने के लिए एक और टूल होगा। वाबेटाइंफो की रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, यह अभी भी पुष्टि नहीं हुई है कि क्या फीचर को न्यूजलेटर कहा जाएगा, क्योंकि यह अब एक कोडनेम प्रतीत होता है। टूल संभवतः लोगों या समूहों से उपयोगी अपडेट प्राप्त करने का एक नया तरीका होगा।

स्टेटस पेज में न्यूजलेटर्स के लिए एक वैकल्पिक सेक्शन शामिल होने की उम्मीद है जो निजी चैट से अलग होगा और निजी मैसेजिंग के एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन से समझौता नहीं करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा, उपयोगकर्ता संभवतः यह नियंत्रित करने में सक्षम होंगे कि वे किसे फॉलो करते हैं और कोई और यह नहीं देख पाएगा। इस महीने की शुरूआत में, मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने अपने स्टेटस के लिए नए फीचर्स की घोषणा की थी, जिसमें वॉयस स्टेटस, स्टेटस रिएक्शन्स और बहुत कुछ शामिल हैं। वॉइस स्टेटस फीचर यूजर्स को व्हाट्सऐप स्टेटस पर 30 सेकंड तक वॉयस मैसेज रिकॉर्ड करने और शेयर करने की अनुमति देता है। दूसरी ओर, स्टेटस रिएक्शन्स उपयोगकताओं को अपने दोस्तों और करीबी संपर्कों से स्टेटस अपडेट का त्वरित और आसान तरीका प्रदान करने की अनुमति देता है।

मेटा ने घोषणा की है कि वह मेटा क्वेस्ट के लेटेस्ट वी50 अपडेट के साथ एक नया प्रयोगात्मक फीचर डायरेक्ट टच शुरू कर रहा है, जो उपयोगकताओं को नियंत्रकों के बिना वर्चुअल रियलिटी (वीआर) इंटरफेस में टैप और स्वाइप करने की अनुमति देगा। कंपनी ने मंगलवार को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि नए फीचर के साथ, उपयोगकर्ता अब सेटिंग्स को समायोजित करने या अपनी लाइब्रेरी से गेम का चयन करने के लिए बटन टैप कर सकते हैं, वर्चुअल कीबोर्ड पर संदेशों को जल्दी से टाइप कर सकते हैं और बहुत कुछ कर सकते हैं।

डायरेक्ट टच फीचर कंपनी की हैंड-ट्रैकिंग तकनीक में एक बड़ा सुधार है, जो सामान्य तौर पर सिस्टम और 2डी पैनल के साथ बातचीत करने के लिए अधिक सहज और आकर्षक तरीका पेश करता है।

कंपनी ने एक नया हैंड्स-बेस्ड लोकोमोशन के लिए इशारा भी किया, जिसे आप फर्स्ट हैंड के लेटेस्ट वर्जन में आजमा सकते हैं। इसमें कहा गया है, हम इन-गेम मल्टीटास्किंग जोड़ रहे हैं, जिससे आप मेटा क्वेस्ट ब्राउजर जैसे 2डी ऐप का उपयोग कर सकते हैं, बिना गेम को बंद किए।

वी50 अपडेट के साथ, कंपनी ने मेटा क्वेस्ट टच प्रो कंट्रोलर्स पर ट्रैकिंग शुरू करने में लगने वाले समय को भी कम कर दिया। पिछले महीने, मेटा ने वी2.1 अपडेट के साथ अपनी क्वेस्ट की हैंड ट्रैकिंग तकनीक में सुधार किया था और इसे क्वेस्ट एप्लिकेशन्स के लिए डिफॉल्ट बना दिया था।

अक्षर पटेल और अश्विन टॉप ऑर्डर जैसे बल्लेबाज हैं : नाथन लियोन

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई टीम के ऑफ स्पिनर नाथन लियोन ने अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन के बल्लेबाजी की काफी तारीफ की है।

अश्विन और अक्षर पटेल ने दिल्ली टेस्ट मैच के दूसरे दिन जबरदस्त बल्लेबाजी की और टीम को मुश्किलों से निकाला और उनकी इस बल्लेबाजी से नाथन लियोन काफी प्रभावित हुए।

उन्होंने कहा कि अक्षर और अश्विन को लोअर ऑर्डर का बल्लेबाज कहना सही नहीं होगा क्योंकि ये खिलाड़ी काफी जबरदस्त बल्लेबाजी करते हैं।

दरअसल दिल्ली टेस्ट मैच में बल्लेबाजी करते हुए एक समय भारतीय टीम ने 139 रन तक ही अपने 7 विकेट गंवा दिए थे।

भारतीय टीम उस समय ऑस्ट्रेलिया से 124 रन पीछे थी और ऐसा लगा था कि मेहमान टीम एक बड़ी बढ़त हासिल कर लेगी। हालांकि इसके बाद अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन ने 114 रनों की बेहतरीन साझेदारी कर टीम को मुश्किल से निकाल लिया और कंगारू टीम का बड़ी बढ़त हासिल करने का सपना टूट गया। दिन का खेल खत्म होने के बाद अक्षर पटेल और अश्विन के बल्लेबाजी की नाथन लियोन ने काफी तारीफ की। उन्होंने कहा, ये दोनों लोअर ऑर्डर के बल्लेबाज नहीं हैं। अक्षर पटेल और रविचंद्रन अश्विन आसानी से दुनिया के किसी भी टॉप-6 में बल्लेबाजी कर सकते हैं। इन्हें निचले क्रम का बल्लेबाज कहना सही नहीं होगा।

भारत का टॉप ऑर्डर काफी लंबा है। मैं अपने पांच विकेट हॉल से काफी खुश हूं लेकिन अभी भी इस टेस्ट मैच में काफी कुछ बाकी है।

आपको बता दें कि नाथन लियोन ने भारत के खिलाफ पारी में पांच विकेट लेकर श्रीलंका के दिग्गज ऑफ स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने भारत के खिलाफ पारी में सबसे ज्यादा बार पांच विकेट लेने के मुरलीधरन के रिकॉर्ड को अपने नाम किया। मुरलीधरन ने भारत के खिलाफ 22 टेस्ट मैचों में 7 बार पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया था। वहीं लियोन ने आठवीं बार भारत के खिलाफ यह कारनामा किया।

स्टीव स्मिथ ने हैरी ब्रूक को बताया अगला सुपरस्टार

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज हैरी ब्रूक और भारतीय टीम के युवा खिलाड़ी शुभमन गिल में से बैटिंग का अगला बड़ा सुपरस्टार कौन होगा इसको लेकर ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्टीव स्मिथ ने बड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया कि इन दोनों बल्लेबाजों में से कौन अगला बड़ा सुपरस्टार बनेगा। स्टीव स्मिथ ने हैरी ब्रूक को अगला बड़ा स्टार बताया है और शुभमन गिल से आगे रखा है। हैरी ब्रूक ने पिछले एक साल में इंग्लैंड के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज के सभी मैचों में शतक जड़े थे। ब्रूक ने अपने छोटे से करियर में सभी का दिल जीता है। टेस्ट क्रिकेट में खेले गए 5 मैचों में उन्होंने 77.88 के औसत से रन बनाये है और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 100 के करीब का रहा है। इन 5 टेस्ट मैचों की 8 पारियों में उन्होंने 3 शतक और 3 ही अर्धशतक जमाये हैं। वहीं शुभमन गिल की अगर बात करें तो हाल ही में न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद टी20 में शतक लगाकर उन्होंने काबिलियत का नमूना पेश किया था। इसके अलावा उन्होंने वनडे में दोहरा शतक भी जड दिया है। ऐसा करने वाले वो सबसे युवा बल्लेबाज बने। वो अब तीनों ही फॉर्मेट में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वहीं वनडे में वो सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। अपने इस छोटे से करियर में शुभमन गिल ने कई उपलब्धियां हासिल कर ली हैं। हालांकि ईएसपीएन क्रिकइन्फो पर बातचीत के दौरान जब स्टीव स्मिथ से शुभमन गिल और हैरी ब्रूक में से किसी एक का चयन करने के लिए कहा गया तो फिर उन्होंने ब्रूक को चुना। स्मिथ के मुताबिक हैरी ब्रूक के अंदर वो सारी काबिलियत है जिससे वो वर्ल्ड क्रिकेट के अगले बड़े सुपर स्टार बन सकते हैं।

महिला टी20 विश्वकप के सेमीफाइनल में पहुंची दक्षिण अफ्रीका

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका में खेले जा रहे महिला टी20 वर्ल्ड कप 2023 के ग्रुप स्टेज के आखिरी मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 10 विकेट हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। अब दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला 24 फरवरी को इंग्लैंड से होगा। वहीं इससे पहले 23 फरवरी को पहले सेमीफाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया का आमना-सामना होगा। दोनों सेमीफाइनल की विजेता टीमों के बीच 26 फरवरी को खिताबी मैच खेला जाएगा। मंगलवार देर रात दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के बीच खेले गए मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 113 रन बनाए थे। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने बिना कोई विकेट गंवाए 18वें ओवर में ही जीत हासिल कर ली। लोरा 56 गेंदों पर 66 रन पर नाबाद और ब्रिट्स 51 गेंदों पर 50 रन पर नाबाद रहीं। इस तरह दक्षिण अफ्रीका ने बिना कोई विकेट गंवाए ये मुकाबला 18वें ओवर की सेकंड लास्ट बाल पर जीत लिया। अब मेजबान दक्षिण अफ्रीका का मुकाबला सेमीफाइनल में इंग्लैंड से होगा।

संक्षिप्त खबरें

देनेश कार्तिक ने की मैदान में जबरदस्त वापसी

मुंबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच जारी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में इंग्लिश कमेंट्री पैनल में मौजूद देनेश कार्तिक ने तीसरे मैच से पहले मिले ब्रेक का फायदा उठाया और वापसी करते हुए मैदान में बल्ले से धुआंधार पारी खेली। कार्तिक को 31 मार्च से आईपीएल में भी खेलना है और इसीलिए वह खाली मिले समय में मैच प्रैक्टिस के लिए मुंबई में खेले जा रहे डीवाई पाटिल टी20 टूनार्मेंट में शिरकत करते नजर आये और पहले ही मैच में जबरदस्त पारी खेली। कार्तिक ने डीवाई पाटिल ग्रुप बी की तरफ से खेलते हुए आरबीआई की टीम के खिलाफ तूफानी अर्धशतक जड़ा और 38 गेंदों में नाबाद 75 रनों की पारी खेली। टॉस हारकर पहले खेलते हुए डीवाई पाटिल ग्रुप बी की टीम ने आठ ओवर में 66 के स्कोर पर तीन विकेट गंवा दिए थे। यहाँ से पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आये कार्तिक एक अलग अंदाज में दिखे और जमकर बड़े शॉट लगाते हुए एक जबरदस्त नाबाद पारी खेल दी। उन्होंने सिर्फ 38 गेंदों में 197.37 के स्ट्राइक रेट से 75 रनों की नाबाद पारी खेली। उनकी पारी में पांच चौके और छह छक्के शामिल थे। कार्तिक की पारी की मदद से टीम ने 20 ओवर में 186/6 का स्कोर बनाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए आरबीआई की टीम पूरे ओवर खेलकर 161/7 का ही स्कोर बना पाई और 25 रनों से मुकाबला हार गई। इस तरह डीवाई पाटिल ग्रुप बी ने मुकाबला अपने नाम किया।

शिव थापा और हुसामुद्दीन की जीत से शुरूआत

सोफिया। भारत के अनुभवी मुक्केबाज शिव थापा और हुसामुद्दीन ने मंगलवार को यहां 74वें स्ट्रैंड्जा मेमोरियल अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी टूनार्मेंट में जीत के साथ अपने अभियान की शुरूआत की। थापा (63.5 किग्रा) ने फ्रेडरिक जेन्सेन लुंडगार्ड के खिलाफ शुरू से ही दबदबा बना कर रखा और अपने प्रतिद्वंदी को 5-0 से हराया। हुसामुद्दीन (57 किग्रा) भी आत्मविश्वास से भरे दिखे और मुकाबले की शुरूआत से ही उन्होंने ग्रीन के ल्यू पिंग को बैकफुट पर रखा तथा 4-1 से जीत दर्ज करके प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। नेशांत देव (71 किग्रा) को तोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता आयरलैंड के एडन वाल्श से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा।

स्मृति मंधाना की तुलना सौरव गांगुली से हुई

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका में खेले जा रहे आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का शानदार प्रदर्शन जारी है।

अब तक खेले तीनों मैचों में मंधाना ने अपना दम दिखाया है और टूनार्मेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पहले पायदान पर हैं।

बीते दिन (20 फरवरी) आयरलैंड के खिलाफ खेलते हुए, बाएं हाथ की बल्लेबाज ने 56 गेंदों में ताबड़तोड़ 87 रन बनाये। उनकी इस पारी में नौ चौके और तीन छक्के शामिल रहे।

बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज मंधाना की इस पारी के बाद, उनके बैटिंग करने के अंदाज की तुलना भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली से होने लगी है। इसको लेकर आईसीसी अपने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जो कि वायरल हो रहा है। इस वीडियो में आईसीसी ने सौरव गांगुली और स्मृति मांधना के शॉट्स को ऊपर और नीचे के क्रम में लगाकर दिखाया है।

हैरानी की बात ये है कि दोनों खिलाड़ियों की तकनीक और शॉट्स बिल्कुल समान नजर आते हैं। मांधना गांगुली की ही तरह ऑफ स्टंप के बाहर कमाल के शॉट खेलती दिख रही हैं।

दोनों ही खिलाड़ी आगे बढ़कर एक जैसे शॉट लगाते नजर आ रहे हैं। वीडियो को शेयर करते हुए, उन्होंने कैप्शन में लिखा, समानताएं अद्भुत हैं।

गौरतलब है कि जिस तरह से गांगुली अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दिनों में ऑफ स्टंप पर काफी बेहतरीन शॉट्स खेलते थे ठीक वैसे ही मांधना इस एरिया में कमाल के शॉट खेलती हैं।

शुभमन गिल को खेलना चाहिए अगला टेस्ट मैच : दिनेश कार्तिक

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल का टेस्ट फॉर्मेट में खराब फॉर्म चल रहा है। उन्होंने पिछली 10 पारियों में केवल 125 रन बनाये हैं. जिसमें एक भी पारी 23 रनों से ऊपर की नहीं है। राहुल की बल्लेबाजी पर सवाल खड़े हो रहे हैं और कई पूर्व क्रिकेटर उन्हें ड्रॉप करने की भी सलाह दे रहे हैं।

क्योंकि टीम इंडिया के लिए लिमिटेड ओवर्स फॉर्मेट में शुभमन गिल का फॉर्म शानदार है।

टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज वेंकटेश प्रसाद ने ट्विटर के माध्यम से राहुल की कड़ी आलोचना की है लेकिन इसके विपरीत भारतीय खिलाड़ी और मौजूदा कमेंटेटर दिनेश कार्तिक उनके खराब प्रदर्शन पर भावुक हो गए।

दिनेश कार्तिक ने अपना उदाहरण देते हुए राहुल के लिए बुरा महसूस किया है।

विकेटकीपर बल्लेबाज कार्तिक ने इस सन्दर्भ में क्रिकबज से कहा कि, 'यह एक पेशेवर दुनिया है, आपको उन दुख भरे पलों से निपटना होता है लेकिन एक खिलाड़ी के तौर पर जब मैं देखता हूं कि आप इस तरह से आउट होते हैं तो अच्छी तरह जानते हैं कि यह आपकी आखिरी पारी हो सकती है।

मेरे साथ ऐसा हुआ था, जब आप ड्रेसिंग रूम में चुपचाप टॉयलेट में जाते हैं, और एक या दो आंसू बहाते हैं। यह एक अच्छा अहसास नहीं है क्योंकि ऐसा कुछ नहीं, जो आप कर सकते हैं।'

दिनेश कार्तिक ने बाकी एनालिस्ट के साथ जाना सही समझा और उन्होंने राहुल के स्थान पर शुभमन गिल को अगले टेस्ट मैच में खिलाने को कहा है। कार्तिक ने बताया कि, 'अस्थायी रूप से फिलहाल, मुझे शुभमन गिल के साथ जाना होगा।

तीसरे टेस्ट के लिए टीम इंडिया में सिर्फ एक बदलाव होगा। मुझे केएल राहुल के लिए बुरा लग रहा है।

लेकिन एक बात पक्की है, केएल जोरदार वापसी करेगा और जब वह करता है, तो कोई सीधे हाथ का बल्लेबाज नहीं होता, जो उनके जैसे शॉट्स और रेंज के साथ उनकी बराबरी कर सकें।'

आईपीएल के 15 साल पूरे होने पर राजस्थान रॉयल को आई शेन वॉर्न की याद, इंस्टाग्राम पर किया खास पोस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 16वां सीजन इस साल 31 मार्च से शुरू होने जा रहा है। साल 2008 में शुरू हुए इस फ्रेंचाइजी टूनार्मेंट ने कई दिग्गज क्रिकेटरों को देखा है। इसमें राजस्थान रॉयल्स के लिए चार सीजन खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न का अहम स्थान है।

शेन वॉर्न ने राजस्थान रॉयल्स को अपनी कप्तानी में आईपीएल की पहली ट्रॉफी जिताई थी, जो कि फ्रेंचाइजी की टूनार्मेंट में अभी तक एकमात्र खिताबी जीत भी है। आईपीएल के 15 साल पूरे होने पर राजस्थान ने अपने पहले रॉयल शेन वॉर्न को याद किया है।

गौरतलब है कि राजस्थान ने 15 साल पहले 20 फरवरी को 2008 की आईपीएल नीलामी के दौरान महान क्रिकेटर शेन वॉर्न को साइन किया था। इस खास मौके को याद करते हुए फ्रेंचाइजी ने सोमवार को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने पोस्ट साझा करते हुए कैप्शन लिखा, 15 साल पहले, हमें अपना पहला रॉयल मिला और आईपीएल..उनका पहला चैंपियन।

पाकिस्तान के खिलाफ इंग्लैंड को मिली बड़ी जीत

नई दिल्ली, एजेंसी

नेट साइवर-ब्रंट (81 नाबाद) की तूफानी पारी और विकेटकीपर बल्लेबाज एमी जोंस (47) के साथ पांचवें विकेट के लिये शतकीय साझीदारी की बदौलत इंग्लैंड ने महिला टी20 विश्वकप में मंगलवार को 213 रन का स्कोर खड़ा किया और उसके दवाब में आये पाकिस्तान को मसलते हुये 114 रन की बड़ी जीत अर्जित की।

न्यूलैंड्स मैदान पर टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये इंग्लैंड ने पांच विकेट खोकर 213 रन बनाये जिसके जवाब में पाकिस्तान निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 99 रन ही बना सका। सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुका इंग्लैंड ग्रुप दो में अजेय रहा है।

इंग्लैंड की बड़ी जीत में प्लेयर आफ द मैच ब्रंट की भूमिका अहम रही जिन्होने पहले बल्ले से कमाल दिखाते हुये 40 गेंदो में नाबाद 81 रन बनाये जिसमें उनके 12 चौके और एक छक्का लगाया। बाद में गेंदबाजी करते हुये उन्होने अपने इकलौते ओवर में चार रन देकर आलिया रियाज का विकेट उखाड़ा।

ब्रंट के अलावा सलामी बल्लेबाज डैनी व्याट (59) और जोंस ने भी अहम योगदान दिया। व्याट ने 33 गेंदों में खेली गयी अर्धशतकीय पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के जड़े।

आखिर में जोंस ने ब्रंट का भरपूर साथ देते हुये पारी की आखिरी गेंद पर आउट होने से पहले 31 गेंदो में पांच चौका और एक छक्का जमाया।

अश्विन को आखिरी सेशन के दौरान ज्यादा फुल लेंथ की गेंदें नहीं डालनी चाहिए थीं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के विकेटकीपर खिलाड़ी दिनेश कार्तिक ने दिल्ली टेस्ट मैच में रविचंद्रन अश्विन की गेंदबाजी को लेकर बड़ी प्रतिक्रिया दी है। अश्विन ने जिस तरह की गेंदबाजी इस मुकाबले में की उसको लेकर दिनेश कार्तिक ने निराशा जाहिर की है। कार्तिक के मुताबिक अश्विन को आखिरी सेशन के दौरान ज्यादा फुल लेंथ की गेंदें नहीं डालनी चाहिए थीं। कार्तिक ने कहा कि अश्विन को अपने लेंथ में बदलाव करना चाहिए। ट्रैविस हेड ने अश्विन का सामना दूसरे दिन काफी शानदार तरीके से किया और उन्हें काफी अच्छी तरह से टैकल किया। कार्तिक का मानना है कि अश्विन को ट्रैविस हेड के ऊपर भारी पड़ना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

क्रिकबज्ज पर बातचीत के दौरान रविचंद्रन अश्विन को लेकर दिनेश कार्तिक ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से रविचंद्रन अश्विन ने इस शाम जिस तरह की गेंदबाजी की उससे वो काफी निराश होंगे। मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि उन्होंने फुल लेंथ पर काफी गेंदबाजी की। कहीं ना कहीं उन्हें ये लग रहा था कि वो ट्रैविस हेड को आउट कर सकते हैं लेकिन हेड ने काफी अच्छी तरह से उन्हें खेला। उन्होंने आगे बढ़कर क्रीज का प्रयोग किया। हालांकि अभी भी अश्विन ऑस्ट्रेलिया के लिए दिक्कतें पैदा कर सकते हैं लेकिन उन्हें अपने लेंथ को थोड़ा और कम करना होगा।

आपको बता दें कि अश्विन ने इस मैच में एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया। आर अश्विन ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 700 विकेट और 5000 रनों के आंकड़े को छू लिया है। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लैबुशेन को पहली पारी में आउट करने के बाद उन्होंने गेंदबाजी में 700 प्रथम श्रेणी विकेट प्राप्त किये, तो बल्लेबाजी में जैसे ही उन्होंने 22 रन बनाये तो 5 हजार रन भी पूरे कर लिए।

यंगस्टर्स रिस्ट स्पिनर बनना ही नहीं चाहते हैं : पियूष चावला

नई दिल्ली,एजेंसी

दिग्गज स्पिनर पियूष चावला ने आईपीएल और डोमेस्टिक क्रिकेट में एक बड़ी कमी की तरफ इशारा किया है। उन्होंने बताया कि आईपीएल में ज्यादा रिस्ट स्पिनर क्यों नहीं हैं। पियूष चावला के मुताबिक इसकी बड़ी वजह ये है कि डोमेस्टिक क्रिकेट में ही ज्यादा रिस्ट स्पिनर नहीं हैं और इसी वजह से आईपीएल में भी इस तरह के स्पिनर काफी कम निकलकर सामने आते हैं।

आईपीएल इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट चटकाने के मामले में पांचवें स्थान पर मौजूद लेग स्पिनर पियूष चावला आगामी सीजन मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते हुए नजर आएंगे। मुंबई के स्क्वाड में कई युवा स्पिनर हैं और ऐसे में दिग्गज लेग स्पिनर का अनुभव उनके काफी काम आ सकता है।

श्रीलंका की इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में आसान जीत, 2-1 से जीती सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका दौरे पर आई इंग्लैंड को तीन मैचों की अनाधिकारिक वनडे सीरीज में 1-2 से शिकस्त मिली है। सीरीज के तीसरे और अंतिम वनडे में श्रीलंका ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया।

पहले खेलते हुए इंग्लैंड की टीम 45 ओवर में 166 रन बनाकर ऑलआउट हो गई, जवाब में श्रीलंका ने 32.1 ओवर में 167/4 का स्कोर बनाते हुए मुकाबला अपने नाम किया। श्रीलंका के निपुण धनंजय को शानदार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं दूषन हेमंता प्लेयर ऑफ टूनार्मेंट बने।

टॉस जीतकर इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया लेकिन टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। ओपनर जैक हैन्स 13 रन बनाकर इशिता विजसुंदरा का शिकार बने। कप्तान सैम हैन सिर्फ 3 रन बनाकर 31 के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। टॉम प्रेस्ट को 12 रन के निजी स्कोर पर दुनिथ वेल्लालागे ने चलता किया। पारी की शुरूआत में आये ओपनर जैकब बेथल ने अच्छी बल्लेबाजी की और 50 बनाये। यहाँ से कुछ विकेट सस्ते में आउट हो गए और टीम की हालत खराब हो गई। जॉर्डन कॉक्स ने 31 और टॉम हार्टले ने 22 रनों की पारी खेली लेकिन कोई भी बल्लेबाज टिकने में सफल नहीं रहा। इस तरह टीम अपने पूरे ओवर भी नहीं खेल पाई और।

श्रीलंका के लिए इशिता विजसुंदरा और दूषन हेमंता ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किये। सुमिंदा लक्षण ने भी दो विकेट चटकाए।

छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका ने अपना पहला विकेट 28 के स्कोर पर गंवाया।

नुवानिदु फर्नांडो 10 रन बनाकर टॉम हार्टले की गेंद पर आउट हुए। 28 के स्कोर पर दूसरे ओपनर लसिथ क्रोस्पुले को साकिब महमूद ने चलता किया।

उन्होंने 18 रन बनाये। लाहिरू उदारा ने 21 रनों की पारी खेली। गिरते विकेटों के बीच एक छोर से निपुण धनंजय डटे रहे और अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा 65 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए जीत दिलाई।

कप्तान सदीरा समरविक्रमा ने 23 रन बनाये, वहीं सहन अराचचिगे ने नाबाद 22 रन बनाये।

इमरान की पीटीआई आज लाहौर से जेल भरो तहरीक की करेगी शुरूआत

- इतिहास में यह अनोखी घटना है। किसी अन्य राजनीतिक दल ने कभी ऐसा आंदोलन शुरू करने की हिम्मत नहीं की थी

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की राजनीतिक पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) बुधवार को लाहौर से अपना नया अभियान जेल भरो तहरीक शुरू करने के लिए तैयार है। 200 से अधिक समर्थक अदालती गिरफ्तारी के विरोध में सड़कों पर उतरने के लिए तैयार हैं। अभियान की शुरूआत की घोषणा करते हुए खान ने एक वीडियो संदेश में कहा, जेलों को भर दो और डर को चकनाचूर कर दो। पीटीआई की योजना अपनी सरकार को सत्ता से बेदखल करने और देश में वर्तमान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के तहत संघीय और प्रांतीय स्तर पर चुनाव कराने के जानबूझकर प्रयास के खिलाफ है। अभियान को पीटीआई की सोशल मीडिया टीम ने चालाकी से सोशल मीडिया पर टॉप ट्रेंड में बदल दिया और अपने समर्थकों को अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया, जो आज लाहौर से शुरू हो रहा है।

दूसरी ओर, प्रांतीय सरकार ने कहा है कि पीटीआई के विरोध स्थल पर किसी भी सार्वजनिक सभा पर रोक लगाते हुए मॉल रोड पर पहले से ही धारा-144 लागू कर दी गई है, जबकि सुरक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि जब तक विरोध हिंसक और आक्रामक न हो जाए, तब तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया जाए। लेकिन पीटीआई धारा 144 लागू होने के बावजूद अपनी विरोध रैली को आगे बढ़ाने की योजना बना रही है। यदि पीटीआई नेताओं और समर्थकों को गिरफ्तार नहीं किया जाता है, तो रैली को एक धरने में बदलने की योजना है। पीटीआई की योजना के अनुसार, लाहौर जेल भरो तहरीक का शुरूआती बिंदु है। लाहौर के बाद 23 फरवरी को पेशावर, 24 फरवरी को रावलपिंडी, 25 फरवरी को मुल्तान, 26 फरवरी को गुजरांवाला, 27 फरवरी को सरगोधा और 28 फरवरी को साहीवाल में इसी तरह की गिरफ्तारियां की जाएंगी, जबकि फैसलाबाद मार्च के पहले दिन अभियान में शामिल होगा। पीटीआई के वरिष्ठ नेता सीनेटर एजाज चौधरी ने कहा, हमने अभियान के पहले दिन कम से कम 200 स्वयंसेवकों की मांग की थी, लेकिन अभियान के लिए 2,000 से अधिक लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं। दिलचस्प बात यह है कि पूर्व सूचना मंत्री और पीटीआई के वरिष्ठ नेता फवाद चौधरी ने कहा है कि पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी और पूर्व वित्त मंत्री असद उमर ने भी जोर देकर कहा है कि वे पहले चरण में अभियान का हिस्सा बनेंगे और आज अदालती गिरफ्तारी भी दे सकते हैं। फवाद चौधरी ने कहा, पाकिस्तान के इतिहास में यह अनोखी घटना है। किसी अन्य राजनीतिक दल ने कभी ऐसा आंदोलन शुरू करने की हिम्मत नहीं की थी, जहां उसके कार्यकर्ता और नेता स्वेच्छा से गिरफ्तारी के लिए तैयार हों। यह विरोध घोर मानवाधिकारों के उल्लंघन, आसमान छूती महंगाई और आईएमएफ (अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष) के साथ सौदे के खिलाफ है।

पीटीआई लॉन्च डे पर शहरों में कई रैलियां

पीटीआई ने अभियान लॉन्च डे तक विभिन्न शहरों में कई रैलियां भी की हैं। हालांकि उम्मीद की जा रही है कि पीटीआई का शीर्ष नेतृत्व प्रचार के पहले चरण में अपनी गिरफ्तारी नहीं दे सकता। पहले चरण में, कम से कम 200 पीटीआई थर्ड-स्तरीय लीडरों और समर्थकों को लाहौर में आज अदालत की गिरफ्तारी की उम्मीद है। विवरण के अनुसार, पीटीआई समर्थक मॉल रोड लाहौर में पंजाब प्रांतीय विधानसभा भवन के सामने पहुंचेंगे, जहां वे सरकार विरोधी अपना विरोध रिकॉर्ड करेंगे और अपनी गिरफ्तारी देंगे।

खर्चे में कटौती के तहत विदेशों में मिशनों की संख्या कम करेगा पाकिस्तान

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कई विदेशी मिशनों को कम करने और उनके कार्यालयों, स्टाफ में कमी और व्यय को 15 प्रतिशत तक कम करने के लिए विदेश मंत्रालय को निर्देश जारी किए हैं। द न्यूज ने पीएमओ द्वारा जारी एक निर्देश के हवाले से कहा, प्रधानमंत्री को यह निर्देश देते हुए खुशी हो रही है कि इस संबंध में एक सुविचारित प्रस्ताव/योजना दो सप्ताह के भीतर निश्चित रूप से इस कार्यालय को प्रस्तुत की जा सकती है। रेशनालाइजेशन ऑफ फॉरेन मिशन अब्रॉड शीर्षक वाले इस आधिकारिक संचार में कहा गया है कि चल रही आर्थिक बाधाओं और राजकोषीय समेकन और बाहरी घाटे के नियंत्रण के लिए परिणामी आवश्यकता को देखते हुए, प्रधानमंत्री ने एक राष्ट्रीय मितव्ययिता समिति (एनएसी) का गठन किया। समिति ने अन्य बातों के साथ-साथ सिफारिश की है कि विदेशों में पाकिस्तान मिशनों पर खर्च को 15 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। यह विदेशी मिशनों की संख्या को कम करके, वहां तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों की संख्या में कमी और अन्य उपयुक्त उपायों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। द न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, संघीय कैबिनेट के राजनीतिक-सह-तकनीकी सदस्यों के बीच एनएसी द्वारा दी गई सिफारिशों को लागू नहीं करने के लिए सरकार की ओर से अनिच्छा के लिए बढ़ती निराशा रही है, जिसका गठन खुद प्रधानमंत्री द्वारा किया गया था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई लागू नहीं हुई है। द न्यूज ने बताया कि उदाहरण के लिए, एक संघीय मंत्री मासिक आधार पर 1,000 लीटर पेट्रोल की खपत करते हैं। उनके पास एक शानदार वाहन और तीन अन्य आधिकारिक कारें हैं। एक अन्य मंत्री ने खर्च में कटौती का प्रदर्शन करते हुए सरकार को एक वाहन लौटाने के लिए पत्र लिखा है और पत्र को सार्वजनिक भी किया है। लेकिन उन्होंने यह खुलासा नहीं किया कि चालू वित्त वर्ष के कुछ ही महीनों में उन्होंने पेट्रोल पर अपने मंत्रालय की लिमिट का उपयोग किया है। द न्यूज ने बताया कि अधिकांश नौकरशाह वाहनों का मुद्रीकरण कर रहे हैं, लेकिन विभिन्न मदों के माध्यम से आधिकारिक कारों और पेट्रोल का भी उपयोग कर रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

गुटेरेस ने माली में शांति सैनिकों पर हमले की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने मंगलवार को माली में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के काफिले पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। हमले में सेनेगल के तीन सैनिक शहीद हो गए तथा पांच अन्य घायल हो गए है। श्री गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने यह जानकारी दी। श्री दुजारिक ने एक बयान में कहा कि श्री गुटेरेस ने सेनेगल की सरकार और लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना और पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की हैं तथा घायल शांति सैनिकों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना की हैं। बयान में कहा गया है महासचिव ने माली के अधिकारियों से इस हमले के अपराधियों की पहचान करने में कोई कसर नहीं छोड़ने का आह्वान किया है ताकि पीड़ितों को न्याय दिलाया जा सके।

अमेरिका की घरेलू राजनीति में सुर्खियां बटोर रहीं निक्की हेली

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी पार्टी में उम्मीदवारी की दावेदारी पेश करने के एक हफ्ते बाद भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली देश की राजनीति के केंद्र में हैं और दोनों ही दलों-रिपब्लिकन तथा सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी में उनके बारे में चर्चा हो रही है। भारत से अमेरिका पहुंचे सिख प्रवासियों की बेटी हेली (51) ने ह्ययुवाह्न और ह्यपरिवर्तनह्न जैसे दो प्रमुख मुद्दे उठाए हैं जिसने अमेरिकियों का ध्यान आकर्षित किया है। हेली की मांग है कि 75 वर्ष से अधिक आयु के सभी राजनीतिक नेताओं को अनिवार्य रूप से मानसिक योग्यता परीक्षण से गुजरना चाहिए। उनकी यह मांग अचानक चर्चा का विषय बन गई है। भारतीय-अमेरिकी हेली की मांग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से पुनः उम्मीदवारी के आकांक्षी एवं वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन तथा रिपब्लिकन पार्टी में उम्मीदवारी के अग्रणी दावेदार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 75 साल से अधिक उम्र के हैं। अमेरिका में शायद ही ऐसा कोई प्रमुख अमेरिकी मीडिया प्रतिष्ठान होगा जिसने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दावेदारी से संबंधित हेली के अभियान के बारे में चर्चा न की हो।

नेपाल में राष्ट्रपति पद पर निर्णायक शक्ति बनने के बाद प्रचंड पर चौतरफा दबाव

चीन के राजदूत चेन की प्रचंड से मुलाकात के बाद ओली प्रधानमंत्री आवास बालुवाटार पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल में राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन पंजीकरण की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, आंतरिक और बाहरी सक्रियता बढ़ गई है। सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष केपी शर्मा ओली ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर चर्चा करने के लिए बुधवार सुबह प्रधानमंत्री एवं सीपीएन (एमसी) के अध्यक्ष पुष्प कमल दहल ह्यप्रचंडह्न से मुलाकात की। समझा जाता है कि बैठक के दौरान सत्ता गठबंधन को बनाए रखने और एक आम राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर फैसला करने के बारे में चर्चा हुई। प्रधानमंत्री के करीबी सूत्रों ने बताया कि भले ही ओली ने प्रस्तावों के साथ विभिन्न विकल्पों पर चर्चा की लेकिन इस मुद्दे पर प्रचंड तैयार नहीं थे। यूएमएल के अध्यक्ष ओली प्रधानमंत्री के आवास बालुवाटार पहुंचने से पहले ही चीन के राजदूत चेन शेंग ने बालुवाटार पहुंचकर प्रचंड से मुलाकात की। चीन के राजदूत चेन नेपाल के राष्ट्रपति पद पर कम्युनिस्ट पार्टी से ही उम्मीदवार बनने का दबाव बनाते रहे हैं। प्रचंड और ओली के बीच हुई मुलाकात से कुछ दिन पहले उन्होंने आवास पहुंचकर ओली से मुलाकात की थी। प्रचंड नेपाली कांग्रेस को राष्ट्रपति पद देने के पक्ष में हैं। उन्होंने कांग्रेस के साथ जो आंतरिक समझौता किया था, उसका खुलासा हो गया है। हालांकि, चीनी पक्ष की ओर से प्रचंड पर मौजूदा गठबंधन को बरकरार रखते हुए राष्ट्रपति पर सहमत होने का दबाव बढ़ रहा है, न कि कांग्रेस का। इसके लिए माधव नेपाल को भी शामिल करने की कोशिश की जा रही है। ओली पहले ही सीपीएन (एकीकृत समाजवादी) के अध्यक्ष माधव कुमार नेपाल को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाने पर चर्चा कर चुके हैं। पता चला है कि ओली ने सोमवार शाम माधव नेपाल से मुलाकात की थी। माधव नेपाल ने कहा कि ओली के साथ हुई बैठक के बारे में खुलासा नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल इस बारे में सार्वजनिक रूप से बात नहीं करेंगे। नेपाल में राष्ट्रपति चुनाव नौ मार्च को होगा और नामांकन 25 फरवरी को दाखिल किया जाएगा।

पुतिन ने युद्ध के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने हाल ही ही में अपनी कीव यात्रा के दौरान यूक्रेन के साथ खड़े रहने के लिए पश्चिमी देशों की प्रशंसा की जिसे लेकर रुस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने पश्चिमी देशों पर वाक हमले तेज किये हैं। पुतिन ने देश के यूक्रेन के साथ युद्ध के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया। उन्होंने यह बात रूस के यूक्रेन आक्रमण की शुक्रवार को पहली बरसी से एक हफ़्ते पहले कही। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम ने नाजी जर्मनी को सक्षम किया था और यूक्रेन को एक नए नाजी शासन में बदल दिया जो रूस विरोधी था। बाइडेन ने कुछ घंटो बाद कहा, ह्यनिरंकुश केवल एक शब्द समझते हैं नहीं, नहीं, नहीं। पुतिन ने सोचा था कि दुनिया पलट जाएगी, वह गलत थे।ह्व उन्होंने नाटो को पहले से कहीं अधिक एकजुट होने की शपथ लेते हुए कहा, कीव मजबूत, गौरवान्वित, और स्वतंत्र है और यूक्रेन के लिए पश्चिमी समर्थन विफल नहीं होगा।ह्व पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेजेज डूडा ने वारसॉ के शाही महल में बाइडेन का स्वागत करते हुए कहा कि कीव की यात्रा करके उन्होंने दिखाया कि स्वतंत्र दुनिया को किसी चीज का डर नहीं है। नाटो की भूमिका मुक्त दुनिया की रक्षा और समर्थन करने की थी और यूक्रेन को इस युद्ध को जीतना होगा। रुस के राष्ट्रपति ने बखमुत में 20 फरवरी को घोषणा की कि वह 2010 में अमेरिका के साथ हस्ताक्षरित न्यू स्टार्ट परमाणु हथियार नियंत्रण संधि को निलंबित कर रहे हैं।

इस सौदे में परमाणु हथियारों की संख्या और नाटो की सीमाएँ हैं, और ब्रिटेन के नेताओं ने उनसे पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। पुतिन के क्रेमलिन से कुछ ही दूरी पर एक प्रदर्शनी केंद्र में दिया गया लंबे भाषण का शुरूआती हमला सत्य था।उन्होंने रूस की संसद के दोनों सदनों को संबोधित करते हुए कहा, युद्ध शुरू करने वाले वे थे, हम इसे रोकने के लिए बल का प्रयोग कर रहे हैं। यूक्रेन में कोई भी पश्चिमी सैनिक नहीं है, लेकिन रूस के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को अमेरिका के राजदूत लिन ट्रेसी को तलब करते हुए दावा किया कि वाशिंगटन को यूक्रेन से अमेरिका-नाटो सैन्य और उपकरण वापस लेने के लिए कदम उठाने चाहिए। स्थानीय मीडिया ने कहा कि पिछले नवंबर में रूस के सैनिकों से मुक्त किए गए खेरसॉन शहर में रूसी गोले गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सिटी सेंटर में एक बस स्टॉप, एक फामेर्सी और रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया। जिन इमारतों पर हमला हुआ उनमें एक किंडरगार्टन भी था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को अपने रात्रिकालीन संबोधन में कहा कि रूस के हमलों का कोई सैन्य उद्देश्य नहीं था और न ही हो सकता था। इसके बजाय आतंक पैदा करने का इरादा था। उन्होंने कहा कि यूक्रेन सेना पूर्वी यूक्रेन में अग्रिम पंक्ति पर अपनी स्थिति बनाए रख रही है जहां लड़ाई का बड़ा हिस्सा चल रहा है।

शांतिरक्षा मिशन किसी जगह हमेशा के लिए बने नहीं रहने चाहिए : भारत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि अंतरराष्ट्रीय संस्था के शांतिरक्षा मिशन का सुरक्षा परिदृश्य आज अधिक जटिल, हिंसक और जोखिम भरा है और ऐसे मिशन किसी भी जगह हमेशा के लिए मौजूद नहीं रहने चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की शांतिरक्षा अभियानों की विशेष समिति से मंगलवार को कहा कि बाहर निकलने की रणनीति शुरूआत से ही योजनाओं का हिस्सा होनी चाहिए। कंबोज ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में कहा, ह्यह्यभारत का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र मिशन किसी जगह अनंतकाल के लिए नहीं रहने चाहिए। बाहर निकलने की रणनीतियां योजनाओं की शुरूआत से ही उनका हिस्सा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक लाभ के लिए अनावश्यक मिशन जारी रखने पर अन्य महत्वपूर्ण मिशन से आवश्यक संसाधनों को उनमें लगाना पड़ता है। उन्होंने कहा, यही सही समय है, जब हमें इस तरह के मिशन को जारी रखने की आवश्यकता की समीक्षा करनी चाहिए। भारत सात दशकों से शांतिरक्षा मिशन में अग्रणी रहा है। दुनिया भर के 49 मिशन में 2,60,000 भारतीयों ने शांतिरक्षकों के रूप में सेवाएं दी हैं। इस समय जारी 14 में से नौ मिशन में भारत के छह हजार से अधिक शांतिरक्षक हैं। कंबोज ने कहा, शांतिरक्षा अभियानों का सुरक्षा परिदृश्य आज अधिक जटिल, अधिक हिंसक, अधिक जोखिम भरा है। आतंकवादी और सशस्त्र समूह आम नागरिकों और शांतिरक्षकों को लक्ष्य के रूप में देखते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ सशस्त्र समूहों के पास लगभग सभी पारंपरिक क्षमताएं हैं और इसलिए यह कोई संयोग नहीं है कि शांतिरक्षकों की मौत के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि मेजबान देशों में मजबूत सुरक्षा व्यवस्था और कानून का शासन आम नागरिकों की आतंकवादियों और सशस्त्र समूहों से रक्षा कर सकता है और शांति एवं विकास के लिए अनुकूल स्थितियां पैदा कर सकता है। कंबोज ने कहा कि मिशन की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करना महत्वपूर्ण है।

जातिगत भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाला अमेरिका का पहला शहर बना सिएटल

नई दिल्ली, एजेंसी

सिएटल जाति आधारित भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाला अमेरिका का पहला शहर बन गया है। भारतीय अमेरिकी नेता एवं अर्थशास्त्री ने सिएटल सिटी काउंसिल में भेदभाव न करने की नीति में जाति को शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसे पारित कर दिया गया है। उच्च जाति की हिंदू नेता क्षमा सावंत के प्रस्ताव को सिएटल के सदन यानी सिटी काउंसिल में एक के मुकाबले छह मतों से पारित किया गया। अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव के मामले पर इस मत परिणाम के दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। सावंत ने प्रस्ताव पारित होने के बाद कहा, यह आधिकारिक हो गया है। हमारे आंदोलन के कारण सिएटल में जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जो देश में पहली बार हुआ है। इस जीत को देशभर में फैलाने के लिए हमें इस आंदोलन को आगे बढ़ाना होगा। इस प्रस्ताव से पहले भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने भी इसे अपना समर्थन दिया था। उन्होंने कहा, अमेरिका समेत दुनिया में कहीं भी जाति आधारित भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है और इसी लिए कुछ महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों ने परिसरों में इस पर प्रतिबंध लगा दिया है और श्रमिक जातिगत भेदभाव संबंधी मामलों में अपने अधिकारों एवं अपनी गरिमा के लिए लड़ रहे हैं। सिएटल में जातिगत भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाले प्रस्ताव में अहम भूमिका निभाने वाले इक्वैलिटी लैब्स ने कहा, सिएटल जाति आधारित भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाला देश का पहला शहर बन गया है और इसी के साथ प्रेम की घृणा पर जीत हो गई। हमने बलात्कार की धमकियों, जान से मार देने की धमकियों, दुष्प्रचार एवं कट्टरता से पार पाते हुए यह काम किया। इस प्रस्ताव के खिलाफ अभियान चलाने वाले हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि दक्षिण एशियाई लोगों को अलग करना और गैर-भेदभाव नीति में जाति को जोड़ना उसी नीति का उल्लंघन है, जिसमें अब संशोधन किया गया है। आंबेडकर फुले नेटवर्क ऑफ अमेरिकन दलित्स एंड बहुजन्स की मधु टी ने कहा कि एक विवादास्पद परिषद सदस्य द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से और जल्दबाजी में लाया गया अध्यादेश केवल दक्षिण एशियाई लोगों को, विशेष रूप से दलित एवं बहुजन को नुकसान पहुंचाएगा। कई भारतीय-अमेरिकियों को डर है कि सरकारी नीति में जाति को संहिताबद्ध करने से अमेरिका में हिंदूफोबिया (हिंदुओं के खिलाफ घृणा एवं डर की भावना) के मामले और बढ़ेंगे। अमेरिका में पिछले तीन साल में महात्मा गांधी एवं मराठा सम्राट शिवाजी की प्रतिमा सहित पांच प्रतिमाओं और 10 हिंदू मंदिरों में तोड़-फोड़ की गई है।

पश्चिम के प्रतिबंधों का रूस पर नहीं पड़ा कोई खास असर

नई दिल्ली, एजेंसी

यूक्रेन पर रूस के जारी हमलों के लगभग एक साल होने के मद्देनजर अमेरिका के राष्ट्रपति जो. बाइडन पौलेंड के रॉयल कैसल से यूक्रेन के पक्ष में और रूस के खिलाफ संदेश देते नजर आए। अब सवाल हालांकि ये भी हैं कि क्या अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंध मॉस्को को कोई बड़ा झटका दे पाए हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, रूस अब दुनिया में सर्वाधिक प्रतिबंधित देश है। रूसी मुद्रा रूबल प्रतिबंधों के चलते भले ही अस्थायी रूप से अस्थिर हुई हो, लेकिन वैसा नहीं हुआ है जैसा अमेरिका और इसके सहयोगी देशों ने कहा था। इन देशों को उम्मीद थी कि रूसी मुद्रा प्रतिबंधों के चलते पूरी तरह धराशायी हो जाएगी। युद्ध को लगभग एक साल हो चुका है और प्रतिबंधों का रूस पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। युद्ध से पहले के हफ्तों में रूबल 75-प्रति-डॉलर था और अब भी इसकी लगभग यही स्थिति है। हालांकि रूस मुद्रादर को स्थिर रखने के लिए पूंजी नियंत्रण का उपयोग कर रहा है। भले ही रूस की अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 2022 में 2.2 प्रतिशत सिकुड़ गई, पर यह बाइडन प्रशासन के अधिकारियों के उस पूवार्नुमान के अनुरूप बिलकुल नहीं है जिसमें कहा गया था कि प्रतिबंधों के चलते रूसी अर्थव्यवस्था को 15 प्रतिशत का नुकसान होगा। पोलैंड पहुंचे बाइडन ने कहा कि भले ही कुछ भी हो जाए, अमेरिका एवं उसके सहयोगी यूक्रेनवासियों की मदद करने से पीछे नहीं हटेंगे। यूक्रेन का अचानक दौरा करने के एक दिन बाद बाइडन ने पोलैंड में अपने संबोधन के दौरान पिछले एक साल में किए गए प्रयासों के लिए यूरोप में अपने सहयोगियों की प्रशंसा की और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को कड़े शब्दों में स्पष्ट संदेश दिया, नाटो (उत्तर अटलांटिक संधि संगठन) विभाजित नहीं होगा और हम थकेंगे नहीं। बाइडन ने वॉरसॉ के ह्यरॉयल कैसलह्न के बाहर हजारों लोगों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा, ह्यह्यएक साल पहले दुनिया को कीव के हार जाने की आशंका थी।

विश्व युद्ध | सामाजिक

ब्रटिश भारतीय पूर्व-पुलिसकर्मी ने मेट्रोपॉलिटन पुलिस पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी

- महंगी अदालती कार्यवाही की चुनौतियों का सामना करने के बाद संधू ने किस्तों में भुगतान करना शुरू कर दिया

भारतीय मूल की एक पूर्व मेट्रोपॉलिटन पुलिस अधिकारी ने अपनी किताब में ब्रिटेन के पुलिस बल के भीतर कथित नस्लवाद को उजागर करने के लिए उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। परम संधू 1989 में मेट्रोपॉलिटन में शामिल हुई थीं और 30 वर्षो तक इसकी सेवा की। उन्होंने कहा कि मेट्रोपॉलिटन पुलिस द्वारा उन्हें बताए जाने पर कानूनी कार्रवाई की धमकी देने के बाद उन्हें निशाना बनाया गया, जिसे लिखने का उन्हें कोई अफसोस नहीं है। द टाइम्स ने बताया कि संधू को मेट्रोपॉलिटन से एक समझौते में प्राप्त 120,000 पाउंड में से आधे का भुगतान करने के लिए मजबूर होना पड़ा, क्योंकि बाद में कहा गया कि यह उन पर मुकदमा करेगा। द मेट्रोपॉलिटन (मेट) ने दावा किया कि संधू ने एक गोपनीयता समझौते को तोड़ दिया था, जिसमें उन्हें मेट या पूर्व मेट कमिश्नर, क्रेसिडा डिक के बारे में अपमानजनक टिप्पणी नहीं करने के लिए कहा गया था। द टाइम्स के मुताबिक, इस सौदे पर 2020 में हस्ताक्षर किए गए थे, जब संधू के भेदभाव के दावे को एक रोजगार न्यायाधिकरण के समक्ष सुलझाया गया था। उन्होंने मेट्रोपॉलिटन पुलिस पर 2019 में एक भेदभाव का मुकदमा दायर किया था जिसमें आरोप लगाया था कि उन्हें उनकी नस्ल और लिंग के आधार पर पदोन्नति और काम के अवसरों से वंचित किया गया। संधू ने ब्लैक एंड ब्लू शीर्षक वाले अपने संस्मरण में कहा कि उन्होंने 30 वर्षो तक संस्थागत रूप से नस्लवादी संगठन में भेदभाव के नियमित एपिसोड को सहन किया। उन्होंने कहा कि घटनाओं में सामान्य निम्न-स्तर के यौन और नस्लीय दुर्व्यवहार और पदोन्नति में बाधा डालने के प्रयास शामिल थे। टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि अदालत के आदेश के साथ प्रकाशन पर रोक लगाने के लिए विभाग की मांग से बचने के लिए संधू ने विभाग को 60,000 पाउंड वापस करने पर सहमति व्यक्त की थी।

लेकिन 2022 में यह सामने आया कि संधू ने पैसा देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद मेट ने कानूनी कार्रवाई शुरू की, जिसमें 60,000 पाउंड और 8 प्रतिशत ब्याज की मांग की गई। महंगी अदालती कार्यवाही की चुनौतियों का सामना करने के बाद संधू ने किस्तों में भुगतान करना शुरू कर दिया। द टाइम्स ने संधू के हवाले से बताया, मैं बोलने के विशेषाधिकार के लिए 60,000 खो चुकी हूं। और अगर मैं इसे वापस पा सकती हूं, तो मैं करूंगी। लेकिन मुझे किताब में इसका खुलासा करने का कोई अफसोस नहीं है। संधू का प्रतिनिधित्व करने वाले लॉरेंस डेविस ने कहा कि ट्रिब्यूनल के निपटारे में गोपनीयता खंड या गैर-प्रकटीकरण समझौते को कानूनी नहीं होना चाहिए। उन्होंने टाइम्स को बताया, जनता को मेट पुलिस में नस्लवाद और लिंगवाद के बारे में जानने का अधिकार है। संधू को 2005 में लंदन बम धमाकों के बाद उनके काम के लिए एशियन वुमन ऑफ अचीवमेंट पब्लिक सेक्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129